राज्य पात्रता परीक्षा प्रकोष्ठ

State Eligibility Test Cell

(मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग)

नोडल एजेन्सी

रेसीडेन्सी क्षेत्र, इन्दौर

विज्ञापन क्रमांक 08 / परीक्षा / 2016 / 13.12.2016	**ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 05.01.2017**
ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की प्रारम्भिक तिथि 15.12.2016	

सहायक प्राध्यापक पद के भर्ती हेतु राज्य पात्रता परीक्षा 2017

मध्यप्रदेश सेट – 2017

महत्वपूर्ण

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन, सहायक प्राध्यापक के पदों पर भर्ती हेतु राज्य पात्रता परीक्षा 2017 का आयोजन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से करने जा रहा है। राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2017 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित कुल 19 (उन्नीस) विषयों में आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन विधि से आयोजित होगी।

1. सेट 2017 हेतु आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जायेंगें । किसी भी प्रकार के मैन्युअल अथवा डाक द्वारा भेजे गये आवेदन पत्र सेट प्रकोष्ठ द्वारा स्वीकार नहीं किये जावेंगें ।
2. सेट परीक्षा के लिये आवेदक द्वारा परीक्षा शुल्क का भुगतान क्रेडिट कार्ड/ **डेबिट कार्ड**, इंटरनेट बैंकिंग द्वारा **किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त परीक्षा शुल्क** एम. पी. ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क के माध्यम से भी स्वीकार किया जावेगा । परीक्षा शुल्क के भुगतान के लिये किसी बैंक का ड्राफ्ट अथवा चेक स्वीकार नहीं किये जायेंगे ।
3. सेट परीक्षा 2017 के लिये ऑनलाइन आवेदन दिनांक **15.12.2016** (दोपहर 12.00 बजे) से दिनांक **05.01.2017** (रात्रि 12:00 बजे) तक www.mponline.gov.in, www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर भरे जा सकेंगें। इसके पश्चात् ये लिंक निष्क्रिय हो जाएगी।
4. आवेदक ऑनलाइन आवेदन–पत्र की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। ऑनलाइन आवेदन–पत्र में त्रुटि सुधार का कार्य दिनांक 20.12.2016 से 07.01.2017 तक ऑनलाइन किया जा सकेगा । इस हेतु प्रति त्रुटि सुधार सत्र, रू 50/– त्रुटि सुधार शुल्क देय होगा । आवेदक त्रुटि सुधार हेतु एम. पी. ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं । आवेदक यह ध्यान रखें कि सेट के आवेदन–पत्र में हुई किसी भी त्रुटि का सुधार दिनांक 07.01.2017 के बाद नहीं किया जा सकेगा । अतः सेट परीक्षा का आवेदन–पत्र अत्यंत सावधानीपूर्वक भरें ।
5. त्रुटि सुधार अवधि में श्रेणी सुधार के मामलों में यदि किसी आवेदक द्वारा आरक्षित वर्ग के रूप में भरे गये अपने ऑनलाइन आवेदन–पत्र में सुधार कर उसे अनारक्षित वर्ग किया जाता है तो उसे **आवेदन** शुल्क के अंतर की राशि 500/– का भुगतान त्रुटि सुधार शुल्क के अतिरिक्त करना होगा किन्तु अनारक्षित वर्ग के रूप में भरे गये ऑनलाइन आवेदन–पत्र को आरक्षित वर्ग में परिवर्तन की स्थिति में **आवेदन** शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जायेगी ।
6. ऑनलाइन आवेदन–पत्रों में आवेदक द्वारा भरी गयी श्रेणी / वर्ग (अनारक्षित / अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / निःशक्त) / संबंधित विषय में न्यूनतम अर्हता आदि के आधार पर ही परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाता है। अतः त्रुटिसुधार अवधि समाप्त होने के पश्चात् किसी भी प्रकार का परिवर्तन मान्य नहीं होगा तथा श्रेणी / वर्ग / जन्मतिथि परिवर्तन विषयक समस्त अभ्यावेदन सामान्यतः अमान्य किये जायेंगें तथा सेट प्रकोष्ठ द्वारा इस संदर्भ में आवेदक से कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जायेगा।
7. इस विज्ञापन के अंतर्गत 19 विषयों हेतु पात्रता परीक्षा कम्प्यूटर आधारित ऑनलाइन विधि से आयोजित की जाएगी। सेट परीक्षा की तिथि व समय आयोग की वेबसाइट www.mponline.gov.in, www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर पृथक से उपलब्ध किया जाएगा।

8. विज्ञापन के सन्दर्भ में आवश्यक सूचनाएं एवं सेट परीक्षा का परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com एवं रोजगार और निर्माण समाचार–पत्र में प्रकाशित किया जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन–पत्र भरते समय दिये गए E-mail Address तथा मोबाइल नंबर पर E-mail तथा SMS द्वारा **आवश्यक होने पर सूचना दी जा सकेगी।** आवेदक आवश्यक सूचनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन–पत्र पर सुनिश्चित स्थान पर अपने ई–मेल पते, **आधार नंबर तथा** मोबाइल नंबर का अवश्य उल्लेख करें तथा आयोग की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करते रहें ।

9. **पात्रता परीक्षा 2017 हेतु संबंधित विषयों में स्नातकोत्तर उत्तीर्ण अथवा स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत् अभ्यर्थी पात्र है।**

पात्रता परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई कम्प्यूटर त्रुटि/ लिपिकीय त्रुटि ध्यान में आती है तो प्रकोष्ठ को चयन परिणाम को सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा ।

10. **सेट प्रकोष्ठ की परीक्षा प्रणाली निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। किसी भी व्यक्ति द्वारा इस प्रणाली को विफल कर किसी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की संभावना नहीं है। अतः किसी भी व्यक्ति द्वारा सीधे या किसी अन्य के माध्यम से लाभ पहुंचाने का दावा किया जाता है तो ऐसा व्यवहारिक रूप से असंभव है। अतः ऐसे व्यक्ति के बहकावे में न आये और उस व्यक्ति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सूचना अविलंब सेट प्रकोष्ठ को दें ताकि ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जा सके। सूचना देने वाले का नाम तथा पता गोपनीय रखा जाएगा ।**

13.12.16

परीक्षा नियंत्रक (सेट)
राज्य पात्रता परीक्षा प्रकोष्ठ
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर

विज्ञापन का प्रकाशन "रोजगार और निर्माण" समाचार–पत्र के आगामी अंक में किया जायेगा।

टीप:

- ऑनलाइन आवेदन–पत्र भरने के पूर्व आवेदक नियमों का अवलोकन कर स्वयं यह सुनिश्चित कर लें कि उन्हें परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता है अथवा नहीं । यदि कोई आवेदक परीक्षा के किसी भी चरण में अथवा परीक्षाफल घोषित होने के बाद भी अनर्ह (Ineligible) पाया जाता है अथवा उनके द्वारा दी गई कोई भी जानकारी गलत पाई जाती है तो उसकी उम्मीदवारी/पात्रता परिणाम **निरस्त** किया जा सकेगा।
- सेट परीक्षा के आवेदन–पत्र एवं परिणाम के घोषित होने के पश्चात् पात्र अभ्यर्थियों से प्राप्त की जाने वाली ऑनलाइन जानकारी में भिन्नता पाई जाने पर आवेदन अस्वीकृत किया जा सकेगा।
- समस्त आरक्षण मध्यप्रदेश राज्य के संदर्भ में है, अतः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निःशक्तजन आवेदकों को देय छूट, केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों को ही देय होंगी । अन्य प्रदेशों के उक्त श्रेणी के आवेदक अनारक्षित मान्य होंगें। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मान्य अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमीलेयर में आने वाले आवेदकों को कोई छूट एवं अन्य लाभ देय नहीं होंगे। मध्यप्रदेश के ऐसे अन्य पिछड़ा वर्ग के मूल निवासी जो क्रीमीलेयर में आते हैं आवेदन में अन्य पिछड़ा वर्ग में भरने पर भी अनारक्षित वर्ग के समान ही मान्य किये जाएंगे तथा इन्हें छूट का लाभ नहीं दिया जाएगा।
- आवेदक अपना ऑनलाइन आवेदन–पत्र भरने के पहले विज्ञापन में दिए गये निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ने के बाद ही आवेदन–पत्र भरें। त्रुटि सुधार अवधि के पश्चात् ऑनलाइन आवेदन–पत्र में भरी गई जानकारी यथा जन्मतिथि, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ावर्ग, निःशक्तता, लिंग (महिला/पुरुष) एवं परीक्षा केन्द्र से सम्बन्धित विवरण में परिवर्तन नहीं किया जाएगा तथा इस सम्बन्ध में कोई पत्र व्यवहार मान्य नहीं होगा।

2. परीक्षा योजनाः–

पात्रता परीक्षा निम्नलिखित चरणों में होगी –

(1) प्रथम प्रश्न पत्र– शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता (Teaching and Research Aptitude) – कुल प्रश्न 60 होंगे जिसमें से अभ्यर्थी को किन्हीं 50 प्रश्नों के उत्तर अंकित करना है।

(2) द्वितीय प्रश्न पत्र–चयनित विषय का प्रथम प्रश्न पत्र– कुल प्रश्न 60 होंगे तथा सभी अनिवार्य हैं।

(3) तृतीय प्रश्न पत्र–चयनित विषय का द्वितीय प्रश्न पत्र– कुल प्रश्न 75 होंगे तथा सभी अनिवार्य हैं।

परिशिष्ट–एक में, प्रथम प्रश्न पत्र एवं अनिवार्य 19 विषयों के प्रश्न पत्र की सूची एवं विषय कोड तथा परिशिष्ट–दो में, प्रथम प्रश्न पत्र एवं 19 विषयों का पाठ्यक्रम (Syllabus) प्रकाशित किया जा रहा है।

सत्र	प्रश्न पत्र	पूर्णांक	प्रश्नों की संख्या	परीक्षा अवधि
प्रथम	प्रथम	100	60 में से 50 प्रश्न हल करना है	1 घण्टा 15 मिनिट
द्वितीय	द्वितीय	100	50 प्रश्न– सभी अनिवार्य	1 घण्टा 15 मिनिट
तृतीय	तृतीय	150	75 प्रश्न– सभी अनिवार्य	2 घण्टा 30 मिनिट

टिप्पणीः–

1. प्रथम प्रश्न पत्र में 60 प्रश्न होंगे। अभ्यर्थी को आंतरिक विकल्प उपलब्ध है व उसे 60 में से 50 प्रश्न हल करना है, किन्तु यदि अभ्यर्थी द्वारा 50 से अधिक प्रश्न हल किये जाते हैं तो प्रथम 50 प्रश्नों का मूल्यांकन ही किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा।
2. द्वितीय प्रश्न पत्र में 50 बहु–विकल्पीय (Objective Type Questions) प्रश्न रहेंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा
3. तृतीय प्रश्न पत्र में 75 बहु–विकल्पीय (Objective Type Questions) प्रश्न रहेंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा।
4. किसी भी प्रश्न पत्र में नकारात्मक मूल्यांकन (Negative marking) नहीं होगा।
5. परीक्षा संबंधी कोई भी निर्देश/ पाठ्यक्रम किसी भी अभ्यर्थी को डाक द्वारा प्रेषित नहीं किये जायेंगे।
6. सभी विषयों की परीक्षा का दिनांक व समय आयोग की वेबसाइट पर पृथक से जारी किया जायेगा तथा अभ्यर्थी के प्रवेश पत्र पर भी अंकित रहेगा।

टिप्पणीः 01 मध्यप्रदेश के निःशक्तजन अभ्यर्थियों को आरक्षण तथा अन्य लाभ केवल जिला चिकित्सा मण्डल द्वारा जारी न्यूनतम 40 प्रतिशत स्थायी निःशक्तता प्रमाण–पत्र के आधार पर देय होगा।

02 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निःशक्तजनों को छूट तथा अन्य लाभ केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को देय होगी। अन्य राज्यों के अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी के रूप में माने जाएंगे।

परीक्षा परिणाम की घोषणाः–

प्रथम चरणः– सर्वप्रथम सेट द्वारा निर्धारित प्रत्येक प्रश्न पत्र हेतु न्यूनतम प्राप्तांक की जांच की जायेगी तथा जिन अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्रश्न पत्र में न्यूनतम निर्धारित अंक से अधिक अंक प्राप्त होंगे उन्हीं की गुणानुक्रम सूची बनाई जायेगी। न्यूनतम अर्हता प्राप्तांक की सूची निम्नानुसार है–

Step-I: Minimum marks to be obtained in SET for considering a candidate for eligibility for Recruitment of the Post of Assistant Professor:

The candidates are required to obtain following minimum marks separately in Paper-I, Paper-II and Paper –III as given below:

CATEGORY	Minimum Marks (%) to be obtained		
	PAPER – I	PAPER – II	PAPER - III
- Unreserved	40 (40%)	40 (40%)	75 (50%)
- OBC (Non-creamy layer) - SC/ST/ Persons with Disability (PWD)	35 (35%)	35 (35%)	60 (40%)
टीपः– अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निःशक्तजनों को छूट तथा अन्य लाभ केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को देय होगी। अन्य राज्यों के अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी के रूप में माने जाएंगे।			

द्वितीय चरणः– प्रथम चरण में अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों की गुणानुक्रम सूची विषयवार तथा श्रेणीवार (केवल मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तजन) बनाई जायेगी।

Step-II: Amongst those candidates who have cleared Step-I, a merit list will be

prepared subject-wise and category-wise using the aggregate marks of all the three papers secured by such candidates.

तृतीय चरणः– द्वितीय चरण में बनाई गई विषयवार तथा वर्गवार गुणानुक्रम सूची में से प्रत्येक वर्ग (अनारक्षित वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तजन) हेतु 15 प्रतिशत अभ्यर्थियों को सेट परीक्षा में अर्ह घोषित किया जायेगा। प्रत्येक सूची में अंतिम अभ्यर्थी को प्राप्त अंकों के समान अंक प्राप्त करने वाले अन्य अभ्यर्थियों को भी सम्मिलित करते हुए अर्ह घोषित किया जायेगा भले ही इससे अर्ह उम्मीदवारों की संख्या वर्गवार 15 प्रतिशत से अधिक होती हो।

Step-III: Top 15% candidates in the merit including candidates/candidate who have secured marks equal to the last candidate (for each subject and category), from the merit list mentioned under Step-II, will be declared SET qualified.

परीक्षा शुल्कः–

Sl. No.	Category श्रेणी	Fee परीक्षा शुल्क
1.	Unreserved अनारक्षित	Rs. 1000/-
2.	OBC (Non-creamy layer) अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर)	Rs. 500/-
3.	SC/ ST/ Person with Disability (PWD) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा निःशक्तजन	
टीपः– अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निःशक्तजनों को छूट तथा अन्य लाभ केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को देय होगी। अन्य राज्यों के अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी के रूप में माने जाएंगे।		

टीपः- सेट परीक्षा उपरांत परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों और उसके मॉडल उत्तरों की कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर प्रकाशित कर ऑनलाइन पद्धति से 07 दिवस की अवधि में आपत्तियां प्राप्त की जायेंगी । इस अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । प्रति प्रश्न आपत्ति हेतु 100 रुपये शुल्क देय होगा तथा प्रति सत्र पोर्टल शुल्क पृथक से देय होगा। आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क तथा पोर्टल शुल्क किसी भी स्थिति मे वापस नहीं किया जाएगा।

प्राप्त आपत्तियों पर प्रकोष्ठ द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा विचार किया जायेगा।

समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नलिखित अनुसार कार्यवाही की जायेगीः-

1. ऐसे प्रश्न जिनका मॉडल कुंजी में गलत उत्तर दिया गया है और प्रश्न के वैकल्पिक उत्तरों में दूसरा सही उत्तर उपलब्ध है तब मॉडल कुंजी को संशोधित किया जायेगा।
2. आपत्तियों के आधार पर निम्नलिखित अनुसार पाये गये प्रश्नों को प्रश्नपत्र से विलोपित किया जायेगा :-
   - ऐसे प्रश्न जिसका दिये गये विकल्पों में सही उत्तर न हो ।
   - ऐसे प्रश्न जिसका दिये गये विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर हों।
   - प्रश्न के हिन्दी तथा अँग्रेजी अनुवाद मे भिन्नता हो
   - विषय विशेषज्ञों द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा प्रकोष्ठ द्वारा वेबसाइट www.mppsc.nic.in तथा www.mppsc.com पर प्रकाशित की जाएगी ।

उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गये प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

3. ऑनलाइन पात्रता परीक्षा के शहरः–

कोड	शहर	कोड	शहर	कोड	शहर	कोड	शहर	कोड	शहर
1	इन्दौर	2	भोपाल	3	ग्वालियर	4	जबलपुर	5	रीवा
6	सतना	7	सागर	8	उज्जैन				

नोटः आवेदक परीक्षा शहर कोड सावधानीपूर्वक देखकर भरे। परीक्षा शहर के संदर्भ में अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत अग्रमान्यता को किसी भी स्थिति में बदला नहीं जाएगा। अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार परीक्षा शहरों की संख्या कम या अधिक की जा सकती है।

शहर चयन के संदर्भ में आवश्यक अनुदेश

अभ्यर्थी उपरोक्त तालिका में उल्लेखित शहर में से उसकी अग्रमान्यता के अनुसार अधिकतम चार शहर चुन सकेगा। यह आवश्यक नहीं है कि आवेदक द्वारा चयनित अग्रमान्यता अनुसार ही शहर आबंटित किए जाये। प्रकोष्ठ प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से चयनित अग्रमान्यता क्रम से

भिन्न शहर आबंटित कर सकता है तथा शहरों की संख्या कम या अधिक कर सकता है। प्रकोष्ठ द्वारा आबंटित केन्द्र/शहर के परिवर्तन के संदर्भ में प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:–

अभ्यर्थी, केन्द्रीय अधिनियम या राज्य अधिनियम द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 1956 (अधिसूचना क्रमांक 03 सन् 1956) के अधीन विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उत्तीर्ण अथवा स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत् होने पर ही पात्र होगा। अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु स्नातकोत्तर उपाधि में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित श्रेणी (केवल मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग क्रीमीलेयर को छोड़कर तथा निःशक्तजनों अभ्यर्थियों) हेतु 50 प्रतिशत अंक अर्जित करना आवश्यक है।

टीप:1– ऐसे अभ्यर्थी जो स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत् हैं तथा जिनका अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हुआ है वे सभी प्रावधिक रूप से परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अर्ह हैं, किन्तु उन्हें पात्र होने पर भी अर्हता प्रमाण–पत्र तभी प्रदान किया जा सकेगा, जब सेट परीक्षा परिणाम घोषित होने के दो वर्ष में अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों हेतु स्नातकोत्तर उपाधि में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित श्रेणी (केवल मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग क्रीमीलेयर को छोड़कर तथा निःशक्तजनों अभ्यर्थियों) हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अर्जित करने के अभिलेख प्रकोष्ठ में प्रस्तुत कर सकेंगे अन्यथा उन्हें अनर्ह घोषित किया जाएगा।

स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध में अध्ययनरत् या स्नातकोत्तर (चार सेमेस्टर का पाठ्यक्रम) प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययरत् अभ्यर्थी सेट परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु पात्र नहीं है।

19 सितम्बर, 1991 से पूर्व पी.एच.डी. डिग्री प्राप्त अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर में 5 प्रतिशत की छूट प्राप्त होगी, अतः स्नातकोत्तर में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त अभ्यर्थी भी सेट परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु पात्र रहेंगे।

टीप:2–

- ऐसे अभ्यर्थी भी पात्रता परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र होंगे जिनके पास भारत के किसी भी विश्वविद्यालय से या विदेश के किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान से स्नातकोत्तर, डिप्लोमा या प्रमाण–पत्र हो, किन्तु उन्हें एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से यह प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रकोष्ठ को प्रदान करना होगा कि उन्हें प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त स्नातकोत्तर उपाधि के समकक्ष है।
- आवेदन–पत्र के साथ अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत नहीं करना है, किन्तु वे स्वयं यह सुनिश्चित कर लें कि परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु आवश्यक न्यूनतम अर्हताधारी हैं। पात्रता परीक्षा के आवेदन पत्र में दी गई जानकारियों में विसंगतियां पाई जाने पर आवेदन अस्वीकृत किया जा सकेगा।

ऑनलाइन आवेदन करने की विधि:–

1. **कृपया आवेदन पत्र भरने से पहले विज्ञापन में दी गई समस्त जानकारी और शर्तों को अच्छी तरह पढ़ लें। आवेदन पत्र दिनांक 15.12.2016 को दोपहर 12.00 बजे से दिनांक 05.01.2017 को रात्रि 12.00 बजे तक ऑनलाइन भरे जा सकते हैं।**
2. **आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का कार्य दिनांक 20.12.2016 को दोपहर 12.00 बजे से दिनांक 07.01.2017 को रात्रि 12.00) बजे तक ऑनलाइन किया जा सकेगा। इस हेतु प्रति त्रुटि सुधार सत्र रु.50/- त्रुटि सुधार शुल्क के भुगतान के पश्चात् आवेदन पत्र में वांछित सुधार किया जा सकेगा।**
3. **श्रेणी सुधार के मामलों में यदि किसी आवेदक द्वारा दिनांक 07.01.2017 तक आरक्षित वर्ग के रूप में भरे गये अपने आवेदन पत्र में सुधार कर उसे अनारक्षित वर्ग करने की मांग की जाती है तो उसे आवेदन शुल्क के अंतर की राशि रु. 500/- का भुगतान त्रुटि सुधार शुल्क**

के अतिरिक्त करना होगा किन्तु अनारक्षित वर्ग के रूप में भरे गये आवेदन पत्र को आरक्षित वर्ग में परिवर्तन की स्थिति में आवेदन शुल्क अंतर की राशि वापस नहीं की जावेगी।

4. आवेदन एवं परीक्षा शुल्कः-

मप्र के मूल निवासी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर क्रीमीलेयर) एवं निःशक्त श्रेणी के आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क	शेष सभी श्रेणी एवं मध्यप्रदेश से बाहर के निवासी आवेदकों के लिए आवेदन एवं परीक्षा शुल्क
रु. 500/-	रु. 1000/-
सभी श्रेणी के आवेदकों को उपरोक्त शुल्क के अतिरिक्त पोर्टल शुल्क रु. 40/- (सेवाकर सहित) अतिरिक्त देय होगा।	

आवेदन एवं परीक्षा शुल्क एवं पोर्टल के शुल्क के अतिरिक्त किसी भी रूप में अन्य कोई राशि का भुगतान नहीं करना है। यदि कियोस्क धारक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है तो एमपी ऑनलाइन के निम्न दूरभाष नंबरों पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

हेल्पलाइन - 0755-4019400

किसी भी स्थिति में प्रकोष्ठ को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के किसी भी दावे पर ना तो विचार किया जावेगा और ना ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा/चयन के लिये आरक्षित रखा जा सकेगा।

5. ऑनलाइन आवेदन भरने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारीः-

प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित राज्य पात्रता परीक्षा 2017 के लिए आवेदन पत्र वेबसाइट https://www.mponline.gov.in, www.mppscdemo.in,www.mppsc.nic.in एवं www.mppsc.com पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। आवेदक परीक्षा फार्म ऑनलाइन भरकर मप्र के जिला, तहसील एवं ब्लॉक एवं कुछ ग्राम पंचायत स्तर पर स्थापित एमपीऑनलाइन के अधिकृत कियोस्कों के माध्यम से जमा (Submit) किया जा सकता है। एमपीऑनलाइन के अधिकृत कियोस्कों की सूची के लिए https://www.mponline.gov.in पर locateKiosk/CSCsLink देखें। आवेदक हेल्पलाइन - 0755-4019400 से भी एमपी ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

6. इंटरनेट कैफे या स्वयं घर बैठे कम्प्यूटर द्वारा इंटरनेट के माध्यम से आवेदन फार्म / परीक्षा शुल्क भरने की विधिः-

आवेदक https://www.mponline.gov.in वेबसाइट के माध्यम से होम पेज पर Citizen Services पर क्लिक करें इसके उपरांत Application लिंक पर जाकर MPPSC बटन को क्लिक करें। अब उसे यहां निम्नानुसार आप्शन दिखाई देंगे।

Click here to Apply

Pay for unpaid Application/DuplicateReceipt

Click here to Edit

Download Admit Card Duplicate Receipt/ View Application Status

Click Here to View Advertisement

आवेदक फार्म भरने से पहले Click here to View Advertisement को क्लिक कर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा प्रकाशित विज्ञापन में दी गई समस्त जानकारी और शर्तों को अच्छी तरह पढ़ लें। इसके उपरांत ही आवेदक Click here to Apply कोक्लिक करें। इसके उपरांत आवेदक को स्क्रीन पर फार्म दिखाई देगा। आवेदक को फार्म में मांगी गई समस्त जानकारियां को सही-सही भरना अनिवार्य है। आवेदक को फार्म पृष्ठ पर नीचे की ओर एक बटन Upload Image दिखाई देगा। इसमें आवेदक को अपना फोटो-हस्ताक्षर सहित अटैच करना है। इस बटन के दाहिनी ओर आवेदक को फोटो-हस्ताक्षर के (प्रारूप हेतु इस लिंक्स) दिखाई देंगी। *Links*को क्लिक करने पर

फोटो हस्ताक्षर के फार्मेट का प्रिंट लेकर उचित स्थान पर फोटो चिपकाकर उसके नीचे हस्ताक्षर करें। इसके उपरांत उक्त फार्मेट को स्कैन कर jpg फार्मेट में ही सेव करें। अब आवेदक Upload Image बटन क्लिक करें इसके उपरांत जिस डायरेक्ट्री में आवेदक ने अपना फोटो हस्ताक्षर स्कैन कर सेव किया है। उस डायरेक्ट्री से अपना फोटो-हस्ताक्षर सिलेक्ट कर अटैच करे।

आवेदक फार्म को पूर्ण रूप से भरने के बाद उसे अच्छी तरह पढ़ लें और यह सुनिश्चित कर ले कि फार्म में जो भी जानकारी भरी गई हैं वह सही है। यदि फार्म में कोई गलत जानकारी भर दी गई है तो पुनः उसे ठीक कर लें। इसके उपरांत ही Submit बटन दबाए। इससे आवेदक को एक आवेदन फॉर्म नंबर प्राप्त होगा। इसके उपरांत आवेदक परीक्षा शुल्क के भुगतान के लिए Proceed to Payment बटन दबाएगा तो उसे परीक्षा शुल्क भुगतान हेतु निम्नानुसार आप्शन दिखाई देंगेः-

1. इंटरनेट बैंकिंग (सभी राष्ट्रीयकृत बैंक)
2. क्रेडिट कार्ड/ डेबिट कार्ड (मान्य कार्ड जैसे Visa,Rupay,Master Card,Maestro card)

इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से परीक्षा शुल्क का भुगतान – आवेदक चाहे तो स्वयं घर बैठे इंटरनेट या इंटरनेट कैफे के माध्यम से फॉर्म भरकर परीक्षा शुल्क का भुगतान इंटरनेट बैंकिग से कर सकता है। इसके लिये आवेदक के पास स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अथवा युनियन बैंक ऑफ इण्डिया की नेट बैंकिग सुविधा होना अनिवार्य है। आवेदक फॉर्म भरने के उपरांत Proceed to Payment का बटन दबाएगा। यहां पर उसे इंटरनेट बैंकिग आप्शन दिखाई देखा। इसे क्लिक करने पर वह अपने बैंक द्वारा प्रदान यूजर आईडी पासवर्ड डालकर लॉग–इन होगा। इस प्रक्रिया से आवेदक अपने बैंक अकाउंट से शुल्क का भुगतान कर सकता है। सफलतापूर्वक भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवेदक को स्क्रीन पर पावती नम्बर और आवेदक का विवरण दिखाई देगा। इसका प्रिंट लेकर रसीद अवश्य ले एवं संभालकर रखे।

क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड के माध्यम से परीक्षा शुल्क का भुगतान – आवेदक किसी भी इंटरनेट कैफे या घर बैठे भी स्वंय इंटरनेट के माध्यम से कम्प्यूटर द्वारा अपना फार्म भर सकता है। फार्म भरने के उपरांत परीक्षा शुल्क का भुगतान किसी भी बैंक के क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड के माध्यम से किया जा सकता है। आवेदक द्वारा फार्म भरने के उपरांत परीक्षा शुल्क का भुगतान करने के लिये Proceed to Payment का बटन दबाने पर कम्प्यूटर स्क्रीन पर आईसीआईसीआई बैंक का पैमेंट गेटवे दिखाई देगा। इसमें क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड का विवरण भरने के उपरांत कंफर्म बटन दबाकर परीक्षा शुल्क का भुगतान किया किया जा सकता है। आवेदक को परीक्षा शुल्क भुगतान प्रक्रिया सफलता पूर्वक पूर्ण होने के पश्चात् कम्प्यूटराइज्ड रसीद प्राप्त होगी जिस पर उसकी ट्रांजेक्शन संबंधी जानकारी अंकित होगी। आवेदक इस रसीद को संभालकर रखे। **सफलतापूर्वक भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद आवेदक को स्क्रीन पर पावती नंबर और आवेदक का विवरण दिखाई देगा। इसका प्रिंट लेकर रसीद अवश्य लें।**

8- एमपी ऑनलाईन कियोस्क के माध्यम से आवेदन फार्म / परीक्षा शुल्क भरने की विधिः-

आवेदक आवेदन फार्म भरने के लिए अपने नजदीकी एमपी ऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क पर जावेगा। कियोस्क संचालक https://www.mponline.gov.in वेबसाइट ओपन कर अपना यूजर आईडी और पासवर्ड डालकर लागिन टाइप में कियोस्क सिलेक्ट कर लागिन करेगा। इसके उपरांत सर्विसेज में जाकर एप्लीकेशन में MPPSC सिलेक्ट कर सर्वप्रथम फार्म भरने संबंधी निर्देश और जानकारियां आवेदक को उपलब्ध कराएगा। आवेदक इन्हें सावधानीपूर्वक पढ़ ले ताकि मांगी गई समस्त जानकारियां फार्म में सही भरी जा सकें। इसके उपरांत आवेदक कियोस्क संचालक को अपनी समस्त जानकारी उपलब्ध कराकर फार्म भरवा लें एवं साथ में अपना पासपोर्ट साइज का फोटो अवश्य ले जावे। कियोस्क आवेदक का फोटो हस्ताक्षर स्कैन कर उचित स्थान पर अटैच करेगा। फार्म भरने के उपरांत आवेदक फार्म में भरी गई समस्त जानकारियां अच्छी तरह पढ़ लें। आवेदक सभी जानकारियां सही-सही भरी होने के उपरांत ही कियोस्क संचालक को Proceed to Payment बटन दबाकर परीक्षा शुल्क का भुगतान करने का कहे। कियोस्क संचालक भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने पर दो पृष्ठीय कम्प्यूटराइज्ड रसीदं आवेदक को प्रदान करेगा। इस रसीद में परीक्षा शुल्क और पोर्टल शुल्क की पूरी जानकारी अंकित रहेगी। साथ ही आवेदक से संबंधित पूर्ण जानकारी भी रसीद में अंकित होगी। आवेदक इस रसीद को ध्यानपूर्वक पढ़ लें और तथा अपने पास संभालकर रखें। जानकारी की शुद्धता एवं सत्यता का पूरा उत्तरदायित्व आवेदक का ही होगा।

9- यदि आवेदक के पास क्रेडिट कार्ड/ डेबिट कार्ड या नेटबैंकिंग सुविधा उपलब्ध नहीं है तो भरे गये

फार्म का कियोस्क के माध्यम से Pay for unpaid Application/ Duplicate Receipt लिंक द्वारा परीक्षा शुल्क का भुगतान कर सकता है:-

इसके लिए आवेदक को उपरोक्त बताये गये बिन्दु में दर्शाई गई विधि अनुसार फार्म भरने के उपरांत अपने नजदीक में स्थापित एमपीऑनलाइन के अधिकृत कियोस्क पर जाकर भरे गये फार्म का आवेदन क्रमांक एवं अपनी जन्मतिथि कियोस्क संचालक को बताना होगा। इसके उपरांत कियोस्क संचालक Pay for unpaid Application/ Duplicate Receipt लिंक पर क्लिक कर उक्त जानकारियां भरकर फार्म ओपन कर लेगा। इसके उपरांत Proceed to Payment बटन दबाकर परीक्षा शुल्क का भुगतान कर देगा। शुल्क भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने पर कियोस्क संचालक आवेदक कम्प्यूटराइज्ड रसीद प्रदान करेगा। इस रसीद में परीक्षा शुल्क और पोर्टल शुल्क की जानकारी के साथ आवेदक द्वारा भरी गई समस्त जानकारियाँ अंकित होंगी।

- आवेदकों से निवेदन है कि "ऑनलाइन आवेदन" की पावती पृष्ठ की प्रति भविष्य के लिए संभाल कर रखें।
- ऐसे आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे जिन्हें ऑनलाइन भरने के बाद प्रिंट लेकर, डाक या किसी अन्य माध्यम से प्रकोष्ठ या एमपीऑनलाइन के पास भेजा जाएगा। परीक्षा शुल्क के लिए किसी भी प्रकार का ड्राफ्ट/चैक भी स्वीकार नहीं होगा। ऐसा करने पर इन्हें मान्य न करते हुए निरस्त कर दिया जावेगा और उसकी जिम्मेदारी आवेदक की ही मानी जावेगी।

नोटः- यदि आपको ऑनलाइन फार्म में भरने में कोई समस्या आती है तो नीचे दर्शाए गए दूरभाष नंबरों पर तत्काल संपर्क करें :-

एमपी ऑनलाइन लिमिटेड
निरुपम शापिंग मॉल
दूसरी मंजिल, अहमदपुर,
होशंगाबाद रोड, भोपाल-422026 ,हेल्पलाइन - 0755-4019400

ऑनलाईन परीक्षा के संबंध में निर्देश

ऑनलाईन परीक्षा के संबंध में निर्देश निम्नानुसार है:-

परीक्षा पूर्व निर्देश

01 परीक्षार्थी अपना प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट www.mppscdemo.in, www.mppsc.nic.in अथवा www.mppsc.com में निर्धारित लिंक पर आवेदन पत्र क्रमांक एवं जन्मतिथि की प्रविष्टि कर ऑनलाईन प्राप्त कर सकते है। यदि किसी अभ्यर्थी का आवेदन पत्र क्रमांक गुम गया है तो वे ऑनलाईन रजिस्टर्ड मोबाईल नम्बर, नाम एवं जन्मतिथि डालकर OTP (One Time Password)/ टोल फ्री नम्बर (आयोग द्वारा जारी)/ वेबसाइट पर उपलब्ध know your application number लिंक से प्राप्त कर सकते है।

02 प्रत्येक प्रवेश पत्र पर विशिष्ट बारकोड अंकित है। परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक अभ्यर्थी के प्रवेश पत्र को हेल्पडेस्क पर रीड किया जाता है। यदि आवदेक अपने प्रवेश पत्र में किसी प्रकार का परिवर्तन करता है या छेड़छाड़ करता है तो ऐसे अभ्यर्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जायेगी तथा उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी।

03 परीक्षा हेतु रजिस्टर्ड आवेदकों को उनके द्वारा चुने गये विकल्प (शहर) के आधार पर रेण्डम विधि से रोल नम्बर प्रदाय किये जावेंगे ।

04 परीक्षार्थियों हेतु निम्न हेल्प लाईन तथा ई-मेल के द्वारा हेल्प डेस्क पर की गई पूछताछ की समुचित व्यवस्था की जाएगी:-

हेल्प लाईन नम्बर - 0731-2702689
ई-मेल - mppsconline@gmail.com

05 आयोग की वैबसाईट पर मॉक टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है । अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र क्रमांक तथा जन्मतिथि की प्रविष्टि कर उक्त सुविधा के माध्यम से ऑनलाईन परीक्षा प्रणाली से अपने आप को प्रशिक्षित कर सकेगा ।

06 परीक्षार्थियों को प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा प्रारम्भ होने के 01:30 घंटे पूर्व परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना आवश्यक है, ताकि उनकी प्रवेश संबंधी आवश्यक कार्यवाही समय रहते की जा सके । प्रत्येक अभ्यर्थी का हेल्पडेस्क पर बायोमेट्रिक निशान अंकित किया जाता है तथा प्रवेश पत्र की सूक्ष्म जांच की जाती है तथा बारकोड का मिलान किया जाता है। इस प्रक्रिया में समय लगता है, अत: अभ्यर्थियों को प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा प्रारम्भ होने के 01:30 घंटे पूर्व परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना चाहिए। परीक्षा पूर्ण होने तक परीक्षा केंद्र से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।

07 परीक्षार्थी अपने साथ किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रानिक उपकरण एवं अन्य अनावश्यक सामग्री साथ में नहीं लावे तथा अपने हथेलियों पर किसी प्रकार का रंग, स्याही अथवा मेंहदी न लगी हो, क्योंकि इस कारण बायोमेट्रिक जांच नहीं हो पाती है ।

08 निःशक्त परीक्षाथियों को सहलेखक की पात्रता होगी, सहलेखक की शैक्षणिक योग्यता अधिकतम स्नातक होगी एवं उन्हें परीक्षा में प्रश्नपत्र हल किये जाने हेतु निर्धारित समय के २० मिनिट प्रति घंटा का अतिरिक्त समय दिया जायेगा, इस हेतु परीक्षार्थी केन्द्राध्यक्ष से परीक्षा तिथि के एक दिन पूर्व आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त करें । सहलेखक की व्यवस्था परीक्षार्थी स्वयं करेगा एवं केंद्राध्यक्ष से अनुमति प्राप्त करेगा। आयोग द्वारा सहलेखक को किसी भी प्रकार के मानदेय/ यात्रा भत्ता का भुगतान नहीं किया जावेगा।

09 परीक्षार्थी के परीक्षा केन्द्र पर पहुंचने पर रजिस्ट्रेशन डेस्क पर परीक्षार्थी के मूल फोटो परिचय पत्र, एडमिट कार्ड एवं फोटो की जांच प्रवेश पत्र एवं परीक्षार्थी के साथ मिलान किया जायेगा । तत्पश्चात् बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन (दाएं हाथ का अंगूठा, दाएं हाथ का अंगूठा न होने पर बायें हाथ का अंगूठा एवं दोनों अंगूठे न होने पर बायें/दाएं हाथ की प्रथम उंगली एवं दोनों हाथ न होने की स्थिति में सहलेखक के अंगूठे का वेरिफिकेशन किया जावेगा ।

10 परीक्षा कक्ष में प्रवेश के पूर्व पुलिस द्वारा तलाशी (Frisking) की जावेगी । जिससे कि परीक्षार्थी अपने साथ किसी भी प्रकार की वर्जित वस्तुऐं अन्दर न ले जा सके ।

<u>परीक्षा हेतु वर्जित वस्तुयें</u>

सामान्यत: ऑनलाइन परीक्षाओं में ऐसा पाया गया है कि परीक्षार्थी अपने कपड़ों, कफ़लिंक, चश्मा, जूते-मोजे, हाथ के बैंड/हाथ में बंधे बंधन इत्यादि में नाना प्रकार के इलेक्ट्रानिक डिवाइस का प्रयोग करते है। अत: परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षार्थी चप्पल व सेण्डल पहनकर आ सकते हैं। चेहरे को ढककर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा। एसेसरीज़ जैसे बालों को बांधने का क्लचर/ बक्कल, घड़ी, हाथ में पहने जाने वाले किसी भी प्रकार के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बेल्ट, धूप में पहने जाने वाले चश्में, पर्स/वालेट, टोपी वर्जित है।

सिर, नाक, कान, गला, हाथ-पैर, कमर आदि में पहने जाने वाले सभी प्रकार के आभूषण तथा हाथ में बंधे धागे/ कलावा/ रक्षा सूत्र आदि का सूक्ष्मता से

परीक्षण कर वीक्षकों द्वारा परीक्षार्थी के कक्ष में जाने के पूर्व तलाशी ली जाएगी।

11 आयोग द्वारा निम्न फोटो आई-डी कार्ड मान्य किये गये है, इनमें से किसी एक की मूल प्रति साथ में लाना आवश्यक होगा । फोटो आई-डी की फोटोकापी मान्य नहीं की जावेगी :-

1. मतदाता परिचय पत्र
2. आधार कार्ड
3. ड्राईविंग लायसेंस
4. पेन कार्ड
5. पासपोर्ट
6. फोटो सहित बैंक पासबुक
7. केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय एवं अन्य नियोक्ताओं द्वारा जारी फोटो युक्त सेवा पहचान पत्र ।
8. शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत परीक्षार्थियों के मामले में शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र ।
9. अभ्यर्थी का राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित फोटो ।

उपरोक्त के अभाव में परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जावेगा ।

<u>ऑनलाइन परीक्षा की मुख्य विशेषतायें</u>

12 सम्पूर्ण परीक्षा व्यवस्था सी.सी.टी.वी कैमरों की निगरानी में संचालित की जावेगी ।

13 प्रकोष्ठ द्वारा परीक्षार्थी को केन्द्र पर रफ कार्य किये जाने हेतु पेपर एवं पेन की सुविधा प्रदान की जावेगी। रफ कार्य किये जाने हेतु प्रदत्त पेपर परीक्षा समाप्ति पश्चात् परीक्षा कक्ष में छोड़कर जाना होगा ।

14 रजिस्ट्रेशन एवं वेरिफिकेशन के पश्चात् परीक्षार्थी को रूम नम्बर एवं सीट नम्बर अलॉट किये जावेगे।

15 ऑनलाईन परीक्षा हेतु सभी केन्द्रों पर आयोग द्वारा केन्द्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक एवं तकनीकी विशेषज्ञ नियुक्त किये गये है जो प्रश्नपत्र को आयोग से सुरक्षित रूप में प्राप्त कर केन्द्रों पर परीक्षार्थी के कम्प्यूटर स्क्रीन पर उपलब्ध करायेंगे।

16 परीक्षार्थी को जो मशीन आवंटित की गई है उस पर सीट नम्बर, मशीन नम्बर, आई.पी एड्रेस, एवं कम्प्यूटर स्क्रीन पर स्वयं का फोटो है, यह सुनिश्चित कर सीट पर बैठें ।

17 परीक्षार्थी अपने रोल नम्बर एवं प्रवेश-पत्र पर अंकित पासवर्ड द्वारा लॉग-इन कर सकेंगे ।

18 परीक्षार्थी द्वारा लॉग-इन करने के पश्चात् स्क्रीन पर Instruction page, Symbol page display होगा ।

19 परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व परीक्षार्थी के स्क्रीन पर नमूने के रूप में 05 प्रश्न दिये जावेंगे जो आवेदक द्वारा हल किये जावेंगे तत्पश्चात् स्क्रीन पर माडल आंसर उपलब्ध होगा जिससे परीक्षार्थी अपने उत्तर चेक कर सकेगा । उक्त प्रक्रिया को परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व अधिकतम 03 बार दोहराया जा सकेगा, जिससे परीक्षार्थी स्वयं यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि उसके कम्प्यूटर का माउस उसके द्वारा चाहे गये विकल्प पर ही क्लिक हो रहा है।

उक्त प्राक्रया म यादि किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न होती है तो वह कक्ष में उपस्थित वीक्षक/तकनीकी सहायक को उक्त संबंध में अवगत करायेंगे जिससे वीक्षक द्वारा शीघ्र कार्यवाही की जा सके ।

20 परीक्षा के दौरान वीक्षक द्वारा उपस्थिति पत्रक पर परीक्षार्थियों के हस्ताक्षर एवं अंगूठे के निशान लिये जावेंगे तथा वीक्षक यह भी सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षार्थी उसी मशीन पर परीक्षा दे रहा है जो उसे आबंटित की गई है ।

21 प्रत्येक परीक्षार्थी का सत्यापन वेरिफिकेशन शीट के आधार पर बाएं / दाएं हाथ पर बैठे परीक्षार्थी द्वारा किया जावेगा कि बैठा हुआ परीक्षार्थी उसे आबंटित की गई मशीन पर ही पूरे समय बैठकर परीक्षा दे रहा था ।

22 परीक्षार्थी की कंप्यूटर स्क्रीन पर समय प्रदर्शित होगा ।

23 परीक्षार्थी को परीक्षा हेतु निर्धारित समय में हल किये गये प्रश्नो के उत्तरों को बदलने की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जिससे वह चाहे गये प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में बदल सकेगा ।

24 परीक्षार्थी द्वारा अनुचित साधनों का प्रयोग किये जाने पर वीक्षक द्वारा तत्काल प्रकरण तैयार कर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी, प्रकरण तैयार किये जाने के पश्चात् भी यदि परीक्षार्थी पुनः परीक्षा में सम्मिलित होना चाहता है तो उसे उक्त परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदाय की जा सकेगी, किन्तु यदि परीक्षार्थी आदेश का पालन नहीं करता है तो उसकी परीक्षा निरस्त की जायेगी । उक्त समस्त प्रकरण पर अंतिम निर्णय आयोग द्वारा लिया जावेगा ।

<u>परीक्षा पश्चात् की कार्य प्रक्रिया</u>

25 यदि परीक्षार्थी हल किये गये उत्तरों को समय समाप्ति के पूर्व सबमिट नहीं करता है तो मशीन स्वतः ही समय समाप्ति पर उत्तरों को सबमिट कर बन्द हो जावेगी।

26 अभ्यर्थी परीक्षा समाप्ति पश्चात् हल किये गये प्रश्नों के उत्तरों का P.D.F. Form में पुनः अवलोकन कर सकेंगें। अवलोकन किये जाने हेतु 05 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जावेगा जिसके अंतर्गत वे हल किये गये उत्तरों में किसी तरह का बदलाव नहीं कर सकेंगे ।

27 परीक्षा समाप्ति पश्चात् हल किये गये प्रश्नों एवं दिये गये उत्तरों की उत्तरपुस्तिका अभ्यर्थी के रजिस्टर्ड ई-मेल आईडी पर भेजी जावेगी ।

28 परीक्षा पश्चात परीक्षार्थी प्रश्नपत्र से संबंधित अपने Objection सात दिवस की अवधि में अपना नाम, रोल नम्बर एवं जन्म तिथि डालकर निर्धारित शुल्क 100 रूपये प्रति प्रश्न व पोर्टल चार्ज का भुगतान कर ऑनलाईन भेज सकेंगे। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति विचारित नहीं की जाएगी।

29 अभ्यावेदनों पर विषय-विशेषज्ञों द्वारा विचार किया जाकर अंतिम माडल उत्तर कुंजी बनाई जाएगी। अभ्यर्थी Log-in कर अपनी रिस्पांस शीट वेबसाइट पर देख सकेंगें।

परिशिष्ट–एक

यू.जी.सी. द्वारा सेट प्रकोष्ठ को निम्न विषयों में पात्रता परीक्षा आयोजित करने हेतु अधिकृत किया गया है -
अनिवार्य 19 विषयों के प्रश्न पत्र की सूची निम्नानुसार है–

LIST OF SUBJECTS FOR MP - SET - 2017

Sl. No.	Subjects	SUB. CODE
1.	Chemical Sciences कैमिकल साइंसेज	01
2.	Commerce वाणिज्य	02
3.	Defence & Strategic Studies सैन्य एवं स्त्रातेजिक अध्ययन	03
4.	Economics अर्थशास्त्र	04
5.	English अंग्रेजी	05
6.	Geography भूगोल	06
7.	Hindi हिन्दी	07
8.	History इतिहास	08
9.	Home Science गृहविज्ञान	09
10.	Law विधि	10
11.	Life Sciences जीव विज्ञान	11
12.	Mathematical Sciences गणितीय विज्ञान	12
13.	Music संगीत	13
14.	Philosophy दर्शनशास्त्र	14
15.	Physical Sciences भौतिक विज्ञान	15
16.	Political Science राजनीति विज्ञान	16
17.	Sanskrit संस्कृत	17
18.	Sociology समाजशास्त्र	18
19.	Urdu उर्दू	19

टिप्पणी–

1. Chemical Sciences (कैमिकल साइंसेज), Life Sciences (जीव विज्ञान), Mathematical Sciences (गणितीय विज्ञान), Physical Sciences (भौतिक विज्ञान) विषय के अन्तर्गत सीएसआईआर **तथा** Defence & Strategic Studies (सैन्य एवं स्त्रातेजिक अध्ययन) में यूजीसी द्वारा परिभाषित अन्य विषय भी सम्मिलित रहेंगे।
2. सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति के पूर्व सम्बन्धित विषय में ही स्नातकोत्तर उपाधि आवश्यक है अतः राज्य पात्रता परीक्षा मे अर्ह होने का यह आशय नहीं है कि सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त न होने पर भी सहायक प्राध्यापक पद हेतु पात्र होंगे।

State Eligibility Test [SET]
MP – SET
Syllabus

[Code No. – 00]

PAPER – I

SUBJECT: GENERAL PAPER ON TEACHING AND RESEARCH APTITUDE

The main objective is to assess the teaching and research capabilities of the candidates. Therefore, the test is aimed at assessing the teaching and general/research aptitude as well as their awareness. They are expected to possess and exhibit cognitive abilities. Cognitive abilities include comprehension, analysis, evaluation, understanding the structure of arguments and deductive and inductive reasoning. The candidates are also expected to have a general awareness and knowledge of sources of information. They should be aware of interaction between people, environment and natural resources and their impact on quality of life. The details are given in the following sections:

NOTE: i) Each section gets equal weightage: five questions and 10 marks from each section.

ii) Whenever pictorial questions are set for the sighted candidates a passage followed by equal number of questions should be set for the visually handicapped candidates.

iii) 60 (sixty) multiple choice questions of two marks each will be given, out of which the candidate would be required to answer any 50 (fifty). Total marks of Paper – I will be 100. In the event of the candidate attempted more than 50 questions, the first 50 questions attempted by the candidate would be evaluated.

I. Teaching Aptitude

- Teaching : Nature, objectives, characteristics and basic requirements;
- Learner's characteristics;
- Factors affecting teaching
- Methods of teaching;
- Teaching aids;
- Evaluation systems

II. Research Aptitude

- Research : Meaning, characteristics and types;
- Steps of research;
- Methods of research;
- Research Ethics;
- Paper, article, workshop, seminar, conference and symposium;
- Thesis writing; its characteristics and format.

III. Reading Comprehension

- A passage to be set with questions to be answered.

IV. Communication

- Communication : Nature, characteristics, types, barriers and effective classroom communication.

V. Reasoning (Including Mathematical)

- Number series; letter series; codes;
- Relationships; classification.

VI. Logical Reasoning

- Understanding the structure of arguments;
- Evaluating and distinguishing deductive and inductive reasoning;
- Verbal analogies ; Word analogy – Applied analogy;
- Verbal classification;
- Reasoning Logical Diagrams : Simple diagrammatic relationship, multi-diagrammatic relationship;
- Venn diagram; Analytical Reasoning.

VII. Data Interpretation

- Sources, acquisition and interpretation of data;.
- Quantitative and qualitative data;
- Graphical representation and mapping of data.

VIII. Information and Communication Technology (ICT)

- ICT : meaning, advantages, disadvantages and uses;
- General abbreviations and terminology;
- Basics of internet and e-mailing.

IX. People and Environment

- People and environment interaction;
- Sources of population;
- Pollutants and their impact on human life, exploitation of natural and energy resources;
- Natural hazards and mitigation

X. Higher Education System : Governance, Polity And Administration

- Structure of the institution for higher learning and research in India; formal and distance education; professional/technical and general education; value education: governance, polity and administration; concept, institutions and their interactions.

प्रश्न पत्र – I (कोड न.:– 00)

साधारण प्रश्न पत्र – शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता

इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य परीक्षार्थी की शिक्षण एवं शोध क्षमताएं ज्ञात करना है। अतः इसके द्वारा परीक्षार्थियों की शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता तथा सामाजिक चेतना का आंकलन किया जाना प्रस्तावित है। परीक्षार्थियों से बौद्धिक क्षमताओं के संधारण और अभिव्यक्ति की अपेक्षा की जाती है। बौद्धिक क्षमताओं में अर्थग्रहण (बोधन), विश्लेषण, मूल्यांकन, तर्क संरचना को समझना तथा निगमन–आगमन तर्क को समझना सम्मिलित है। परीक्षार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सूचना व ज्ञान के स्त्रोतों से भी सामान्यतः अवगत हों। उन्हें जन, पर्यावरण व प्राकृतिक संसाधनों की अन्तर्क्रिया व जीवन की गुणवत्ता पर उसके प्रभावों का बोध हो। इनका विवरण निम्नानुसार है –

नोटः i) प्रत्येक भाग के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। हर भाग से 5 प्रश्न हैं और हर प्रश्न 2 अंकों का होगा।

ii) सामान्य परीक्षार्थियों के लिए यदि कुछ दृश्य–आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं, तो दृष्टि–विकलांग परीक्षार्थियों के लिए भी उसी भार के गद्यांश–आधारित प्र नों का दिया जाना अपेक्षित है।

iii) प्रश्न–पत्र – I में कुल 60 बहु–विकल्पीय प्रश्न में से कोई 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न हल करने होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – I होगा। साथ ही 60 बहु–विकल्पीय प्रश्न में से, प्रथम 50 बहु–विकल्पीय प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जायेगा।

I. शिक्षण अभिक्षमता

- शिक्षण : प्रकृति, उद्देश्य, विशेषताएं और आधारभूत आवश्यकताएं
- अध्येता की विशेषताएं
- शिक्षण को प्रभावित करने वाले कारक
- शिक्षण विधियां
- शिक्षण सहायक सामग्री
- मूल्यांकन प्रणाली

II. अनुसंधान अभिक्षमता

- अनुसंधान : अर्थ, विशेषताएं और प्रकार
- अनुसंधान के सोपान
- अनुसंधान की विधियां
- अनुसंधान में नैतिकता
- पेपर, लेख, कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन एवं परिसंवाद
- शोध प्रबन्ध लेखन : इसकी विशेषताएं व प्रारूप

III. अध्ययन बोध

- इसमें एक गद्यांश पर आधारित कुछ प्रश्नों के उत्तर दिये जाने की अपेक्षा होगी।

IV. संचार

- संचार : प्रकृति, विशेषताएं, प्रकार, अवरोध एवं कक्षा में प्रभावी संचार

V. तर्क (गणितीय तर्क सहित)

- अंक श्रेणियाँ, अक्षर श्रेणियां, कूट लेखन, सम्बन्ध, वर्गीकरण

VI. युक्तिसंगत तर्क

- तर्कों की संरचना की समझ
- आगमन एवं निगमन तर्क का विभेदीकरण तथा मूल्यांकन
- शाब्दिक सादृश्य : भाब्द सादृश्य, व्यावहारिक सादृश्य
- शाब्दिक वर्गीकरण
- युक्ति संगत तर्क : सरल रेखाचित्रीय सम्बन्ध, बहुरेखाचित्रीय सम्बन्ध
- वेन रेखाचित्र – विश्लेषणात्मक तर्क

VII. सूचनाओं का विवेचन

- सूचनाओं के स्त्रोत, सम्प्राप्ति एवं विवेचन
- संख्यात्मक एवं गुणात्मक सूचनायें
- सूचनाओं का रेखाचित्रण तथा मानचित्रण

VIII. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)

- आई. सी. टी. : अर्थ, लाभ एवं हानि तथ उपयोगिता
- साधारण शब्दावली
- इंटरनेट एवं ईमेल विधि के मूल तत्व

IX. जन एवं पर्यावरण

- जन एवं पर्यावरण की अंतर्क्रिया, प्रदूशण का उद्गम, प्रदूषक एवं जीवन में उनका प्रभाव, प्राकृतिक एवं ऊर्जा संसाधनों के समुपयोजन का जीवन पर प्रभाव, प्राकृतिक संकट एवं उनसे बचाव।

X. उच्च शिक्षा प्रणाली : शासन, राजनीति एवं प्रशासन

- भारत में उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान की संस्थाओं की संरचना, औपचारिक एवं दूरस्थ शिक्षा, व्यावसायिक/तकनीकी एवं सामान्य शिक्षा, मूल्य शिक्षण : भाासन, राजनीति एवं प्रशासन : संकल्पना, संस्थाएँ एवं उनकी अन्तर्क्रिया।

***

CHEMICAL SCIENCES [CODE No. – 01]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III will cover 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II AND PAPER – III

Inorganic Chemistry

1. Chemical periodicity
2. Structure and bonding in homo- and heteronuclear molecules, including shapes of molecules (VSEPR Theory).
3. Concepts of acids and bases, Hard-Soft acid base concept, Non-aqueous solvents.
4. Main group elements and their compounds: Allotropy, synthesis, structure and bonding, industrial importance of the compounds.
5. Transition elements and coordination compounds: structure, bonding theories, spectral and magnetic properties, reaction mechanisms.
6. Inner transition elements: spectral and magnetic properties, redox chemistry, analytical applications.
7. Organometallic compounds: synthesis, bonding and structure, and reactivity. Organometallics in homogeneous catalysis.
8. Cages and metal clusters.
9. Analytical chemistry- separation, spectroscopic, electro- and thermoanalytical methods.
10. Bioinorganic chemistry: photosystems, porphyrins, metalloenzymes, oxygen transport, electron- transfer reactions; nitrogen fixation, metal complexes in medicine.
11. Characterisation of inorganic compounds by IR, Raman, NMR, EPR, Mössbauer, UV-vis, NQR, MS, electron spectroscopy and microscopic techniques.
12. Nuclear chemistry: nuclear reactions, fission and fusion, radio-analytical techniques and activation analysis.

Physical Chemistry:

1. Basic principles of quantum mechanics: Postulates; operator algebra; exactly- solvable systems: particle-in-a-box, harmonic oscillator and the hydrogen atom, including shapes of tomic orbitals; orbital and spin angular momenta; tunneling.
2. Approximate methods of quantum mechanics: Variational principle; perturbation theory up to second order in energy; applications.

3. Atomic structure and spectroscopy; term symbols; many-electron systems and antisymmetry principle.
4. Chemical bonding in diatomics; elementary concepts of MO and VB theories; Huckel theory for conjugated π-electron systems.
5. Chemical applications of group theory; symmetry elements; point groups; character tables; selection rules.
6. Molecular spectroscopy: Rotational and vibrational spectra of diatomic molecules; electronic spectra; IR and Raman activities – selection rules; basic principles of magnetic resonance.
7. Chemical thermodynamics: Laws, state and path functions and their applications; thermodynamic description of various types of processes; Maxwell's relations; spontaneity and equilibria; temperature and pressure dependence of thermodynamic quantities; Le Chatelier principle; elementary description of phase transitions; phase equilibria and phase rule; thermodynamics of ideal and non-ideal gases, and solutions.
8. Statistical thermodynamics: Boltzmann distribution; kinetic theory of gases; partition functions and their relation to thermodynamic quantities – calculations for model systems.
9. Electrochemistry: Nernst equation, redox systems, electrochemical cells; Debye-Huckel theory; electrolytic conductance – Kohlrausch's law and its applications; ionic equilibria; conductometric and potentiometric titrations.
10. Chemical kinetics: Empirical rate laws and temperature dependence; complex reactions; steady state approximation; determination of reaction mechanisms; collision and transition state theories of rate constants; unimolecular reactions; enzyme kinetics; salt effects; homogeneous catalysis; photochemical reactions.
11. Colloids and surfaces: Stability and properties of colloids; isotherms and surface area; heterogeneous catalysis.
12. Solid state: Crystal structures; Bragg's law and applications; band structure of solids.
13. Polymer chemistry: Molar masses; kinetics of polymerization.
14. Data analysis: Mean and standard deviation; absolute and relative errors; linear regression; covariance and correlation coefficient.

Organic Chemistry

1. IUPAC nomenclature of organic molecules including regio- and stereoisomers.
2. Principles of stereochemistry: Configurational and conformational isomerism in acyclic and cyclic compounds; stereogenicity, stereoselectivity, enantioselectivity, diastereoselectivity and asymmetric induction.
3. Aromaticity: Benzenoid and non-benzenoid compounds – generation and reactions.
4. Organic reactive intermediates: Generation, stability and reactivity of carbocations, carbanions, free radicals, carbenes, benzynes and nitrenes.
5. Organic reaction mechanisms involving addition, elimination and substitution reactions with lectrophilic, nucleophilic or radical species. Determination of reaction pathways.
6. Common named reactions and rearrangements – applications in organic synthesis.
7. Organic transformations and reagents: Functional group interconversion including oxidations and reductions; common catalysts and reagents (organic, inorganic, organometallic and enzymatic). Chemo, regio and stereoselective transformations.

8. Concepts in organic synthesis: Retrosynthesis, disconnection, synthons, linear and convergent synthesis, umpolung of reactivity and protecting groups.
9. Asymmetric synthesis: Chiral auxiliaries, methods of asymmetric induction – substrate, reagent and catalyst controlled reactions; determination of enantiomeric and diastereomeric excess; enantio-discrimination. Resolution – optical and kinetic.
10. Pericyclic reactions – electrocyclisation, cycloaddition, sigmatropic rearrangements and other related concerted reactions. Principles and applications of photochemical reactions in organic chemistry.
11. Synthesis and reactivity of common heterocyclic compounds containing one or two heteroatoms (O, N, S).
12. Chemistry of natural products: Carbohydrates, proteins and peptides, fatty acids, nucleic acids, terpenes, steroids and alkaloids. Biogenesis of terpenoids and alkaloids.
13. Structure determination of organic compounds by IR, UV-Vis, ^{1}H & ^{13}C NMR and Mass spectroscopic techniques.

Interdisciplinary topics

1. Chemistry in nanoscience and technology.
2. Catalysis and green chemistry.
3. Medicinal chemistry.
4. Supramolecular chemistry.
5. Environmental chemistry.

***

COMMERCE [Code No. – 02]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:- The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

PAPER - III

Note:- The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - II and PAPER - III (A) [CORE GROUP]

Unit -I

Business Environment

Meaning and Elements of Business Environment

Economic environment, Economic Policies, Economic Planning

Legal environment of Business in India, Competition policy, Consumer protection, Environment protection

Policy Environment : Liberalization, Privatisation and globalization, Second generation reforms, Industrial policy and implementation. Industrial growth and structural changes

Unit -II

Financial & Management Accounting

Basic Accounting concepts, Capital and Revenue, Financial statements

Partnership Accounts : Admission, Retirement, Death, Dissolution and Cash Distribution

Advanced Company Accounts : Issue, forfeiture, Purchase of Business, Liquidation, Valuation of shares, Amalgamation, Absorption and Reconstruction, Holding Company Accounts

Cost and Management Accounting : Ratio Analysis, Funds Flow Analysis, Cash

Flow Analysis, Marginal costing and Break-even analysis, Standard costing,

Budgetary control, Costing for decision-making

Responsibility accounting

Unit -III

Business Economics

Nature and uses of Business Economics, Concept of Profit and Wealth maximization, Demand Analysis and Elasticity of Demand, Indifference Curve Analysis, Law

Utility Analysis and Laws of Returns and Law of variable proportions

Cost, Revenue, Price determination in different market situations : Perfect competition, Monopolistic competition, Monopoly, Price discrimination and Oligopoly, Pricing strategies

Unit -IV

Business Statistics & Data Processing

Data types, Data collection and analysis, sampling, need, errors and methods of sampling, Normal distribution, Hypothesis testing, Analysis and Interpretation of Data

Correlation and Regression, small sample tests- t-test, *F*-test and chi-square test

Data processing-Elements, Data entry, Data processing and Computer applications

Computer Application to Functional Areas-Accounting, Inventory control, marketing

Unit -V

Business Management

Principles of Management

Planning-Objectives, Strategies, Planning process, Decision-making

Organizing, Organizational structure, Formal and Informal organizations, Organizational culture

Staffing

Leading : Motivation, Leadership, Committees, Communication

Controlling

Corporate Governance and Business Ethics

Unit -VI

Marketing Management

The evolution of marketing, Concepts of marketing, Marketing mix, Marketing environment

Consumer behavior, Marketing segmentation

Product decisions

Pricing decisions

Distribution decisions

Promotion decisions

Marketing planning, Organizing and Control

Unit -VII

Financial Management

Capital Structure, Financial and Operating leverage

Cost of capital, Capital budgeting

Working capital management

Dividend Policy

Unit -VIII

Human Resources Management

Concepts, Role and Functions of Human Resource management

Human Resource Planning, Recruitment and Selection

Training and Development, Succession Planning

Compensation: Wage and Salary Administration, Incentive and Fringe benefits, Morale and Productivity

Performance Appraisal

Industrial Relations in India, Health, Safety, Welfare and Social security, Workers' Participation in Management

Unit -IX

Banking and Financial Institution

Importance of Banking to Business, Types of Banks and Their Functions, Reserve Bank of India, NABARD and Rural Banking

Banking Sector Reforms in India, NPA, Capital adequacy norms

E-banking

Development Banking : IDBI, IFCI, SFCs, UTI, SIDBI

Unit -X

International Business

Theoretical foundations of international business, Balance of Payments

International liquidity, International Economic Institutions-IMF, World Bank IFC, IDA, ADB

World Trade Organization-its functions and policies

Structure of India's foreign trade : Composition and direction, EXIM Bank, EXIM Policy of India, Regulation and promotion of Foreign Trade

PAPER - III (B)
[ELECTIVE / OPTIONAL]

Elective -I : Accounting and Finance

Accounting standards in India, Inflation Accounting, Human Resource Accounting, Responsibility Accounting, Social Accounting

Money and Capital market, Working of stock exchanges in India, NSE, OTCEI, NASDAQ, Derivatives and Options

Regulatory Authorities : SEBI, Rating Agencies; New Instruments : GDRs, ADRs

Venture Capital Funds, Mergers and Acquisitions, Mutual Funds, Lease Financing, Factoring, Measurements of risk and returns securities and portfolios

Computer Application in Accounting and Finance

Elective -II : Marketing

Marketing Tasks, Concepts and Tools, Marketing Environment

Consumer Behaviour and Market Segmentation

Product decisions

Pricing decisions

Distributions decisions

Promotion decisions

Marketing Research

On-line marketing

Direct Marketing; Social, ethical and legal aspects of marketing in India

Elective -III : Human Resource Management

Concept; Role and Functions of Human Resource Management

Human Resource Planning, Job analysis, Job description and specifications, Use of Job analysis information, Recruitment and Selection

Training and Development, Succession Planning

Compensation : Wage and Salary administration, Incentives and Fringe benefits, Morale and Productivity

Appraisal Performance

Industrial Relations in India, Health, Safety, Welfare and Social Security, Workers participation in Management

Elective -IV : International Business

Foreign Direct Investment and Multinational Corporations-
MNCs Culture, MNCs and LDCs, Joint Ventures.

Regional Economic Integration : SAARC, ASEAN, EC, NAFTA

India and WTO, Intellectual Property Rights

Foreign Exchange-Exchange rate, Mechanism, Risk management, Transfer of international payments, Convertibility of Rupee, Current and Capital Accounts; Issues and Perceptions, Derivatives and Futures

Foreign investment Institution; Instruments : GDRs, ADRs, FIIs-their role in Indian Capital Market

Elective -V : Income-tax Law and Tax Planning

Basic concepts, Residential status and tax incidence, exempted incomes, computation of taxable income under various heads

Computation of taxable income of individuals and firms

Deduction of tax, filing of returns, different types of assessment; Defaults and penalties

Tax planning : Concept, significance and problems of tax planning, Tax evasion and tax avoidance, methods of tax planning

Tax considerations in specific business decisions, viz., make or buy; own or lease, retain or replace; export or domestic sales; shut-down or closure; expand or contract; invest or disinvest

Computer Application in Income tax and Tax planning

वाणिज्य (कोड न.:– 02)

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न-पत्र - II और प्रश्न-पत्र – III [A] [कोर विभाग]

इकाई –I

व्यवसाय पर्यावरण

व्यवसाय पर्यावरण का अर्थ एवं मूल तत्व

आर्थिक पर्यावरण, आर्थिक नीतियाँ, आर्थिक नियोजन

भारत में व्यवसाय का वैधानिक पर्यावरण, प्रतिस्पर्धा नीति, उपभोक्ता संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण

नीति सम्बन्धी पर्यावरण : उदारीकरण, निजीकरण एवं भूमण्डलीकरण, द्वितीय पीढ़ी के सुधार, औद्योगिक नीति एवं क्रियान्वयन, औद्योगिक समृद्धि एवं संरचनात्मक परिवर्तन

इकाई –II

वित्तीय एवं प्रबन्धकीय लेखांकन

लेखांकन की आधारभूत अवधारणाएँ, पूँजी एवं आगम, वित्तीय विवरण

भागीदारी लेखे : प्रवेश, निवृत्ति, मृत्यु समापन एवं नकदी वितरण

उच्च कम्पनी लेखे : निर्गम, जब्ती, व्यवसाय की खरीद, परिसमापन, अंशों का मूल्यांकन, समामेलन, अवशोषण एवं पुनर्निर्माण, धारक कम्पनी के लेखे

लागत एवं प्रबन्धकीय लेखांकन : अनुपातों को विश्लेषण, कोष प्रवाह विश्लेषण, नकदी प्रवाह विश्लेषण, सीमान्त लागतीकरण एवं समविच्छेद विश्लेषण, मानक लागतीकरण एवं बजटीय नियंत्रण, निर्णयन हेतु लागतीकरण

उत्तरदायित्व लेखांकन

इकाई –III

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

व्यावसायिक अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं उपयोग, लाभ एवं सम्पत्ति का अधिकतमीकरण, माँग विश्लेषण एवं माँग की लोच, उदासीनता–वक्र विश्लेषण, उपयोगिता विश्लेषण तथा प्रतिफल का नियम व परिवर्तनशील अनुपातों का नियम, लागत, आगम, बाजार की विभिन्न दशाओं में मूल्य का निर्धारण : पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकारिक प्रतियोगिता, एकाधिकार, मूल्य–विभेद तथा अल्पाधिकार, मूल्य सम्बन्धी रणनीतियाँ

इकाई –IV

व्यावसायिक सांख्यिकी एवं आँकड़ा परिष्करण

आँकड़ों के प्रकार, आँकड़ों का एकत्रीकरण एवं विश्लेषण, नमूनाकरण, आवश्यकता, नमूनेकरण की त्रुटियाँ एवं विधियाँ, साधारण (नार्मल) वितरण, परिकल्पना परीक्षण, आँकड़ों का विश्लेषण एवं भाषान्तरण परस्पर सम्बन्ध एवं पश्चगति, छोटे नमूने के परीक्षण–टी-टेस्ट एफ-टेस्ट एवं काई-वर्ग परीक्षण (काई-स्कावयर टेस्ट)

आँकड़ा परिष्करण–मूल तत्व, आँकड़ों की प्रविष्टि, आँकड़ों का परिष्करण एवं संगणक उपयोग कार्यकारी क्षेत्रों में कम्पयूटर के उपयोग–लेखांकन, स्कन्ध-नियंत्रण, विपणन

इकाई –V

व्यवसाय प्रबन्ध

प्रबन्ध के सिद्धान्त

नियोजन–उद्देश्य, रणनीतियाँ, नियोजन प्रक्रिया, निर्णयन

संगठन करना, संगठनात्मक संरचना, औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन, संगठनात्मक संस्कृति

स्टाफ को रखना

नेतृत्व करना–अभिप्रेरण, नेतृत्व, समितियाँ, संचार

नियंत्रण

निगम प्रशासन, व्यावसायिक आचार-संहिता

इकाई –VI

विपणन प्रबन्ध

विपणन की अवधारणा का विकास, विपणन की अवधारणा, विपणन सम्मिश्रण, विपणन का पर्यावरण

उपभोक्ता व्यवहार, बाजार–विखण्डीकरण

उत्पाद सम्बन्धी निर्णय

मूल्यीकरण सम्बन्धी निर्णय

वितरण सम्बन्धी निर्णय

संवर्द्धन सम्बन्धी निर्णय

विपणन नियोजन, संगठनीकरण एवं नियंत्रण

इकाई –VII

वित्तीय प्रबन्ध

पूँजी संरचना, वित्तीय एवं कार्य सम्बन्धी उत्तोलक शक्ति

पूँजी लागत, पूँजी बजटिंग

कार्यशील पूँजी का प्रबन्धन

लाभांश नीति

इकाई –VIII

मानव संसाधन प्रबन्ध

अवधारणा, मानव संसाधन प्रबन्ध की भूमिका एवं कार्य

मानव संसाधन नियोजन, भर्ती एवं चयन

प्रशिक्षण एवं विकास, उत्तराधिकार सम्बन्धी नियोजन

क्षतिपूर्ति : मजदूरी एवं वेतन प्रशासन, प्रोत्साहक एवं अनुषंगी लाभ, हौसला एवं उत्पादकता

निष्पादन मूल्यांकन

भारत में औद्योगिक सम्बन्ध, स्वास्थ्य, सुरक्षा, समृद्धि एवं सामाजिक बचाव, प्रबन्ध में कार्मिकों की साझेदारी

इकाई –IX

बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाएँ

बैंकिंग का महत्व, बैंकों के प्रकार एवं उनके कार्य, भारतीय रिजर्व बैंक, नैबार्ड (NABARD) एवं ग्रामीण बैंकिंग

भारत में बैंकिंग सेक्टर में सुधार, गैर–निष्पादक सम्पत्तियाँ (NPA), पूँजी पर्याप्तता के प्रतिमान

ई–बैंकिंग

विकास बैंकिंग–भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, राज्य वित्तीय निगम, भारतीय यूनिट ट्रस्ट, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

इकाई –X

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय के सैद्धान्तिक आधार, भुगतान का अवशेष

अन्तर्राष्ट्रीय तरलता, अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थाएँ–अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय निगम, अन्तर्राष्ट्रीय विकास एजेन्सी, एशियाई विकास बैंक विश्व व्यापार संगठन–इसके कार्य एवं नीतियाँ

भारत के विदेश व्यापार की संरचना : रचना व दिशा, निर्यात एवं आयात बैंक, भारत की निर्यात एवं आयात नीति, विदेश व्यापार का नियमन एवं संवर्द्धन

प्रश्न-पत्र – III [B]
[ऐच्छिक / वैकल्पिक]

ऐच्छिक –I : लेखांकन एवं वित्त

भारत में लेखांकन के मानक, मुद्रास्फीति लेखांकन, मानवीय संसाधन लेखांकन, उत्तरदायित्व, सामाजिक लेखांकन,

मौद्रिक एवं पूँजी बाजार, भारत में स्टॉक एक्सचेंजों का कार्य संचालन, राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज [NSE], OTCEI, NASDAQ, व्युत्पन्न एवं विकल्प

विनियमनकारी अधिकारी : SEBI, वर्गीकरणकारी अभिकर्त्ता; नवीन यंत्र : GDRs, ADRs

जोखिम पूँजी निधियाँ, विलयन एवं सम्पत्ति अर्जन, म्यूचुअल फण्ड (पारस्परिक निधियाँ), पट्टेदारी–सम्बन्धी वित्त, आढ़त (फैक्टरिंग), जोखिम एवं लाभार्जन का मापन, प्रतिभूतियाँ एवं पोर्टफोलियो लेखांकन एवं वित्त में कम्प्यूटर उपयोग

ऐच्छिक –II : विपणन

विपणन के कार्य, अवधारणाएँ एवं यंत्र, विपणन पर्यावरण

उपभोक्ता व्यवहार एवं बाजार विखण्डीकरण

उत्पाद सम्बन्धी निर्णय

मूल्यीकरण सम्बन्धी निर्णय

वितरण सम्बन्धी निर्णय

संवर्द्धन सम्बन्धी निर्णय

विपणन शोध

प्रत्यक्ष (ऑनलाइन) विपणन

भारत में विपणन के सामाजिक, नैतिक एवं कानूनी पहलू

ऐच्छिक –III : मानव संसाधन प्रबन्ध

अवधारणा; मानव संसाधन प्रबन्ध की भूमिका एवं कार्य

मानव संसाधन नियोजन, कार्य विश्लेषण, कार्य विवरण एवं निर्दिष्टीकरण, कार्य विश्लेषण सम्बन्धी सूचना के उपयोग, भर्ती एवं चयन

प्रशिक्षण एवं विकास, उत्तराधिकार सम्बन्धी नियोजन

क्षतिपूर्तिः मजदूरी एवं वेतन प्रशासन, प्रोत्साहक एवं अनुषंगी लाभ, हौसला एवं उत्पादकता

निष्पादन मूल्यांकन

भारत में औद्योगिक सम्बन्ध, स्वास्थ्य, सुरक्षा, समृद्धि एवं सामाजिक बचाव, प्रबन्ध में कार्मिकों की साझेदारी

ऐच्छिक –IV : अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय

विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ–MNC संस्कृति, MNCs एवं कम-विकसित देश, संयुक्त जोखिम

क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण : SAARC, ASEAN, EC, NAFTA

भारत एवं विश्व व्यापार संगठन [WTO], बौद्धिक सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकार

विदेश विनिमय–विनिमय दर, यान्त्रिकी, जोखिम प्रबन्धन, अन्तर्राष्ट्रीय भुगतान का हस्तान्तरण, रुपये का विनिमेय, चालू एवं पूँजीगत लेखा; मुद्दे एवं परिदृश्य, व्युत्पन्न एवं भविष्य-पत्र

विदेश व्यापार संस्थाएँ; यंत्र : GDRs, ADRs, FIIs–उनकी भारतीय पूँजी बाजार में भूमिका

ऐच्छिक –V : आयकर कानून एवं कर नियोजन

मूलभूत अवधारणाएँ, आवासीय स्थिति और कर आपतन, कर से छूट वाली आय, विभिन्न मदों में करयोग्य आय का आँकलन

व्यक्तियों और फर्मों की करयोग्य आय का आकलन

कर में कटौती, प्रत्यागमन का प्रस्तुतीकरण, कर निर्धारण के प्रकार; अवहेलनाएँ और दण्ड

कर नियोजन : अवधारणा, कर योजना का महत्व और समस्याएँ, कर चोरी और कर निराकरण, कर नियोजन की विधियाँ

विशिष्ट व्यावसायिक निर्णयों में कर-सम्बन्धी विवेचन : निर्मित करना बनाम क्रय करना, स्वामित्व बनाम किराये पर लेना, बनाये रखना बनाम पुनर्स्थापित करना, निर्यात करना बनाम घरेलू विक्रय, बन्ध कर देना बनाम समापन, विस्तारीकरण बनाम संकुचन, निवेश बनाम विनिवेश।

आयकर और कर नियोजन में कम्प्यूटर का उपयोग

***

DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES [CODE No. – 03]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III.

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, and Assertion - Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II & PAPER - III

UNIT – A

THEORIES AND CONCEPTS

1. Defence and Strategic Studies : Assumptions and Approaches
2. (a) The concepts of Nation, State and Nation-State (b) Theories and elements of State (c) National Power and its components.
3. (A) Key concepts of security (a) National Security (b) Regional Security (c) Comprehensive Security (d) Common Security (e) Equal Security.
   (B) National Security objectives: Core values, National interests.
   (C) Challenges to Security: Individual, Sub-National: National, Regional and International levels.
4. Non-Alignment, Balance of Power, Collective Security and Balance of Terror- concept, development and relevance.
5. Concepts of Geopolitics and Geo-strategy : Theories of Halford Mackinder and Carl Haushofer.
6. Defence and Security Policies : Cocept, formulation, objectives and linkages.
7. National Security Organizations in India : (a) Higher Defence Structure in India (b) National Security Council (c) Para-military and civil defence (d) Civil- military relations.
8. Deterrence and Détente : Concept, Theories of nuclear deterrence and their current relevance.
9. Contribution to strategic thought by Kautilya, Mao, Jomini, Clausewitz, Douhet and Alfred Mahan.

UNIT – B

PROBLEMS OF PEACE & SECURITY

1. War: (a) Theories and causes of war. (b) Principles of war (c) Contemporary warfare : Conventional Warfare in Nuclear age, Limited war, Revolutionary warfare, Low Intensity Operations, Guerilla warfare, Insurgency and Counter-Insurgency.
2. Armaments : Arms Race, Arms Aid, Arms Trade, Arms Proliferation.
3. Military alliances and pacts, Peace treaties, Defence cooperation, strategic partnership and security dialogue.
4. Problem of system of Governance and Human Rights.
5. Terrorism: Concept and kinds (National, International and Cross border).
6. Conflicting Ideologies: Militarism, Nationalism, Fundamentalism, Separatism, Irredentism.
7. Nuclear Proliferation & NPT, CTBT, MTCR, NMD
8. Industrial Military Complex.

UNIT – C

GLOBAL SECURITY ISSUES

1. End of cold war and emergence of new world order.
2. Military, nuclear and missile capabilities of China, Pakistan and India.
3. Re-structuring of UNO
4. Environmental issues: Global warming, Desertification, Acid rains, Industrial pollution, Deforestation.
5. Military Geography & Defence Problems; Nature of boundaries, terrain
   (a) Sino-Indian and Indo-Pak border disputes and India's Continental Strategy with her neighbours (b) Sri Lankan Ethnic Conflict (c) Domestic unrest in Afghanistan (d) West-Asian Crisis (e) Development in Central Republics (f) Ethnic issues in Yugoslavia (g) Crisis in Chechenia.
6. Organized Crimes : Money Laundering, Narco-trafficking.
7. Militarisation of Indian Ocean and India's national, maritime and security interests in the Indian Ocean region. India's Maritime Strategy for the 21st Century.
8. Issues of Logistics : Resources, Supply chain, Transportation and Communication.
9. Problems of refugees : (a) Causes of migration (b) Population in border areas and border security.

UNIT – D

ISSUES IN CONFLICT RESOLUTION

1. Origin, type and structure of conflict at inter-state level.
2. Images, belief systems and international conflicts.
3. Techniques of conflict prevention
4. Conflict management : Pacific solution of International Disputes, Coercive methods and war as an instrument.
5. International Humanitarian Laws and Laws of Armed Conflicts.
6. Confidence Building Measures : Concept, kinds and utility.
7. IGOs & NGOs in conflict resolution: Peace making, Peace keeping and Peace building.
8. Techniques of preservation of peace : Collective security system, Pacific settlement, Enforcement action, Regional Security arrangements, Disarmament.

UNIT – E

ECONOMIC, SCIENCE & TECHNOLOGY ISSUES AND NATIONAL SECURITY

1. Broad survey of technological changes from industrial revolution to inform action revolution
2. Economic Theories of Defence
3. (a) Basics of Defence Planning (b) Determinants of Defence expenditure and Defence budgeting.

4. National Security and International Trade regimes (WTO, TRIPS, TRIMS, NAFTA, SAPTA).
5. (a) India's nuclear and space power programmes (b) India's energy scenario.
6. Research and Development : (a) Relevance of science and technology in National security (b) Impact of information technology ; Revolution in Military Affairs (RMA) (c) Choice of Weapon systems.
7. Impact of economic liberalization and globalization : (a) Defence production in India (Role of DPSU's and Ordnance factories) (b) Defence and development and peace and development dichotomies.
8. Issues of mobilization of resources during war and peace.
9. Transfer of technology : Dual use and critical technologies and their impact on national security.

***

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन (कोड न.:– 03)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III ।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – II एवं प्रश्न पत्र – III

इकाई–A

सिद्धान्त और अवधारणाएँ

1- रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन : अभिधारणा एवं दिशा–निर्देश।

2- अ) राष्ट्र, राज्य और राष्ट्र–राज्य की अवधारणा।
ब) राज्य के सिद्धान्त एवं तत्व;
स) राष्ट्र शक्ति और उसके अवयव।

3- अ) सुरक्षा की प्रमुख अवधारणाएँ: राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय सुरक्षा; बृहत् सुरक्षा; आम सुरक्षा; समान सुरक्षा।
ब) राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य : प्रमुख मूल्य; राष्ट्रीय हित।
स) सुरक्षा की चुनौतियाँ : व्यक्तिगत; सह–राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर।

4- गुट–निरपेक्षता, शक्ति–सन्तुलन तथा भय के सन्तुलन की अवधारणा, प्रगति एवं उपयोगिता।

5- भू–राजनीति और भू–युद्धकौशल की अवधारणाएँ :
हाल्फोर्ड मेकिन्डर तथा कार्ल हॉशफर के भू–राजनीतिक सिद्धान्त।

6- रक्षा एवं सुरक्षा नीतियाँ : अवधारणा, आकारीकरण, उद्देश्य एवं तालमेल।

7- भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा संगठन :
अ) भारत का उच्च–स्तरीय रक्षा संगठन
ब) राष्ट्रीय सुरक्षा समिति
स) अर्ध–सैनिक बल तथा नागरिक सुरक्षा
द) असैनिक एवं सैनिक सम्बन्ध।

8- भय–प्रदर्शन एवं तनाव शैथिल्य : अवधारणा, परमाणु भय–प्रदर्शन के सिद्धांत और सामयिक सम्बद्धता।

9- कौटिल्य, माओ, जोमिनी, क्लाज् विट्ज, कार्ल हॉशफर, डूहेट तथा एल्फ्रेड महान का स्त्रातेजिक विचारधारा के लिये योगदान।

इकाई–B

शान्ति एवं सुरक्षा की समस्याएँ

1. युद्ध : (अ) सिद्धान्त एवं युद्ध के कारण (ब) युद्ध के सिद्धान्त (स) समसामयिक युद्ध कलाएँ : आण्विक युग में परम्परागत युद्ध, सीमित युद्ध, क्रान्तिकारी युद्ध, कम तीव्रता के युद्ध, छापमार युद्ध तथा विद्रोह एवं प्रति–विद्रोह।
2. शस्त्रीकरण : शस्त्र–होड़, शस्त्र व्यापार एवं शस्त्र प्रसार। शस्त्र विक्रय।
3. सैन्य संगठन एवं सैन्य समझौते, शान्ति सन्धियाँ, रक्षा–सहयोग, स्त्रातेजिक भागीदारी तथा सुरक्षा वार्तालाप।
4. प्रशासनिक व्यवस्था की समस्या तथा मानवाधिकार।
5. आतंकवाद : धारणा तथा प्रकार (राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय तथा सीमा–उल्लंघन)
6. विरोधी विचारधाराएँ : सैन्यवाद, राष्ट्रवाद, कट्टरवाद, अलगाववाद, समुद्धरणवाद।
7. आण्विक प्रसार तथा एन. पी. टी. ; सी. टी. बी. टी. ; एम. टी. सी. आर. ; एन. एम. डी. ।
8. सैन्य औद्योगिक क्षेत्र।

इकाई–C

विश्वव्यापी सुरक्षा मुद्दे

1- शीतयुद्ध की समाप्ति तथा नूतन विश्व व्यवस्था का उदय।

2- भारत, पाकिस्तान तथा चीन की सैन्य, आण्विक तथा मिसाइल क्षमतायें।

3- संयुक्त राष्ट्र संघ का पुनर्गठन।

4- पर्यावरण समस्यायें : विश्व में बढ़ता हुआ तापमान, मरुभूमि में बढ़ोतरी, अम्लीय वर्षा, औद्योगिक प्रदूषण एवं वनों का विनाश।

5- सैन्य भूगोल एवं रक्षा समस्यायें : सीमाओं की प्रकृति, भू–प्रदेश

अ) भारत–चीन एवं भारत–पाकिस्तान की सीमा समस्यायें तथा भारत की पड़ोसियों के प्रति स्थलीय कूटनीति।

ब) श्रीलंका का जातीय संघर्ष

स) अफगानिस्तान की आन्तरिक अशान्ति

द) पश्चिमी एशिया का संघर्ष

इ) मध्य एशियाई गणराज्यों में नये बदलाव

फ) यूगोस्लाविया के जातीय मुद्दे

र) चेचेनिया संकट।

6- संगठित अपराध : मनी लाऊंडरिंग, नशीले पदार्थों की तस्करी।

7- हिन्द महासागर का सैन्यीकरण : हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के राष्ट्रीय, सामुद्रिक तथा सुरक्षा हित, भारत की 21वीं सदी कीज सामुद्रिक स्त्रातेजी।

8- लौजिस्तिक्स के मुद्दे : संसाधन, संभरण की कड़ी, यातायात एवं संचार।

9- शरणार्थी समस्यायें : अ) स्थानान्तरण के कारण, ब) सीमा क्षेत्र की आबादी एवं संबंधित सुरक्षा समस्यायें।

इकाई–D

संघर्ष–समाधान के मुद्दे

1- अन्तर्राज्यीय संघर्ष : उद्भव, प्रकार तथा स्वरूप।

2- अन्तर्राष्ट्रीय संघर्षों में धारणा एवं आस्था व्यवस्था।

3- संघर्ष निरोधक तकनीकी।

4- संघर्ष व्यवस्था : अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण ढंग से निपटारा; अवपीडन का तरीका तथा युद्ध का तरीका।

5- अन्तर्राष्ट्रीय मानवीय कानून तथा सैन्य संघर्ष के कानून।

6- आपसी विश्वास बनाए रखने के तरीके : धारणा, प्रकार एवं उपयोगिता।

7- संघर्ष समाधान में सरकारी संस्थाओं तथा गैर सरकारी संस्थाओं की भूमिका : शान्ति स्थापना, शान्ति बनाए रखना तथा शान्ति का निर्माण करना।

8- शान्ति बनाए रखने की तकनीक : सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था, शान्तिपूर्ण समझौते; लागू करने की प्रक्रिया, क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थाएँ ; निःशस्त्रीकरण।

इकाई–E

आर्थिक, विज्ञान तथा तकनीकी मुद्दे तथा राष्ट्रीय सुरक्षा

1- रक्षा के क्षेत्र में आर्थिक व औद्योगिकी क्रान्ति से लेकर अधिसूचना क्रान्ति तक के तकनीकी परिवर्तनों का व्यापक सर्वेक्षण।

2- सुरक्षा के आर्थिक सिद्धांत।

3- अ) रक्षा योजना के प्रमुख आधार

ब) रक्षा व्यय के निर्णायक तत्व एवं रक्षा बजट।

4- राष्ट्रीय सुरक्षा तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था का प्रभाव (डब्लू. टी. ओ., ट्रिप्स, ट्रिम्स, नेफ्ता, साफ्ता)

5- अ) भारत का परमाणु एवं अन्तरिक्षीय शक्ति कार्यक्रम

ब) भारत का ऊर्जा वातावरण।

6- शोध एवं विकास :

अ) राष्ट्रीय सुरक्षा में विज्ञान व तकनीकी का महत्व

ब) आसूचना तकनीकी का प्रभाव, सैनिक मामलों में क्रांतिकारी परिवर्तन (आर. एम. ए.),

स) शस्त्र–प्रणाली का चुनाव।

7. आर्थिक उदारीकरण तथा वैश्वीकरण के प्रभाव :

अ) भारत में रक्षा उत्पादन (सरकारी रक्षा उत्पादन संस्थानों तथा आयुध कारखानों का योगदान)

ब) रक्षा व विकास एवं शान्ति व विकास के सैद्धान्तिक मतभेद।

8. युद्ध व शान्ति काल में संसाधनों को गतिशील करने के मुद्दे।

9- तकनीकी का स्थानान्तरण : दोहरे उपयोग वाली एवं विशिष्ट तकनीकी तथा उनका राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव।

***

Economics [CODE No. – 04]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:- The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

1. Micro-economic Analysis
Demand analysis – Marshallian, Hicksian and Revealed preference approaches
Theory of Production and Costs
Pricing and output under different forms of market structure
Factor Pricing analysis
Elements of general equilibrium and new welfare economics

2. Macro-economic Analysis
Determination of output and employment – Classical approach, Keynesian approach, Consumption hypotheses
Demand for Money – Fisher and Cambridge versions, Approaches of Keynesian, Friedmand, Patinkin, Baumol and Tobin
Supply of Money, Determinants of money supply, High-powered money, Money multiplier
Phillips Curve analysis
Business cycles – Models of Samuelson, Hicks and Kaldor.
Macro-economic Equilibrium – Relative roles of monetary and fiscal policies

3. Development and Planning
Economic Growth, Economic Development and sustainable Development – Importance of institutions – Government and markets – Perpetuation of underdevelopment – Vicious circle of poverty, circular causation, structural view of underdevelopment – Measurement of development conventional, HDI and quality of life indices
Theories of Development – Classical, Marx and Schumpeter; Economic Growth – Harrod-Domar model, instability of equilibrium, Neoclassical growth – Solow's model, steady state growth, Approaches to development : Balanced growth, critical minimum effort, big push, unlimited supply of labour, unbalanced growth, low income equilibrium trap

Indicators and measurement of poverty
Importance of agriculture and industry in economic development – choice of techniques and appropriate technology – Investment criteria – Elementary idea of cost-benefit analysis
Trade and Aid – International trade as 'engine of growth' – Globalization and LDC's Objectives and role of monetary and fiscal policies in economic development
Techniques of planning; Plan Models in India; planning in a market-oriented economy

4. Public Finance
Role of the Government in Economic activity – Allocation, distribution and stabilization functions; Private, Public and Merit goods
The Public Budgets – Kinds of Budgets, Zero-base budgeting, different concepts of budget deficits; Budgets of the Union Government of India
Public Expenditure – Hypotheses; effects and evaluation
Public Revenue – Different approaches to the division of tax burden, incidence and effects of taxation; elasticity and buoyancy; taxable capacity
Public Debt – Sources, effects, burden and its management
Fiscal Federalism – Theory and problems; Problems of Centre-State Financial relations in India
Fiscal Policy – Neutral and compensatory and functional finance; balanced budget multiplier

5. International Economics
Theories of International Trade : Empirical verification and Relevance
International Trade under Imperfect competition
Terms of Trade and Economic Growth – Secular
Deterioration of Terms of Trade Hypothesis – a critical review
Equilibrium/ disequilibrium in Balance of Payment – Traditional, Absorption and Monetary approaches for adjustment in the Balance of Payments, Foreign Trade multiplier
Impact of Tariffs, Partial and general equilibrium analysis; Political economy of Non-Tariff Barriers
Theory of regionalism at Global level – Collapse of Bretton-Wood System – Recent Monetary reforms
Trade Policy and Reforms in India

6. Indian Economy
Basic Economic indicators – National income, performance of different sectors
Trends in prices and money supply
Agriculture – Institutional and technological aspects, new agriculture policy
Industry – New industrial policy and liberalization
Money and banking – Concepts of money supply, inflation, monetary policy and financial sector reforms
Public finance – Trends in revenue and expenditures of the Central and State Government, Public debt; analysis of the Union Budget.
Foreign trade – Trends, Balance of payments and trade reforms
Poverty, unemployment, migration and environment

7. Statistical Methods
Measures of Central tendency, dispersion, skewness and kurtosis
Elementary theory of probability – Binomial, Poisson and Normal distributions
Simple correlation and regression analysis
Statistical inferences – Applications, sampling distributions (t, x^2 and F tests), sampling of attributes, testing of Hypothesis
Index numbers and time series analysis
Sampling and census methods, types of sampling and errors

ECONOMICS

Paper - III

Note:- The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - III (A)
(CORE GROUP)

Unit - I

Theory of Demand – Axiomatic approach, Demand functions, Consumer behavior under conditions of uncertainty

Theory of production

Collusive and non-collusive oligopolies

Different models of objectives of the firm – Baumol, Morris and Williamson

Factor pricing

General equilibrium and Welfare Economics

Unit - II

Keynesian and post-Keynesian approaches to theory of output and employment; concepts of investment multiplier; consumption hypotheses

Theories of investment and accelerator

Theories of demand for money – Keynesian and post-Keynesian

Different approaches to money supply; money supply; components and determinants; money multiplier

Output – price determination (aggregate supply and aggregate demand curve analysis)

Flaming-Mundell open economy model

Unit - III

Development and Growth – Role of institutions

Theories of growth and development – Models of growth of Joan Robinson and Kaldor; Technical Progress – Hicks, Harrod and learning by doing, production function approach to the determinants of growth : Endogenous growth : role of education, research and knowledge – explanation of cross country differentials in economic development and growth.

Theories of development – Classical, Marx, Schumpeter and structural analysis of development – Imperfect market paradigm, Lewis model of development, Ranis-Fei model, Dependency theory of development

Factors in economy development – natural resources, population, capital, Human Resource Development and infrastructure

Trade and development – trade as engine of growth, two-gap analysis, Prebisch, Singer and Myrdal views; gains from trade and LDCs

Unit - IV

Theories of taxation, types, incidence and effects

Theories of public expenditure – effects on savings, investment and growth

Burden of public debt

Union Finance – Trends in Revenue and Expenditure of the Government of India

State Finance – Trends in Revenue and Expenditure of the State Governments

Public Debt – India's Public debt since 1951 – growth composition, ownership pattern and debt management

Union-state Financial Relations – Horizontal and vertical imbalances; the Finance Commissions

Fiscal Policy and Fiscal Reforms in India

Unit - V

'Monetary approach' and adjustment in the balance of payments

Regional blocs – multilateralism and world trading system

The Political Economy of imposition of non-tariff barriers

International trade under conditions of imperfect competition in goods market Theory of International reserves

Optimum Currency Areas – Theory and impact in the developed and developing countries

WTO and its impact on the different sectors of the economy

Unit - VI

Components of money supply

Role, constituents and functions of money and capital markets

RBI – recent monetary and credit policies

Commercial banks and co-operatives banks

Specialized financial and investment institutions

Non-bank financial institutions and Regional Rural Banks

Unit - VII

Industrial structure and economic growth

Pattern of industrialization – Public and Private; large and small industries

Theories of Industrial location – Indian experience

Industrial productivity – measurement, partial and total trends

Industrial Finance in India

Industrial Labour – Problems, policies and reforms in India

Economic Reforms and industrial growth

Unit - VIII

Population and Economic development – interrelation between population, development and environment, sustainable development

Malthusian theory of population, Optimum theory of population, theory of demographic transition, population as 'Limits to Growth' and as 'Ultimate Source'

Concepts of Demography – Vital rates, Life tables, composition and uses, Measurement of fertility – Total fertility rate, gross and net reproduction rate – Age pyramids, population projection – stable, stationary and quasi-stationary population; characteristics of Indian population through recent census

Poverty in India – Absolute and relative; analysis of poverty in India

Environment as necessity – amenity and public goods; causes of environmental and ecosystem degeneration – policies for controlling pollution – economic and persuasive; their relative effectiveness in LDCs; Relation between population, poverty and environmental degradation – microplanning for environment and eco-preservation – water sheds, joint forest management and self-helps groups

Role of State in environmental preservation – Review of environmental legislation in India

Unit - IX

Role of Agriculture in India Economy – Share of Agriculture, interrelationship between agriculture and industry

Institutional aspects – Land reforms, Green revolution

Technologies aspects – Agricultural inputs and shifts in production function

Capital formation in the rural sector – Savings, assets and credits

Strategies for rural development

Regional disparities in Indian agriculture

Cooperative movement in India – Organization, structure and development of different types of cooperatives in India

Unit - X

Application of Differential and Integral Calculus in theories of consumer behaviour, Production and pricing under different market conditions

Input-output analysis and linear programming

Application of Correlation and Regression

Testing of Hypothesis in Regression Analysis

PAPER - III (B)
[Elective/ Optional]

Elective - I

Single Equation Linear Model :

Assumption and properties of OLS

Multiple Regression Model – Estimation and Interpretation

Multi-collinearity – Auto-correlation and heteroscedasticity –Causes, detection, consequences and remedy

Dummy variables, distributed lags – Need, limitations and interpretation

Application in Economics

Simultaneous Equation models :

Structural reduced forms

Endogenous and exogenous variables

Identification problems and conditions

Single equation methods of estimations – TSLS, indirect least squares and least variance ratio

Techniques of Forecasting :

ARMA, ARIMA

Econometric properties of time series, Unit root, integrated series, random walk and white noise

Elective - II

Theory of Consumer Behaviour and Theory of Firms

Theory of Pricing – Monopoly, Monopolistic competition, Duopoly and Oligopoly

Theory of Games – Two-person, Zero-sum Game, Pure and Mixed strategy, Saddle point solution, Linear programming and input-output analysis

Static and Dynamic Multiplier and Accelerator, Samuelson-Hicks trade cycle model.

Growth Models – Harrod and Domar, Neoclassical models – Solow, Meade, Kaldor's Model with technological progress, endogenous growth models

Employment and output determination with fixed and flexible prices (IS-LM, Aggregate demand and aggregate supply analysis)

Elective - III

The Rise and Fall of Bretton-Wood and emerging International Monetary System

World Trading System – Evolution and Distortions

Globalization – Developments in Exchanges Markets, Euro-Currency Markets, and International Bond Markets, International Debt crisis

Theory of Foreign Exchange Markets – Exchange Trading, Arbitrage and Market Hedging

Elective - IV

Growth and Productivity trends in Indian Agriculture

Development of distributive institutions – Costs and price policies

Agricultural marketing and credit

Trends in migration and labour markets, Minimum Wages Act

WTO and sustainable agricultural development

Reforms in Indian agriculture

Elective - V

Planning and Economic Development

Costs, Prices, WTO and Indian Agriculture

Globalization, Liberalization and the Indian Industrial Sector

Infrastructure and Economic Development

Social Sector, Poverty and Reforms in India

Women, Environment and Economic Development

Trade Reforms and Liberalization

Financial sector reforms

Fiscal policy and fiscal reforms

***

अर्थशास्त्र (कोड न.:– 04)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – II

टिप्पणी:

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

1- व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण

माँग विश्लेषण – मार्शल, हिक्स तथा प्रकटित अधिमान उपागम
उत्पादन तथा लागत के सिद्धान्त
विभिन्न प्रकार के बाजार ढाँचों में कीमत निर्धारण तथा उत्पादन
साधन कीमत विश्लेषण
सामान्य सन्तुलन विश्लेषण तथा नवीन कल्याण अर्थशास्त्र।

2- समष्टि आय विश्लेषण

रोजगार तथा उत्पादन का निर्धारण – क्लासिकीय उपागम, केन्स का उपागम, उपभोग परिकल्पनाएँ
मुद्रा की माँग – फिशर तथा कैम्ब्रिज उपागम, केन्स, फ्रीडमैन, पॅटिन्किन, बामल तथा टोबिन के उपागम, मुद्रा की पूर्ति, मुद्रा पूर्ति के निर्धारक, प्रबल मुद्रा, मुद्रा गुणक
फिलिप्स वक्र विश्लेषण
व्यापार चक्र – सैम्युल्सन, हिक्स तथा काल्डर के मॉडल
समष्टि आर्थिक सन्तुलन – मौद्रिक नीति तथा राजकोषीय नीति की सापेक्ष भूमिका।

3- विकास एवं नियोजन

आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक विकास तथा धारणीय विकास – संस्थाओं का महत्व – सरकार तथा बाजार– अल्पविकास का टिकाऊपन – गरीबी का दुश्चक्र, चक्रीय कार्यकारण, अल्पविकास का संरचनात्मक दृष्टिकोण – विकास का मापन
विकास के सिद्धान्त – क्लासिकल, मार्क्स तथा शुम्पीटर; आर्थिक संवृद्धि – हैरड–डोमर मॉडल, संतुलन का अस्थायित्व नवक्लासिकीय संवृद्धि – सोलो मॉडल, स्थायी दशा संवृद्धि। विकास के उपागम – संतुलित संवृद्धि, क्रान्तिक न्यनूतम प्रयास, प्रबल प्रयास, असीमित श्रम पूर्ति, असंतुलित संवृद्धि, न्यूनतम आय संतुलन पाश
गरीबी के संकेतक तथा प्रमाप

आर्थिक विकास में कृषि तथा उद्योग को महत्व – तकनीक का चुनाव तथा उपयुक्त तकनीक – विनियोग कसौटी – लागत–लाभ विश्लेषण का प्रारम्भिक विचार

व्यापार तथा विकास – संवृद्धि के प्रेरक रूप के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार; अल्पविकसित देश तथा भूमण्डलीकरण विकासशील देशों में मौद्रिक नीति तथा राजकोषीय नीति की भूमिका

नियोजन की तकनीक; भारत के नियोजन मॉडल; बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था में नियोजन।

4- राजस्व

आर्थिक गतिविधि में सरकार की भूमिका – आबंटन, वितरण तथा स्थायित्व उद्देश्य; निजी, सार्वजनिक तथा वरीयता वस्तुएँ

सार्वजनिक बजट – बजट के प्रकार, शून्य–आधार बजट, बजट घाटों के विभिन्न प्रत्यय; केन्द्र सरकार के बजट

सार्वजनिक व्यय– परिकल्पनाएँ ; प्रभाव तथा आँकलन

सार्वजनिक आगम – करभार विभाजन के विभिन्न उपागम, कराधान का करापात तथा प्रभाव; कर आय की लोच तथा उत्प्लावकता; कर देय क्षमता

सार्वजनिक ऋण – स्रोत, प्रभाव, भार तथा इसका प्रबन्ध

राजकोषीय संघवाद – सिद्धान्त तथा समस्या, केन्द्र–राज्य वित्तीय सम्बन्धों में समस्या

राजकोषीय नीति – तटस्थ, अतिपूरक तथा कार्यात्मक वित्त–संतुलित बजट गुणक।

5- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त – उपयुक्तता तथा व्यवहारपरक जाँच

अपूर्ण प्रतियोगिता में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

व्यापार की शर्तें व आर्थिक संवृद्धि – व्यापार शर्तों में दीर्घकालीन गिरावट की परिकल्पना – एक आलोचनात्मक समीक्षा

व्यापार सन्तुलन में सन्तुलन तथा असंतुलन – व्यापार सन्तुलन में समायोजन के परम्परागत अवशोषण तथा मौद्रिक उपागम, विदेशी व्यापार गुणक

तटकर के प्रभाव, आंशिक तथा सामान्य विश्लेषण; गैर तटकर अवरोधकों का राजनैतिक–अर्थशास्त्रीय आधार

भूमंडलीय सार पर क्षेत्रवाद का सिद्धान्त – ब्रैटन वुड प्रणाली की समाप्ति – इसमें नवीन सुधार

भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नीति तथा सुधार।

6- भारतीय अर्थव्यवस्था

आधारभूत आर्थिक संकेतक – राष्ट्रीय आय, विभिन्न क्षेत्रों का निष्पादन

कीमतों तथा मुद्रा पूर्ति की प्रवृत्तियाँ

कृषि – संस्थागत तथा तकनीकी प्रगति, नई कृषि नीति

उद्योग – नई औद्योगिक नीति तथा उदारीकरण

मुद्रा एवं बैंकिंग – मुद्रा पूर्ति के प्रत्यय, मुद्रास्फीति, मौद्रिक नीति तथा वित्तीय क्षेत्र के सुधार

राजकोषीय वित्त – केन्द्र तथा राज्य सरकारों के राजस्व व व्यय की प्रवृत्तियाँ, सार्वजनिक ऋण; केन्द्र सरकार के बजट का विश्लेषण

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार – प्रवृत्तियाँ, व्यापार सन्तुलन तथा सुधार

गरीबी, बेरोजगारी, प्रवसन तथा पर्यावरण।

7- सांख्यकीय विधियाँ

केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप, प्रकीर्णन विषमता तथा ककुदता

प्रायिकता का आरम्भिक सिद्धान्त – द्विपद, प्यासों तथा प्रसामान्य बंटन

सरल सहसम्बन्ध तथा समाश्रयण विश्लेषण

सांख्यकीय अनुमान – अनुप्रयोग, प्रतिदर्श बंटन (t, x^2 तथा F परीक्षण), गुणात्मक चरों का प्रतिदर्श; परिकल्पना परीक्षण

सूचकांक तथा कालश्रेणी विश्लेषण

प्रतिदर्श एवं जनगणना विधियाँ, प्रतिदर्श के प्रकार तथा प्रतिदर्श त्रुटि।

अर्थशास्त्र
प्रश्न पत्र – III

टिप्पणी:

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – III (A)
[कोर विभाग]

इकाई – I

माँग का सिद्धान्त – तथ्यों पर आधारित, माँग फलन, अनिश्चितता की स्थिति में उपभोक्ता व्यवहार उत्पादन का सिद्धान्त

कपट संधिपूर्ण तथा गैर–कपट संधिपूर्ण अल्पाधिकार

फर्म के उद्देश्यों के विभिन्न मॉडल – बाउमल, मैरिस एवं विलियमसन

संसाधनों का कीमत निर्धारण

सामान्य सन्तुलन एवं कल्याणवादी अर्थशास्त्र।

इकाई – II

उत्पादन एवं रोजगार निर्धारण के केन्सियन एवं उत्तर–केन्सियन सिद्धान्त विनियोग गुणक का प्रत्यय; उपभोग परिकल्पनाएँ

विनियोग के सिद्धान्त तथा त्वरक

मुद्रा के मांग के सिद्धान्त – केन्सियन एवं उत्तर–केन्सियन

मुद्रा की पूर्ति के विभिन्न दृष्टिकोण – मुद्रा पूर्ति के अवयव एवं निर्धारक; मुद्रा गुणक

उत्पादन – कीमत निर्धारण (सकल पूर्ति एवं सकल माँग फलन विश्लेषण)

फ्लेमिंग–मण्डेल खुली अर्थव्यवस्था मॉडल।

इकाई – III

विकास एवं वृद्धि – संस्थाओं की भूमिका

विकास एवं वृद्धि के सिद्धान्त – जोन रोबिन्सन एवं काल्डर के वृद्धि के मॉडल; तकनीकी विकास – हिक्स, हैरड एवं कौशल अर्जन, संवृद्धि के कारक एवं उत्पादन फलन उपागम : अन्तर्जात संवृद्धि; शिक्षा, शोध व ज्ञान की भूमिका – विभिन्न देशों के मध्य आर्थिक विकास एवं संवृद्धि के स्तरों में अन्तर

विकास के सिद्धान्त – क्लासिकल, मार्क्स तथा शुम्पीटर एवं विकास का संरचनात्मक विश्लेषण – अपूर्ण बाजार प्रारूप, लीविस का विकास मॉडल, रेने एवं फे का मॉडल; विकास की निर्भरता परक सिद्धान्त

आर्थिक विकास के तत्व – प्राकृतिक संसाधन, जनसंख्या, पूँजी, मानव संसाधन विकास तथा अवस्थापना

व्यापार एवं विकास – व्यापार विकास के प्रेरक रूप में, द्वय अंतराल विश्लेषण; प्रेबिशा सिंगर एवं मिर्डल के विचार, अल्पविकसित देशों का व्यापार से लाभ।

इकाई – IV

करारोपण के सिद्धान्त, प्रकार, आपतन एवं प्रभाव

सार्वजनिक व्यय के सिद्धान्त – बचत, विनियोग एवं वृद्धि पर प्रभाव

सार्वजनिक ऋण का भार

केन्द्रीय वित्त – भारत सरकार के आगम एवं व्यय की प्रवृत्तियाँ

राज्य वित्त – राज्य सरकारों के आगम एवं व्यय की प्रवृत्तियाँ

सार्वजनिक ऋण – 1951 के पश्चात् भारत का सार्वजनिक ऋण, ऋण संरचना, स्वामित्व प्रतिमान एवं ऋण प्रबन्धन

केन्द्रीय–राज्य वित्तीय सम्बन्ध – क्षैतिज एवं उर्ध्व असन्तुलन, वित्त आयोग

भारत में राजकोषीय नीति एवं राजकोषीय सुधार।

इकाई – V

'मौद्रिक उपागम' तथा भुगतान–संतुलन में समायोजन

क्षेत्रीय गुट – बहुपक्षवाद एवं विश्व व्यापार पद्धति

गैर–तटकीय अवरोधकों के रोपण का राजकीय अर्थशास्त्र

वस्तु बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता की दशाओं में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

अन्तर्राष्ट्रीय कोष का सिद्धान्त

इष्टतम मुद्रा क्षेत्र – सिद्धान्त एवं विकसित एवं विकासशील राष्ट्रों के सन्दर्भ में प्रभाव

विश्व व्यापार संगठन एवं इसका अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव।

इकाई – VI

मुद्रा पूर्ति के अवयव

मुद्रा एवं पूँजी बाजार का योगदान, संघटक तथा कार्य

भारतीय रिजर्व बैंक – नवीन मौद्रिक एवं ऋण नीतियाँ

व्यापारिक बैंक एवं सहकारी बैंक

विशिष्ट वित्तीय एवं विनियोग संस्थाएँ

गैर बैंक वित्तीय संस्थाएँ एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक।

इकाई – VII

औद्योगिक संरचना एवं आर्थिक संवृद्धि

औद्योगीकरण का प्रतिमान – राजकीय एवं निजी; वृहद् एवं लघु उद्योग

औद्योगिक स्थान निर्धारण के सिद्धान्त – भारतीय अनुभव

औद्योगिक उत्पादकता – प्रमाप, आंशिक एवं कुल प्रवृत्तियाँ

भारत में औद्योगिक वित्त

औद्योगिक श्रम – भारत में समस्याएँ, नीतियाँ एवं सुधार

आर्थिक सुधार एवं औद्योगिक वृद्धि।

इकाई – VIII

जनसंख्या एवं आर्थिक विकास – जनसंख्या, विकास तथा पर्यावरण में अंतर्सम्बन्ध, धारणीय विकास

माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त, अनुकूलतम जनंसख्या का सिद्धान्त, जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त, जनंसख्या 'संवृद्धि की सीमा' तथा 'अन्तिम स्त्रोत'।

जनांकिकी के तत्व – जन्म तथा मृत्यु दरों के प्रकार : प्रजननता का माप – कुल प्रजननता दर, सकल एवं शुद्ध पुनरुत्पादन दर – जनसंख्या प्रक्षेपण – स्थाई, स्थैतिक एवं अर्ध–स्थैतिक जनसंख्या – जनगणना के द्वारा भारतीय जनसंख्या की मुख्य विशेषताएँ

भारत में गरीबी – निरेपक्ष एवं सापेक्ष; भारत में गरीबी का विश्लेषण

पर्यावरण – आवश्यक, सुविधा तथा सार्वजनिक वस्तु के रूप में; पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विकास के कर क्षरण – प्रदूषण नियंत्रण हेतु नीतियाँ – आर्थिक एवं प्रत्यापक नीतियाँ – पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी संरक्षण हेतु व्यष्टि नियोजन : वाटरशेड, संयुक्त वन प्रबन्ध तथा स्व सहयोग समूह

पर्यावरण संरक्षण में राज्य की भूमिका – भारत में पर्यावरण विषयों की समीक्षा।

इकाई – IX

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका – कृषि का भाग, कृषि तथा उद्योग में अन्तरसम्बन्ध

संस्थागत पक्ष – भूमि सुधार, हरित क्रान्ति

तकनीकी पक्ष – कृषि आगतें तथा उत्पादन फलन में विस्थापन

ग्रामीण क्षेत्र में पूँजी निर्माण – बचत, आस्तियाँ तथा साख

ग्रामीण विकास की रणनीति

भारतीय कृषि में क्षेत्रीय विषमताएँ

भारत में सहकारिता आन्दोलन – भारत में विभिन्न प्रकार की सहकारिता संस्थाओं का संगठन, संरचना तथा विकास।

इकाई – X

उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादन एवं विभिन्न बाजारों के सिद्धान्तों में अवकलन तथा समाकलन का प्रयोग आगत–निर्गत विश्लेषण तथा रेखीय प्रोग्रामिंग

सहसम्बन्ध एवं प्रतिगमन के प्रयोग

प्रतिगमतन विश्लेषण में परिकल्पना परीक्षण।

प्रश्न पत्र – III (B)
(ऐच्छिक / वैकल्पिक)

ऐच्छिक – I

एकल समीकरण प्रतीपगमन :

मान्यताएँ एवं OLS की विशेषताएँ

बहुरेखीय प्रतीपगमन मॉडल – आंकलन एवं व्याख्या

बहुसहसम्बन्धता – स्व–सहसम्बन्ध एवं विषम विचालित – कारण, पहचान, परिणाम एवं उपचार

छद्मचर–वितरित पश्चता – आवश्यकता, सीमाएँ एवं व्याख्या

अर्थशास्त्र में प्रयोग

युगपद समीकरण निदर्श :

संरचनात्मक एवं अन्तिम स्वरूप

अन्तर्जात एवं बाह्यजात चर

अभिनिर्धारण की समस्याएँ एवं शर्तें

आकलन की एकल–समीकरण विधियाँ – TSLS अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग, न्यूनतम विचलन अनुपात।

पूर्वानुमान की प्रविधियाँ :

ARMA, ARIMA

कालश्रेणी की अर्थमितीय गुण, इकाई मूल, एकीकृत श्रेणी, रेण्डम वाक एवं व्हाइट नाइज।

ऐच्छिक – II

उपभोक्ता व्यवहार एवं फर्म का सिद्धान्त

कीमत निर्धारण सिद्धान्त – एकाधिकार, एकाधिकारिक प्रतियोगिता, द्वाधिकार तथा अल्पाधिकार

क्रीड़ा सिद्धान्त – दो–व्यक्ति शून्य–मान क्रीड़ा, शुद्ध एवं मिश्रित युक्ति, सेडिल बिन्दु हल

स्थैतिक एवं गत्यात्मक गुणक एवं त्वरक मॉडल, सेम्युलसन–हिक्स व्यापार चक्र मॉडल, वृद्धि मॉडल – हैरड–डामर, नव–प्रतिष्ठित मॉडल – सौलो, मीड, कॉल्डर मॉडल – तकीनीकी विकास, बाह्य–वृद्धि मॉडल रोजगार एवं उत्पादन निर्धारण–स्थिर एवं लचीली कीमत (IS-LM, सकल माँग एवं सकल पूर्ति विश्लेषण)

ऐच्छिक – III

ब्रेटन वुड का उत्थान एवं पतन तथा अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक तंत्र का उभरता हुआ रूप

विश्व व्यापार तंत्र – संक्रमण एवं विरूपण

विश्वीकरण – विनिमय बाजार का विकास, यूरो–मुद्रा बाजार एवं अन्तर्राष्ट्रीय बॉण्ड बाजार, अन्तर्राष्ट्रीय ऋण संकट

विदेशी विनिमय बाजार का सिद्धान्त – विनिमय व्यापार, अन्तर–पणन एवं बाजार हैजिंग।

ऐच्छिक – IV

भारतीय कृषि में वृद्धि एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियाँ

वितरण करने वाली संस्थाओं का विकास – लागत एवं कीमत नीतियाँ

कृषि विपणन एवं साख

प्रवसन एवं श्रम बाजार की प्रवृत्तियाँ न्यूनतम मजदूरी अधिनियम

विश्व व्यापार संगठन एवं धारणीय कृषि विकास

भारतीय कृषि में सुधार।

ऐच्छिक – V

नियोजन एवं आर्थिक विकास

लागत, कीमतें, विश्व व्यापार संगठन एवं भारतीय कृषि

विश्वीकरण, उदारीकरण तथा भारतीय औद्योगिक क्षेत्र

अवस्थापना एवं आर्थिक विकास

सामाजिक क्षेत्र, गरीबी एवं भारत में सुधार

महिलाएँ, पर्यावरण एवं आर्थिक विकास
व्यापार सुधार एवं उदारीकरण
वित्तीय क्षेत्र के सुधार
राजकोषीय नीति एवं राजकोषीय सुधार।

ENGLISH [CODE No. – 05]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:- The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

1. Chaucer to Shakespeare
2. Jacobean to Restoration Periods
3. Augustan Age : 18th Century Literature
4. Romantic Period
5. Victorian Period
6. Modern Period
7. Contemporary Period
8. American and other non-British Literatures
9. Literary Theory and Criticism
10. Rhetoric and Prosody

ENGLISH

Paper - III

Note:- The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - III (A)

(CORE GROUP)

1. British Literature from Chaucer to the present day
2. Criticism and Literary Theory.

Unit - I : Literary Comprehension (with internal choice of poetry stanza and prose passage; four comprehension questions will be asked carrying 4 marks each).

Unit - II : Up to the Renaissance

Unit - III : Jacobean to Restoration Periods

Unit - IV : Augustan Age : 18th Century Literature

Unit - V : Romantic Period

Unit - VI : Victorian and Pre-Raphaelites

Unit - VII : Modern British Literature

Unit - VIII : Contemporary British Literature

Unit - IX : Literary Theory and Criticism up to T.S. Eliot

Unit - X : Contemporary Theory

PAPER - III (B)

(ELECTIVE/ OPTIOPNAL)

Elective - I : History of English Language, English Language Teaching

Elective - II : European Literature from Classical Age to the 20th Century

Elective - III : Indian writing in English and Indian Literature in English translation

Elective - IV : American and other non-British English Literatures

Elective - V : Literary Theory and Criticism.

***

GEOGRAPHY [CODE No. – 06]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:- The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

1. Geomorphology : Fundamental concepts; Endogenetic and Exogenetic forces; Denudation and weathering; Geosynclines, continental drift and plate tectonics; Concept of geomorphic cycle; Landforms associated with fluvial, glacial, arid, coastal and karst cycles.
2. Climatology : Composition and structure of the atmosphere; Heat budget of the earth; Distribution of temperature; Atmospheric pressure and general circulation of winds; Monsoon and jet stream; Tropical and temperate cyclones; Classification of world climates; Koppen's and Thornthwaite's schemes.
3. Oceanography : Ocean deposits; Coral reefs; Temperature and sanity of the oceans; Density of sea water; Tides and ocean currents.
   Bio-Geography : World distribution of plants and animals; Forms and functions of ecosystem; Conservation and management of ecosystems; Problems of pollution.
4. Geographic Thought : General character of Geographic knowledge during the ancient and medieval period; Foundations of Modern Geography, Determinism and possibilism; Areal differentiation and spatial organization.
5. Population Geography : Patterns of world distribution; Growth and density of population; Patterns and processes of migration; Demographic transition.
   Settlement Geography : Site, Situation, types, size, spacing and internal morphology of rural and urban settlements; City-region; Primate city; Rank-size rule; Settlement hierarchy; Christaller's Central Place theory; August Losch's theory of market centres.
6. Economic Geography : Sectors of economy : primary, secondary, tertiary and quaternary; Natural resources; renewable and non-renewable.
   - Measurement of agricultural productivity and efficiency; Crop combination and diversification; Von Thunen's Model.
   - Classification of industries : Weber's and Losch's approaches; Resource based and footloose industries.
   - Models of transportation and transport cost : Accessibility and connectivity.
7. Political Geography : Heartland and Rimland theories; Boundaries and frontiers; Nature of administrative areas and Geography of public policy and finance.

Social Geography : Ethinicity; tribe; dialect; language, caste and religion; Concept of social well-being.

Cultural Geography : Culture-areas and cultural regions; Human races; Habitat; Economy and Society of tribal groups.

8. Regional Planning : Regional concept in Geography; Concept of planning regions; Types of regions; Methods of regional delineation; Regional planning in India; Indicators of development; Regional imbalances; Evolution, nature and scope of town planning with special reference to India, and Fundamentals of Town and Country planning.

9. Geography of India : Physiographic divisions; Climate : Its regional variations; Vegetation types and vegetation regions; Major soil types; Irrigation and agriculture; Population distribution and growth ; Settlement patterns ; Mineral and power resources; major industries and industrial regions.

10. Cartography : Types of maps : Techniques for the study of spatial patterns of distribution; Choropleth; Isopleth and Chorochromatic maps and pie diagrams; Mapping of location-specific data; Accessibility and flow maps.

Remote sensing and Computer application in mapping; Digital mapping; Geographic Information System (GIS).

Statistical Methods : Data sources and types of data; Frequency distribution and cumulative frequency ; Measures of central tendency ; Selection of class intervals for mapping; Measures of dispersion and concentration; Standard deivation; Lorenz Curve; Methods of measuring association among different attributes; Simple and Multiple correlation; Regression.

Nearest-neighbour analysis; Scaling techniques; Rank score; Weighted score; Sampling techniques for Geographical analysis.

GEOGRAPHY
Paper - III

Note:- The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - III (A & B)
[CORE and ELECTIVE/ OPTIONAL]

Unit -I

Geomorphology : Fundamental concepts ; Factors controlling landform development; Endogenetic and Exogenetic; Denudation process; weathering and erosion, Geosynclines, mountain building, continental drift and plate tectonics; Concept of Geomorphic Cycle; Landform associated with fluvial, glacial, arid, coastal and karst cycles, Slope forms and processes; Environmental and Applied Geomorphology.

Unit -II

Climatology : Composition and structure of the atmosphere; Insolation ; Heat budget of the earth; Distribution of temperature, atmospheric pressure and general circulation of winds; Monsoons and jet streams ; Stability and instability of the atmosphere; Air-masses; Fronts, temperate and tropical cyclones ; Types and distribution of precipitation; Classification of world climate ; Koppen's and Thornthwaite's schemes; Hydrological Cycle; Global warming.

Unit -III

Oceanography : Origin of ocean basins; Bottom relief of Indian, Atlantic and Pacific Oceans; Ocean deposits; Coral reefs; Temperature and salinity of the Oceans; Density of sea water; Tides and ocean currents; Sea-level changes.

Bio-Geography :Physical factors influencing world distribution of plants and animals; Forms and functions of ecosystem : Forest, grassland, marine and mountain ecosystem; Bio-diversity and its depletion through natural and man induced causes; Conservation and management of ecosystems; Environmental hazards and problems of pollution; Ozone depletion.

Unit -IV

History of Geographic Thought : General character of Geographic knowledge during the ancient and medieval period; Foundations of Modern Geography : Contribution of German, French, British and American schools; Conceptual and methodological developments during the 20th century; Changing paradigms; Man and Environment, determinism and possibilism, areal differentiation and spatial organization; Quantitative revolution; Impact of positivism, humanism, radicalism and behaviouralism in Geography.

Unit -V

Population Geography : Nature, scope, subject matter and recent trends; Patterns world distribution, growth and density of population; Policy issues; Patterns and process of migration; Demographic transition; Population-resource regions.

Settlement Geography : Site, situation, types, size, spacing and internal morphology of rural and urban settlements; Ecological processes of urban growth; Urban fringe; City-region; Settlement systems; Primate city; Rank-Size rule; Settlement hierarchy; Christaller's Central Place theory; August Losch's theory of market centres.

Unit-VI

Economic Geography : Location of economic activities and spatial organization of economies; Classification of economies; Sectors of Economy: Primary, secondary, tertiary and quaternary; Natural resources : Renewable and non-renewable; Conservation of resources.

Agriculture Geography : Concept and techniques of delimitation of agricultural regions; Measurement of agricultural productivity and efficiency; Crop combinations and diversification; Von Thunen's Model; Agricultural systems of the world.

Industrial Geography : Classification of industries ; Weber's and Losch's approaches; Resource based and footloose industries.

Geography of Transport and Trade : Models of transportation and transport cost; Accessibility and connectivity : Inter-regional and Intra-regional : Comparative cost advantages.

Unit -VII

Political Geography : Definition and scope of Political Geography ; Geopolitics; Geopolitics; Global strategic views (Heartland and Rimland theories); Concept of nation, state and Nation-State; Boundaries and frontiers; Political of world resources; Geography and Federalism dialect, language, caste and religion; Concept of Social well-being.

Social Geography : Nature and scope of social geography; social structure and social geography; Structure and social processes; Elements of Social Geography-ethnicity, tribe, dialect, language cast and religion; concept of Social well-being.

Cultural Geography : Nature and scope of Cultural Geography; Environment and culture; Concept of culture-areas and cultural regions; Theories of tribal groups; Dwelling places as cultural expressions.

Unit -VIII

Regional Planning : Regional concept in Geography; its application to planning;

Concept of planning region, Regional hierarchy; Types of regions and methods of regional delineation; Conceptual and theoretical framework of regional planning; Regional planning in India; Concept of development; Indicators of development; Regional imbalances.

Unit -IX

Geography of India : Physiographic divisions; Climate : Its regional variations ; Vegetation types and vegetation regions; Major soil types : Coastal and Marine resources; Water resources; Irrigation; Agriculture; Agroclimatic regions ; Mineral and power resources; Major industries and industrial regions; Population distribution and growth; Settlement patterns; Regional disparities in social and economic development.

Unit -X

Cartography : Maps as a tool in Geographical studies ; Types of maps; Techniques for the study of spatial patterns of distribution; Single purpose and composite maps; Choropleth, Isopleth and Chorochromatic maps and pie diagrams; Mapping of location specific date; Accessibility and flow maps.

Remote sensing and computer application in mapping; Digital mapping; Geographic Information System (GIS) : Thematic maps.

Statistical Methods : Data Sources and types of date; Statistical diagrams; study of frequency distribution and cumulative frequency; Measures of central tendency; Selection of class intervals for mapping; Measures of dispersion and concentration; Standard Deviation; Lorenz curve; Methods of measuring association among different attributes; Simple and multiple correlation; Regression.

Measurement of spatial patterns of distribution; Nearest-neighbour analysis; Scaling techniques, rank score, weighted score; Sampling techniques for geographical analysis.

***

भूगोल (कोड न.:– 06)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – II

टिप्पणी:–

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

1- भू–आकृति विज्ञान : मौलिक संकल्पनाएँ; अंतर्जात तथा बहिर्जनिक शक्तियों (Forces), अनाच्छादन तथा अपक्षय; भू –अभिनतियाँ; महाद्वीपीय विस्थापन तथा प्लेट विवर्तनिकी; भू–आकृतिक चक्र की संकल्पना; नदीय, हिमनदीय, शुष्क, तटीय एवं कार्स्ट चक्रों से संबद्ध भू–आकृतियाँ।

2- जलवायु विज्ञान : वायुमंडल की रचना तथा संरचना; पृथ्वी का ऊष्मा बजट; तापमान का वितरण; वायुमंडलीय दाब तथा वायु का सामान्य परिसंचरण; मानसून तथा जेट धाराएँ; उष्णकटिबंधीय तथा शीतोष्ण चक्रवात; विश्व जलवायु का वर्गीकरण; कोपेन तथा थार्न्थवेट स्कीमें।

3- समुद्र विज्ञान : महासागरीय निक्षेप; प्रवाल भित्तियाँ; महासागरों का तापमान तथा लवणता; समुद्री जल का घनत्व; ज्वार–भाटा तथा महासागरी धाराएँ।
जीव–भूगोल : पौधे तथा पशुओं का विश्वव्यापी वितरण; पारिस्थितिकी तंत्र की रचनाएँ एवं कार्य; पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण तथा प्रबन्ध; प्रदूषण की समस्याएँ।

4- भौगोलिक विचारधारा का इतिहास : प्राचीन तथा मध्ययुगीन भौगोलिक ज्ञान का सामान्य स्वरूप; आधुनिक भूगोल का आधार; निश्चयवाद तथा संभाव्यतावाद; क्षेत्रीय विभेदन तथा स्थानीय संगठन।

5- जनसंख्या भूगोल : विश्व में जनसंख्या के वितरण; वृद्धि एवं घनत्व के प्रतिरूप (पैटर्न); प्रवास के प्रतिरूप (पैटर्न) तथा प्रक्रम; जनसांख्यिकीय संक्रमण।
अधिवास भूगोल : ग्रामीण तथा नगरीय अधिवासों का स्थल, स्थिति, प्रकार, आकार, अंतराल तथा आंतरिक आकृति–विज्ञान; नगर–प्रभाव क्षेत्र; प्रमुख शहर; श्रेणी आकार प्रणाली; अधिवास पदानुक्रम; क्रिस्टलर का केन्द्रीय–स्थान सिद्धान्त; आगस्ट लॉश का बाजार केन्द्र सिद्धान्त।

6- आर्थिक भूगोल : अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक (सेक्टर) : प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक तथा चतुर्थक; प्राकृतिक संसाधन; नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय।
कृषि उत्पादकता तथा दक्षता का माप; शस्य संयोजन तथा विविधता; वॉन–थ्यूनेन मॉडल।
उद्योगों का वर्गीकरण; वेबर तथा लॉश के उपागम; संसाधन–आधारित तथा स्वच्छंद उद्योग (फुटलूज)।
परिवहन के प्रकार तथा परिवहन लागत; अभिगम्यता तथा संबद्धता।

7- राजनीतिक भूगोल : केन्द्र स्थल तथा उपांत–स्थल सिद्धान्त (हार्टलैंड और रिमलैंड थ्योरीज)। प्रशासनीय क्षेत्र का स्वरूप। जन एवं वित्त नीतियों का भूगोल।
सामाजिक भूगोल : नृजातीयता; जनजाति; बोली; भाषा; जाति तथा धर्म; सामाजिक कल्याण की संकल्पना।

सांस्कृतिक भूगोल : सांस्कृतिक क्षेत्र तथा सांस्कृतिक प्रदेश; मानवजातियाँ; जनजाति समूहों के आवास, अर्थव्यवस्था तथा समाज।

8- प्रादेशिक योजना : भूगोल में प्रादेशिक संकल्पना; योजना प्रदेशों की संकल्पपना; प्रदेशों के प्रकार; प्रादेशिक परिसीमन की विधियाँ; भारत में प्रादेशिक योजना; विकास के संकेतक; प्रादेशिक असंतुलन; नगर नियोजन का उद्भव, स्वरूप एवं विषय क्षेत्र भारत के विशेष प्रसंग; नगर एवं ग्राम नियोजन के मूल तत्व।

9- भारत का भूगोल : भू–आकृतिक प्रभाग; जलवायु : इसकी प्रादेशिक विभिन्नताएँ; वनस्पति के प्रकार तथा वानस्पतिक प्रदेश; प्रमुख मृदा प्रकार; सिंचाई तथा कृषि; जनंसख्या वितरण तथा वृद्धि; अधिवास प्रतिरूप (पैटर्न); खजिन तथा विद्युत् के संसाधन; प्रमुख उद्योग तथा औद्योगिक प्रदेश।

10- मानचित्र कला : मानचित्रों के प्रकार; वितरण के स्थानीय प्रतिरूपों (पैटर्न) की अध्ययन तकनीक; वर्णमात्री (कोरोप्लेथ), सममाप–रेखा तथा छायावर्णी (कोरोक्रोमेटिक) मानचित्र और पाई आरेख; स्थान विशेष के आंकड़ों का मानचित्रण; अभिगम्यता तथा प्रवाह मानचित्र।

मनचित्रण में दूरसंवेदन तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग; अंकीय मानचित्रण; भौगोलिक सूचना तंत्र (जी.आई. एस.)।

सांख्यिकीय विधियाँ : आँकड़ों में स्त्रोत तथा आंकड़ों के प्रकार; आवृत्ति वितरण तथा संचयी आवृत्ति; केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप; मानचित्रण के लिए वर्ग–अन्तरालों का चयन; परिक्षेपण तथा संकेन्द्रण की माप; मानक विचलन; लोरेंज वक्र; भिन्न–भिन्न प्रतीकों के बीच संबंध–मापन की विधियां; साधारण तथा बहु सह–संबंध; समाश्रयण।

निकटतमत पड़ोसी विश्लेषण; मापक्रम तकनीकें; पदक्रम (रैंक स्कोर); महत्व–प्रदान अंक; भौगोलिक विश्लेषण के लिए प्रतिचयन तकनीकें।

प्रश्न पत्र – III

<u>टिप्पणी:</u>

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (बीज समूह) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – III (A और B)
(कोर और ऐच्छिक/वैकल्पिक)

इकाई –I

भू–आकृति विज्ञान : मौलिक संकल्पनाएँ; भू–आकृति विकास को नियंत्रित करने वाले कारक; अन्तर्जनिक तथा बहिर्जनक शक्तियाँ (Forces), अनाच्छादन प्रक्रम; अपक्षय तथा अपरदन; भूअभिनति; पवर्तन रचना; महाद्वीपीय विस्थापन तथा प्लेट विवर्तनिकी; भू–आकृतिक चक्र की संकल्पना; नदीय, हिमनदीय, शुष्क, तटीय एवं कार्स्ट चक्रों से संबद्ध भू–आकृतियाँ; ढाल, आकृतियाँ तथा प्रक्रम; पर्यावरणीय तथा अनुप्रयुक्त भू–आकृति विज्ञान।

इकाई –II

जलवायु विज्ञान : वायुमंडल की रचना तथा संरचना; सूर्यातपन (इन्सोलेशन); पृथ्वी का ऊष्मा बजट; तापमान का वितरण; वायुमंडलीय दाब तथा वायु का सामान्य परिसंचरण; मानसून तथा जेट धारायें; वायुमंडल का स्थायित्व और अस्थायित्व; वायु–संहतियां; शीतोष्ण तथा उष्णकटिबंधीय चक्रवात; वर्षण के प्रकार तथा वितरण; विश्व–जलवायु का वर्गीकरण; कोपेन तथा थार्न्थवेट स्कीमें ; जलीय चक्र; विश्वव्यापी कोष्णन।

इकाई –III

समुद्र विज्ञान : महासागर द्रोणियों का उद्गम; हिन्दमहासागर, अंधमहासागर तथा प्रशांत महासागर के तलाय का उच्चावच्चन; महासागरीय निक्षेप; प्रवाल भित्तियां; महासागरों का तापमान तथा लवणता; समुद्री जल का घनत्व; ज्वार–भाटा तथा महासागरीय धाराएँ; समुद्रतल–जल–स्तर में परिवर्तन।

जीव–भूगोल : पौधे तथा पशुओं के विश्वव्यापी वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक कारक; पारिस्थितिक तंत्र की रचनाएं एवं कार्य; वन, घास–स्थल, समुद्री एवं पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्र; जीव–विविधता तथा प्राकृतिक और मानव–प्रेरित कार्यों से उसका अवक्षय; पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण एवं प्रबन्ध; प्रदूषण के पर्यावरणीय खतरे एवं समस्याएं; ओजोन अवक्षय।

इकाई –IV

भौगोलिक विचारधार का इतिहास : प्राचीन तथा मध्ययुगीन भौगोलिक ज्ञान का सामान्य स्वरूप; आधुनिक भूगोल का आधार; जर्मन, फ्रांसीसी, ब्रिटिश तथा अमरीकी विचारधाराओं का योगदान; 20वीं शताब्दी में संकल्पनात्मक तथा क्रियाविधिक विकास; परिवर्तनशील पैराडाइम; मानव तथा पर्यावरण; निश्चयवाद तथा संभाव्यतावाद; क्षेत्रीय विभेदन तथा स्थानीय संगठन; परिमाणात्मक क्रांति; भूगोल पर प्रत्यक्षवाद (पॉजिटीविज्म), मानववाद, अतिवाद तथा व्यवहारवाद का प्रभाव।

इकाई –V

जनसंख्या भूगोल : स्वरूप, विषय–क्षेत्र, विषय–वस्तु तथा अभिनव प्रवृत्तियाँ; विश्व में जनसंख्या के वितरण, वृद्धि एवं घनत्व के प्रतिरूप (पैटर्न); नीतिगत विषय; प्रवास के प्रतिरूप (पैटर्न) तथा प्रक्रम; जनसांख्यिकीय संक्रमण; जनसंख्या–संसाधन प्रदेश।

अधिवास भूगोल : ग्रामीण तथा नगरीय अधिवासों का स्थल, स्थिति, प्रकार, आकार, अंतराल तथा आंतरिक आकृति–विज्ञान; नगरीय वृद्धि का पारिस्थितिक प्रक्रम; नगरीय उपांत; नगर प्रभावित क्षेत्र; अधिवास तंत्र; प्रमुख–शहर; श्रेणी–आकार प्रणाली; अधिवास पदानुक्रम; क्रिस्टलर का केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त; आगस्ट लॉश का बाजार–केन्द्र सिद्धान्त।

इकाई –VI

आर्थिक भूगोल : आर्थिक गतिविधियों की अवस्थिति का अर्थव्यवस्थाओं का स्थानीय संगठन; व्यवस्थाओं का वर्गीकरण; अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक (सेक्टर); प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक तथा चतुर्थक; प्राकृतिक संसाधन; नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय; संसाधनों का संरक्षण।

कृषि भूगोल : कृषि क्षेत्रों के परिसीमन की संकल्पना तथा तकनीकें; कृषि उत्पादकता तथा दक्षता का माप; शस्य संयोजन तथा विविधता; वॉन थ्यूनेन का मॉडल; विश्व की कृषि प्रणालियाँ।

औद्योगिक भूगोल : उद्योगों का वर्गीकरण; वेबर और लॉश के उपागम; संसाधन–आधारित तथा स्वच्छंद उद्योग (फुटलूज)।

परिवहन तथा व्यापार भूगोल– परिवहन के प्रकार तथा परिवहन लागत; अभिगम्यता तथा संबद्धता; अन्तराप्रादेशीय तथा अंतःप्रादेशीय तथा अंतःप्रादेशिक, तुलनात्मक लागत लाभ।

इकाई –VII

राजनीतिक भूगोल : राजनीतिक भूगोल की परिभाषा तथा विषय–क्षेत्र; भू–राजनीति; विश्व सामरिक विचार (हॉर्टलैंड तथा रिमलैंड थ्योरीज); राष्ट्र, राज्य तथा राष्ट्र–राज्य की संकल्पना; सीमाएं तथा सीमांत; विश्व–संसाधनों की राजनीति; भूगोल तथा संघवाद।

सामाजिक भूगोल : सामाजिक भूगोल का स्वरूप तथा विषय क्षेत्र; सामाजिक संरचना तथा सामाजिक प्रक्रम; सामाजिक भूगोल के तत्व–नृजातीयता, जनजाति, बोली, भाषा, जाति तथा धर्म; सामाजिक कल्याण की संकल्पना।

सांस्कृतिक भूगोल : सांस्कृतिक भूगोल का स्वरूप एवं विषय–क्षेत्र; पर्यावरण तथा संस्कृति; सांस्कृतिक क्षेत्रों और सांस्कृतिक प्रदेशें की संकल्पना जनजाति समूहों के सिद्धान्त; सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में निवास–स्थान।

इकाई –VIII

प्रादेशिक योजना : भूगोल में प्रादेशिक संकल्पना; योजना में उसका अनुप्रयोग; योजना प्रदेश की संकल्पना; प्रादेशिक पदानुक्रम; प्रदेशों के प्रकार तथा प्रादेशिक परिसीमन की विधियाँ; प्रादेशिक योजना

का संकल्पनात्मक तथा सैद्धान्तिक ढांचा, भारत में प्रादेशिक योजना; विकास की संकल्पना; विकास के संकेतक; प्रादेशिक असंतुलन।

इकाई –IX

भारत का भूगोल : भू–आकृतिक प्रभाग; जलवायु; इसकी प्रादेशिक विभिन्नताएं; वनस्पति के प्रकार तथा वानस्पतिक प्रदेश; प्रमुख मृदा प्रकार; तटीय तथा समुद्री संसाधन; जल संसाधन; सिंचाई; कृषि; कृषि जलवायु–प्रदेश; खनिज तथा विद्युत् संसाधन; प्रमुख उद्योग तथा औद्योगिक प्रदेश; जनसंख्या–वितरण तथा वृद्धि; अधिवास प्रतिरूप (पैटर्न); सामाजिक तथा आर्थिक विकास में प्रादेशिक विषमताएं।

इकाई –X

मानचित्रकला : भौगोलिक अध्ययनों में उपकरण के रूप में मानचित्र; मानचित्रों के प्रकार; वितरण के स्थानिक प्रतिरूपों (पैटर्न) की अध्ययन–तकनीकें; एकल उद्देशीय तथा मिश्र मानचित्र; वर्णमात्री (कोरोप्लेथ), सममाप रेखा तथा छायावाणी (कोरोक्रोमेटिक) मानचित्र और पाई आरेख; स्थान विशेष के आंकड़ों का मानचित्रण तथा प्रवाह मानचित्र। अभिगम्यता तथा प्रवाह मानचित्र।

मानचित्रण में दूरसंवेदन तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग; अंकीय मानचित्रण; भौगोलिक सूचना–तंत्र (जी. आई.एस); विषयक (थिमैटिक) मानचित्र।

सांख्यिकीय विधियाँ : आंकड़ों के स्त्रोत तथा आंकड़ों के प्रकार; सांख्यिकीय आरेख; आवृत्ति वितरण तथा संचयी आवृत्ति का अध्ययन; केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप; मानचित्र के लिए वर्ग–अन्तरालों का चयन; परिक्षेपण तथा संकेन्द्रण की माप; मानक विज्ञान विचलन; लोरेंज वक्र; भिन्न–भिन्न प्रतीकों के बीच संबंध–मापन की विधियां; साधारण तथा बहु सह–संबंध; समाश्रयण।

वितरण के स्थानीय प्रतिरूपों का माप; निकटतम पड़ोसी विश्लेषण; मापक्रम तकनीकें; पदक्रम (रैंक स्कोर); महत्व–प्रदान अंक; भौगोलिक विश्लेषण के लिए प्रतिचयनक तकनीकें।

***

हिन्दी (कोड न.:– 07)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (बीज समूह) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – II

टिप्पणी:– प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

1. हिन्दी भाषा और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलियाँ – वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण।

हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी।

हिन्दी भाषा–प्रयोग के विविध रूप – बोली, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी।

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियाँ।

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएँ एवं पत्र–पत्रिकाएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण।

आदिकाल : हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब और कैसे ? रासो–साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य और लौकिक साहित्य।

मध्यकाल : भक्ति–आन्दोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी सन्त काव्य : सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि कबीर, नानक, दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान।

हिन्दी सूफी–काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य – मुल्ला दाऊद (चन्दायन), कुतुबन (मिरगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत), सूफी प्रेमाख्यानाकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

हिन्दी कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण–भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्य – मीरा और रसखान।

हिन्दी राम काव्य : विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्व।

रीति काल : सामाजिक–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्त्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आर्चायत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मरितराम, भूषण, बिहारीलाल, देव घनानन्द और पद्माकर, रीतिकाव्य में लोकजीवन।

आधुनिक काल : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास।

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता।

द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद और उसके बाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी, उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता।

3. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी।

हिन्दी कहानी : बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन।

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियाँ : अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अंधायुग, आधे–अधूरे, आठवा सर्ग, हिन्दी एकांकी।

हिन्दी निबन्ध : हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार – रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई।

हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक : रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही।

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा–साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज।

4. काव्यशास्त्र और आलोचना

भरत मुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार।

रस के अवयव।

साधारणीकरण।

शब्द शक्तियाँ और ध्वनि का स्वरूप।

अलंकार – यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, अतिश्योक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, उदाहरण, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना, असंगति तथा विरोधाभास।

रीति, गुण, दोष।

मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब।

स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ : विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स), विखण्डन (डीकन्स्ट्रक्शन)।

प्रश्न पत्र – III

टिप्पणी:

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (बीज समूह) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – III (A)
(बीज पाठ्यक्रम)

इकाई – I

भक्ति काव्य की पूर्व–पीठिका, सिद्ध–जैन नाथ साहित्य।

भक्ति–काव्य का स्वरूप, भेद, निर्गुण–सगुण का सम्बन्ध, साम्य और वैषम्य।

कबीर : भक्ति–भावना, समाज–दर्शन, विद्रोह–भावना, काव्य–कला।

जायसी : प्रेम–भवना, लोक तत्व, कथानक रूढ़ि, काव्य–दृष्टि।

सूरदास : भक्ति–भावना, वात्सल्य–वर्णन, गीति–तत्व।

तुलसीदास : भक्ति–भावना, सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, लोकमंगल, काव्य–दृष्टि।

इकाई – II

सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, विविध काव्य–धाराएँ।

केशव : आचार्यत्व, काव्य–दृष्टि, संवाद–योजना।

बिहारी : सौन्दर्य–भावना, बहुज्ञता, काव्य–कला।

भूषण : युग–बोध, अन्तर्वस्तु, काव्य–कला।

घनानन्द : स्वच्छंद योजना, प्रेम–व्यंजना, काव्य–दृष्टि।

इकाई – III

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु।

महावीर प्रसाद द्विवेदी : नवजागरण, काव्य भाषा के रूप में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त।

छायावाद : सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, वैचारिक पृष्ठभूमि, स्वाधीनता की चेतना, गाँधी का प्रभाव, अन्तर्धाराएँ, राष्ट्रीय काव्य–धारा।

प्रसाद : जीवन–दर्शन, सांस्कृतिक दृष्टि, सौन्दर्य चेतना।

पंत : प्रकृति–चित्रण, काव्य–यात्रा, काव्य–भाषा।

निराला : सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, प्रगति–चेतना, मुक्त छंद।

महादेवी : वेदना तत्व, प्रगीति, प्रतीक–योजना।

इकाई – IV

वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद।

प्रगतिवाद : सामाजिक दृष्टि, नागार्जुन – यथार्थ चेतना और लोक–दृष्टि, केदारनाथ अग्रवाल – प्रकृति चित्रण और सौन्दर्य बोध।

प्रयोगवाद : व्यष्टि–चेतना, अज्ञेय – प्रयोगधर्मिता और काव्य–भाषा।

नयी कविता : व्यष्टि–समष्टि–बोध, मुक्तिबोध – समाज–बोध, फैंटसी।

समकालीन कविता : काल संसक्ति और लोक संसक्ति, रघुवीर सहाय – राजनीतिक चेतना, काव्य–भाषा, कुंवर नारायण – मिथकीय चेतना, काव्य–दृष्टि।

इकाई – V

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ।

प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास : परीक्षा गुरू, चन्द्रकांता – वस्तु और शिल्प।

प्रेमचन्द युगीन उपन्यास : गोदान – मुख्य पात्र, यथार्थ और आदर्श, वस्तु–शिल्प वैशिष्ट्य।

प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास : शेखर एक जीवनी – वस्तु–शिल्पगत वैशिष्ट्य, मैला आँचल – वस्तु–शिल्प, आंचलिकता।

बाणभट्ट की आत्मकथा – इतिहास और संस्कृति चेतना, भाषा–शिल्प वैशिष्ट्य।

कहानी और प्रमुख कहानीकार – प्रेमचन्द और प्रसाद की कहानी–कला, प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी कहानी और नयी कहानी, संवेदना और शिल्प।

इकाई – VI

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु : भारत–दुर्दशा, अंधेर नगरी, यथार्थ बोध।

प्रसाद के नाटक : चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना, नाट्य–शिल्प।

प्रसादोत्तर नाटक : अंधायुग, आधे–अधूरे – आधुनिकता बोध, प्रयोगधर्मिता और नाट्य–भाषा।

निबन्ध और प्रमुख निबन्धकार : बालकृष्ण भट्ट, रामचन्द्र शुक्ल, चिन्तामणि, अन्तर्वस्तु और शिल्प।

शुक्लोत्तर निबन्ध और निबन्धकार : हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, संस्कृति–बोध, लोक–संस्कृति।

इकाई – VII

काव्य–हेतु और काव्य–प्रयोजन।

प्रमुख सिद्धान्त – रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य–सामान्य परिचय।

रस–निष्पत्ति।

हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास।

आधुनिक हिन्दी आलोचना और प्रमुख आलोचक – रामचन्द्र शुक्ल और रस–दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारणा, नन्ददुलारे वाजपेयी – सौष्ठववादी आलोचना। रामविलास शर्मा – मार्क्सवादी समीक्षा।

इकाई – VIII

प्लेटो और अरस्तु का अनुकरण सिद्धान्त तथा अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त।

लोंजानइस : काव्य में उदात्त तत्व।

क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद।

आई. ए. रिचर्ड्स – संप्रेषण सिद्धान्त।

नयी समीक्षा।

इकाई – IX

कबीर–हजारी प्रसाद द्विवेदी – दोहा–पद सं. 160–209

जायसी ग्रंथावली–सं. रामचन्द्र शुक्ल – नागमती वियोग खण्ड

सूरदास – भ्रमरगीत–सार–सं. रामचन्द्र शुक्ल 21 से 70 तक

तुलसीदास – उत्तरकाण्ड, रामचरितमानस – गीता प्रेस, गोरखपुर

प्रसाद – कामायनी – श्रद्धा, इड़ा सर्ग

निराला – राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता

अज्ञेय – असाध्यवीणा, नदी के द्वीप

मुक्तिबोध – अंधेरे में।

इकाई – X

प्रेमचन्द – गोदान

अज्ञेय – शेखर एक जीवनी, भाग 1

प्रसाद – चन्द्रगुप्त

मोहन राकेश – आधे–अधूरे।

प्रश्न पत्र – III (B)
(ऐच्छिक / वैकल्पिक)

ऐच्छिक – I : भक्तिकाव्य

भक्ति–काव्य : स्वरूप और भेद, निर्गुण और सगुण का सम्बन्ध : साम्य और वैषम्य।

कबीर : निर्गुण का स्वरूप, कबीर के राम और तुलसी के राम में अन्तर, रहस्य साधना, कबीर का समाज दर्शन और उनकी प्रासंगिकता, कबीर : कवि के रूप में।

जायसी : सांस्कृतिक दृष्टि, प्रेम–भावना, पद्मावत में लोक–तत्व, संस्कृति, प्रकृति–चित्रण, सौन्दर्य दृष्टि, रूपक तत्व।

सूरदास : भक्ति–भावना, माधुर्य और शृंगार वर्णन, लोक–तत्व, सौन्दर्य–बोध, प्रकृति–चित्रण, भ्रमरगीत, अंतर्वस्तु और विदग्धता, गीति–तत्व, लीला–भाव, बाल–लीला वर्णन का वैशिष्ट्य।

तुलसीदास : तुलसी की रचनाएँ, भक्ति, दर्शन, मानस की प्रबन्ध कल्पना, मर्यादा भाव, चित्रकूट सभा का महत्व, सामाजिक–पारिवारिक आदर्श, युग–बोध, रामराज्य की परिकल्पना, तुलसी की काव्य–दृष्टि।

ऐच्छिक – II : छायावाद

स्वच्छन्दतावाद और छायावाद, छायावाद में रहस्यानुभूति का स्वरूप, छायावादी कविता में स्वच्छन्द कल्पना, छायावादी कवियों की राष्ट्रीय–सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना, छायावादी काव्य में नारी, छायावादी कवियों का सौन्दर्य–बोध, छायावादी काव्य में प्रगीति तत्व। छायावाद की काव्य–भाषा, छायावाद : शक्ति काव्य, प्रबन्ध कल्पना की नवीनता।

प्रसाद का जीवन दर्शन, समरसता और आनन्दवाद, सौन्दर्य बोध, कामायनी में रूपक तत्व,

कामायनी का प्रबन्ध विन्यास, कामायनी का आधुनिक सन्दर्भ, कामायनी की विश्व–दृष्टि।

निराला की प्रगति, निराला की प्रगति चेतना, निराला के प्रयोग के विविध आयाम, लम्बी कविताएँ,

राम की शक्ति–पूजा, बादल राग, कुकुरमुत्ता, मुक्त–छन्द : अवधारणा और प्रयोग।

पन्त की काव्य–यात्रा के विविध सोपान – पल्लव की भूमिका, प्रकृति–चित्रण, कल्पनाशीलता,

सौन्दर्य चेतना, पन्त की काव्य–भाषा।

महादेवी के काव्य में रहस्यवाद, वेदना भाव, गीति–तत्व, महादेवी की काव्य–भाषा – बिम्ब विधान।

ऐच्छिक – III : कथासाहित्य

मध्य वर्ग का उदय और उपन्यास, उपन्यास और यथार्थ तथा उसके विविध रूप, उपन्यास में इतिहास, कल्पना और आधुनिकता।

प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास, हिन्दी उपन्यास और स्वाधीनता आन्दोलन, स्वाधीन भारत के प्रमुख हिन्दी उपन्यास, हिन्दी उपन्यास में नायक और नायिका की अवधारणा तथा उसके बदलते स्वरूप, हिन्दी उपन्यास में शिल्पगत प्रयोग।

गोदान और भारतीय किसान, गोदान में गाँव और शहर, महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना, गोदान के मुख्य चरित्र, गोदान में यथार्थ और आदर्श, गोदान का शिल्प।

शेखर एक जीवनी में शेखर के चरित्र का वैशिष्ट्य, भाषा और शिल्पगत प्रयोग, वस्तु व्यंजना, उपन्यास और काव्यात्मकता, मनोवैज्ञानिक आयाम।

बाणभट्ट की आत्मकथा, आत्मकथा का तात्पर्य, इतिहास और कल्पना, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता, निपुणिका और नारी–मुक्ति की आकांक्षा, भाषा–सौष्ठव।

मैला आँचल – आंचलिक उपन्यास की अवधारणा, वस्तु विन्यास और शिल्प, लोक–संस्कृति और भाषा, ग्राम जीवन में होने वाले आर्थिक–राजनैतिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता का चित्रण।

हिन्दी कहानी – प्रेमचन्द, प्रसाद, जैनेन्द्र, प्रेमचन्दोत्तर युग की कहानी, नई कहानी, साठोत्तरी कहानी, समकालीन कहानी, शिल्प और संवेदना।

कथा–साहित्य में स्त्री विमर्श, दलित विमर्श।

ऐच्छिक – IV : काव्यशास्त्र और आलोचना

काव्य के लक्षण : शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् (भामह), तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि (मम्मट), वाक्यं रसात्मकं काव्यम् (विश्वनाथ), रमणीयार्थ–प्रतिपादकः शब्दः काव्यम् (पण्डितराज जगन्नाथ), काव्य की आत्मा।

विविध सम्प्रदाय, प्रमुख सिद्धान्त–रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य।

रस का स्वरूप और साधारणीकरण।

सहृदय की अवधारणा।

हिन्दी आलोचना – रामचन्द्र शुक्ल और उनके आलोचनात्मक प्रतिमान।

शुक्लोत्तर समीक्षा और समीक्षक – हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही, समकालीन आलोचना।

प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त तथा अरस्तू का विरेचन सिद्धान्त।

वर्ड्सवर्थ का काव्य–भाषा सिद्धान्त।

कालरिज कल्पना और फैन्टसी।

आई. ए. रिचर्ड्स – मूल्य सिद्धान्त तथा काव्य–भाषा सिद्धान्त।

टी. एस. इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ सह–सम्बन्धी, परम्परा की अवधारणा।

रूसो – रूपवाद, नयी समीक्षा।

संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता विखण्डनवाद।

***

HISTORY [Code No. – 08]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:- The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

1. CONCEPTS, IDEAS AND TERMS

Bhartvarsha	Kara/Vishti
Sabha and Samiti	Stridhana
Varnasrama	Memorial stones
Purusharthas	Agraharas
Rina	Khilafat
Samskaras	Sulah-i-kul
Yajna	Maharashtra-dharma
Doctrine of Karma	Turkan-i-Chahlghani
Dandaniti/Arthasastra	Watan
Saptanga	Baluta
Dharmavijaya	Iqta
Stupa / Chaitya	Jizyah
Nagara / Dravida / Vesara	Madad-i-maash
Bodhisattva / Tirthankara	Amaram
Alvars / Nayanars	Raya-Rekho
Sreni	Jangama
Chauth	Dyarchy
Hundi (Bills of Exchange)	Federalism
Sarraf	Utilitarianism
Polygars	Filtration Theory
Jagir	Forward Policy
Dastur	Doctrine of Lapse
Mansab [Rank]	Satyagraha

Deshmukh	Swadeshi
Nadu	Revivalism
Pargana	Communalism
Bengal Vaishnavism	Orientalism
Alt magha	De-industrialisation
Shahna-i-Mandi	Subsidiary Alliance
Mercantilism	Evangelicalism
Economic Nationalism	Bhudan
Indian Renaissance	Panchsheel
Economic Drain	Mixed Economy
Colonialism	Indian Left
Paramountcy	Hindu Code Bill

2. ANCIENT INDIAN HISTORY

Sources :

Archaelogical Sources

Exploration, excavation, epigraphy, numismatics, monuments

Literary Sources

Indigenous: Primary and Secondary – problems of dating, myths, legends, poetry, scientific literature, literature in regional languages, religious literature.

Foreign accounts: Greek, Chinese and Arab writers.

Pre-history and Proto-history

Man and Environment – grographical factors. Hunting and gathering (Paleolithic and Mesolithic); Beginning of agriculture (Neolithic and Chalcolithic).

Indus Valley Civilization – origin, date, extent, characteristics, decline, survival and significance.

Iron age: Second urbanization.

Vedic Period

Migrations and settlements: dating the Vedic, literary and archaeological evidences, evolution of social and political institutions; religious and philosophical ideas, rituals and practices.

Period of Mahajanapadas

Formation of States (Mahajanapadas); Republics and Monarchies; rise of urban centres; trade routes; economic growth; introduction of coinage; spread of Jainism and Buddhism; rise of Magadha and Nandas.

Iranian and Macedonian Invasions and their impact.

Mauryan Empire

Foundation of the Mauryan Empire, Chandragupta, Kautilya and Arthashastra; Ashoka; Concept of Dharma; Edicts; Brahmi and Kharosthi scripts.

Administration; economy; architecture and sculpture; external contacts.

Disintegration of the empire; Sungas and Kanvas.

Post-Mauryan Period (Indo-Greeks, Sakas, Kushanas, Western Kshatrapas)

Contact with outside world; growth of urban centres, economy, coinage, development of religions, Mahayana, social conditions, art and architecture, literature and science.

Early state and society – in Eastern India, Deccan and South India

Kharavela, The Satavahanas, Tamil States of the Sangam Age, Administration; economy, land grants; coinage, trade guilds and urban centres, Buddhist centres, Sangam literature and culture; art and architecture.

Imperial Guptas and Regional States of India

Guptas and Vakatakas, Harsha, Administration, economic conditions, coinage of the Guptas, land grants, decline of urban centres, Indian feudalism, caste system, position of women, education and educational institutions – Nalanda, Vikramshila and Vallabhi, contact with neighbouring countries – Central Asia, South-East Asia and China, Sanskrit literature, scientific literature, art and architecture.

The Kadambas, Gangas, Pallavas and Chalukyas fo Badami – Administration, trade guilds, Sanskrit literature and growth of regional languages and scripts; growth of Vaishnava and Saiva religions, Tamil Bhakti Movement, Shankaracharya – Vedanta; Institutions of temple and temple architecture.

Varmanas of Kamrup; Palas and Senas, Rashtrakutas, Pratiharas, Kalachuri-Chedis; Paramaras; Chalukyas of Gujarat; Arab contacts- Ghaznavi Conquest, Alberuni.

The Chalukyas of kalyana, Cholas, Cheras, Hoysalas, Pandyas – Adminitrtion and local Government, growth of art and architecture, religious sects, Institution of temple and Mathas, Agraharas, education and literature, economy and society, contact with Sri Lanka and South-East Asia.

3. MEDIEVAL INDIAN HISTORY

Sources :

Archaeological, epigraphic and numismatic materials and mouments.
Chronicles.
Literary sources – Persian, Sanskrit and Regional languages.
Archival matrials.
Foreign travellers' accounts.

Political Developments

The Sultanate – the Ghorids, the Turks, the Khaljis, the Tughlaqs, the Sayyids and the Lodis,

Foundation of the Mughal Empire – Babur, Humayun and the Suris; expansion from Akbar to Aurangzeb.

Decline of the Mughal empire – political, administrative and economic causes.

Later Mughals and disintegration of the Mughal empire.

The Vijayanagara and the Bahmanis – rise, expansion and disintegration.

The Maratha movement, the foundation of Swaraj by Shivaji; its expansion under the Peshwas; Maratha Confederacy – causes of decline.

Administration

Administration under the Sultanate – civil, judicial, revenue, fiscal and military.

Sher Shah's administrative reforms; Mughal; administration – land revenue and other sources of income; Mansabdari and Jagirdari.

Administrative system in the Deccan – the Vijayanagara, the Bahmanis and the Marathas.

Economic Aspects

Agricultural production – village economy; peasantry.

Urban centres and population.

Industries – cotton textiles, handicrafts, agro-based industries, organization, factories, technology.

Trade and commerce – State policies, internal and external trade; European trade, trade centres and ports, transport and communication.

Financing trade, commerce and industries, Hundi (Bills of Exchange) and Insurance.

Currency

Socio-religious Movements

The Sufis – their orders, beliefs and practices, the leading Sufi saints.

Bhakti cult – Shaivism and its branches; Vaishnavism and its branches.

The Saints of the medieval period – north and south – their impact on socio-political and religious life.

The Sikh movement – Guru Nanak Dev and his teachings and practices, Adi Granth; the Khalsa.

Society

Classification – ruling class, major religious groups, the mercantile and professional classes.

Rural society – petty chieftains, village officials, cultivators and non-cultivating classes, artisans.

Position of women.

Cultural Life

System of Educational and its motivations.

Literature - Persian, Sanskrit and Regional languages.

Fine Arts – Major schools of painting; music.

Architectural developments of North and South India; Indo-Islamic architecture.

4. MODERN INDIAN HISTORY

Sources and Historiography

Archival materials, biographies and memories, newspapers.

Oral evidence, creative literature and painting.

Concerns in Modern Indian Historiography – imperialist, Nationalist, Marxist and Subaltern.

Rise of British Power

European traders in India in the 17th and 18th centuries – Portuguese, Dutch, French and the British.

The establishment and expansion of British dominion in India.

British relations with and subjugation of the principal Indian Powers – Bengal, Oudh, Hyderabad, Mysore, Marathas and the Sikhs.

Administration of the Company and Crown

Evolution of central and provincial structure under the East India Company, 1773-1853.

Paramountcy, Civil Service, Judiciary, Police and the Army under the Company and Crown.

Local Self-Government.

Constitutional changes, 1909-1935.

Economic History

Changing composition, volume and direction of trade; 'The Tribute'.

Expansions and commercialization of agriculture, land rights, land settlements, rural indebtedness, landless labour.
Decline of industries – changing socio-economic conditions of artisans; De-urbanistion.
British Industrial Policy; major modern industries; nature of factory legislation; labour and trade union movements.
Monetary policy, banking, currency and exchange, Railways and Road Transport.
Growth of new urban centes; new features of town planning and architecture.
Famines and epidemics and the government policy.
Economic Thought – English uilitarians; Indian economic historians; the Drain theory.

Indian Society in Transition

Contact with Christianity – the Missions; critique of Indian social and economic practices and religious beliefs; educational and other activities. The New Education – Government policy; levels and contents; English language; modern science; Indian initiatives in education.
Raja Ram Mohan Roy; Socio-religious reforms; emergence of middle class; caste associations and caste mobility.
Women's Question – Nationalist Discourse; Women's Organisations; British legislation concerning women; Constitutional position.
The Printing Press – journalistic activity and the public opinion.
Modernisation of Indian languages and literary forms – reorientation in painting, music and performing arts.

National Movement

Rise of Indian nationalism, social and economic bases of nationalism.
Rovolt of 1857 and different social classes.
Tribal and peasant movements.
Ideologies and programmes or the Indian National Congress, 1885-1920 Trends in swadeshi movement
Ideologies and programmes of Indian revolutionaries in India and abroad.
Gandhian Mass Movements.
Ideology and programme of the Justice Party.
Left Wing Politics.
Movement of the Depressed classes.
Communal politics and genesis of Pakistan.
Towards Independence and Partition.

India after Independence (1947-1964)

Rehabilitation after Partition.
Integration of the Indian States; The Kashmir Question.
The making of the Indian Constitution.
The structure of Bureaucracy and the Policy.
The demographic trends.
Economic policies and the planning process.
Linguistic reorganization of States.
Foreing policy initiatives.

World History : Concepts, Ideas and Terms

Pre-history	Humanism
Burial-Practices	Enlightened Despotism

Mother-Goddess
Law codes
Athenian Democracy
Imperial Rome
Slavery
Aristocracy
Confucianism
Manorial system
Black death
Feudalism
Non-alignment
Parliamentary democracy
Nazism
Commonwealth
Imperalism
Socialism
Balance of Power
Apartheid
Rights of Man
Cold War
Post-modernism
Divine Right
Supremacy of Church
Holy Roman Empire
Social Contract and General Will
Nation States
Renaissance
Reformation
Darwinism
Great Depression (1929)
Feminism

Research in History

Scope and value of History
Objectivity and Bias in History
History and its auxiliary sciences
Area of research – proposed
Sources – Primary/secondary in the proposed area of research
Modern Historical Writing in the reseacher's area of research

Paper - III

Note:- The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - III (A)
(CORE GROUP)

Unit - I

From the Indus Valley Civilization to the Mahajanapadas

Age, extent and characteristics of the Indus Valley Civilazation.
Vedic culture – Early and Late – Geography : Social and Political institutions, Economic conditions, Religious and Philosophical ideas.
Mahajanapadas, Republics, Economic growth – Emergence of Jainism and Buddhism – Rise of Magadha – Macedonian invasion and its effects.

Unit - II

History of India from the 4th Century BC to 3rd Century AD

Foundation of the Mauryan Empire – Chandragupta, Ashoka and his Dhamma, Mauryan administration, Economy, Art and Architecture, Disintegration of the Mauryan empire.
Sangam Age
Sungas, Satvahanas and Kushanas : Administration, religion, society, economy, trade and commerce, culture – Art and architecture, Literature.

Unit - III

India from the 4th century AD toh 12th century AD

Gupta – Vakataka Age – Harsha- Pallavas – Early Chalukyas – Rashtrakutas-Cholas-Pratiharas-Palas – A brief survey of the history of the Paramaras, Kalachuris, Gahadavalas and Chauhans – Administration.
Feudalism, Society, Position of Women, Educational Centres, Economy, Religious trends, styles of temple architecture, art, Literature, An outline of scientific and technological developments.
India's contacts with the outside world.

Unit - IV

India from 1206 to 1526

Expansion and Consolidation – The Ghorids,The Turks, The Khaljis, The Tughlaqs, The Sayyids and The Lodis.
Vijayanagar and Bahamani Kingdoms.
State and Religion – Concept of sovereignty, Religious movements and Sufism.
Economic Aspect – Urban Centres, Industries, Trade and Commerce, Land Revenue and Prices.
Mongol problem and its impact.
Administrative structure.
Art, Architecture and Literature.
Sources – Archaeological, Persian and non-Persian literature, Foreign travellers' account.

Unit - V

India from 1526 onward

Sources of Mughal period.
Mughal Expansion and Consolidation – Babur's establishment of Mughal rule in India; Humayun and Surs; Akbar, Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb.
Mughal relations with the nobility and the Rajputs.
Jahangir – the period of stability and expansions 1611-1621; the period of crises 1622-1627 – The Nurjahan Junta.
Decline of Mughal Empire: Political, administrative and economic causes.
The Maratha Movement, the foundation of Swarajya by Shivaji – its expansion and administration, Maratha Confederacy and causes of decline.
Administration : Sher Shah's administrative reforms, Mughal administration, land revenue and other sources of income, Mansabdari and Jagirdari.

Unit - VI

Socio-economic and cultural life under the Mughals

Village society and economy
Art, architecture and literature
Trade and Commerce
Religious policy from Akbar to Aurangzeb

Urban centres and Industries
Currency
Position of women

Unit - VII

Foundation of the British Rule

Rise of European powers – Expansion and Consolidation of the British rule.
British relations with major Indian powers – Bengal, Oudh, Hyderabad, Mysore, Marathas and Sikhs.
Administration under the East India Company and Crown, Paramountcy, Civil Service, Judiciary, Policy and Army.
Local Self-Government, Constitutional Development from 1909 to 1935.

Unit - VIII

Economic and Social Policies

Agrarian policy of the British, Land Revenue, Agriculture and Land Rights, Famine policy, Rural indebtedness.
Policy towards trade and industries, Condition of Labour, Trade Union Movements, Factory Legislation, Banking, Transport, Drain Theory.
Indian Society in transition, Christian missions, Socio-religious reforms movements, Status of women.
New educational policy, English language, Modern sciences, Jounalism, Indian languages and literature.

Unit - IX

National Movement and Post-Independent India

Rise of nationalism, Revolt of 1857, Tribal and Peasant Movements, Ideologies and Programmes of Indian National Congress, Swadeshi Movement, Indian Revolutionary Movement in Indian and abroad.
Gandhian Mass Movements, Ideologies and Programmes of the Justice Party; Left wing politics, Movement of the depressed classes, Genesis of Pakistan, India towards Independence and Partition.
Indian after Independence, Rehabilitation after partition, Integration of Indian States, the Kashmir Question.
Making of the Indian Constitution, Structure of Bureaucracy and the police, Economic policies and the planning process, Linguistic reorganization of the States, foreign policy initiatives.

Unit – X (A)

World History – Concepts, Ideas and Terms

Renaissance, Reinformation
Enlightenment, Rights of Man
Apartheid
Imperialism
Socialism
Nazism
Parliamentary Democracy
Commonwealth
Efforts at World Peace, Cold War
Post-modernism

Unit - X (B)

Research in History

Scope and Importance of History
Objectivity and Bias in History
Causation in History
History and its auxiliary sciences
Significance of Regional History
Recent trends of Indian History
Research Methodology
Area of Proposed Research
Sources – Primary/Secondary in the Proposed area of Research.
Recent Historical writings in the Proposed area of Research.

PAPER - III (B)
(ELECTIVE/ OPTIONAL)

Elective - I: Ancient Indian History

Stone-Age Cultures of India

Origin, date, extent and characteristics of the Indus Valley Civilization.

Evolution of social and political institutions of the Vedic period

Economic and religious developments in 6th century BC

Sources of Mauryan history – Megasthenes, Kautilya, Ashokan edicts and Simhalese chronicles

Economy and trade during 2nd century BC – 3rd century AD – Schools of art – Development of Stupa and Chitya architecture

Assessment of the Gupta Age

Ancient Indian Republics – History of Local Self-Government in India

Indian feudalism

Indian contacts with the outside world in the ancient period

Contribution of Sanskara and Ramanuja to religion and philosophy

Elective -II : Medieval Indian History

Sources on Medieval Indian History

North-West frontier and Deccan Policy of the Mughals

Society and Economy during Medieval period

Religion, Art, Architecture and Literature during Medieval period

Urban Economy, Trade and Commerce during Medieval period

Legacy of the Mughals

18th Century Debate

Significance of Regional History

Elective -III: Modern Indian History

The Establishment and Expansion of the British Dominion in India

Constitutional Development from 1858 to 1935

The British Agrarian Policies

The Relief Measures adopted by the British

Education and Social Reforms Under the British

Socio-Religious Refom Movements in the 19th Century

Rise of Nationalism and the Indian National Congress

The Gandhian Era

Towards Independence and Partition

The Making of the Indian Constitution and its working

***

इतिहास (कोड न.:– 08)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – II

टिप्पणी:– प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

1. संकल्पनाएँ, विचार तथा अवधियाँ

भारतवर्ष	बलूता
सभा–समिति	इकता
वर्णाश्रम	जजिया
पुरुषार्थ	मदद–इ–माश
रीना	अमरम
संस्कार	राय–रेखो
यज्ञ	जनगम
कर्म का सिद्धान्त	चौथ
दण्डनीति/अर्थशास्त्र	हुण्डी (विनिमय पत्र)
सप्तांग	सर्राफ
धर्मविजय	पोलेगर
स्तूप/चैत्य	जागीर
नागर/द्राविड़/वेसरा	दस्तूर
बोधिसत्व/तीर्थंकर	मंसब (ओहदा)
आलवार/नायनार	देशमुख
श्रेणी	नाडु
कार/विष्टि	परगना
स्त्रीधन	बंगाल वैष्णव धर्म
स्मारक प्रस्तर	अल्त मघां
अग्रहार	शाहना–इ–मण्डी
खिलाफत	वणिकत्ववाद
सुलह–इ–कुल	आर्थिक राष्ट्रीयता
महाराष्ट्र–धर्म	भारतीय पुनर्जागरण
तुर्का–इ–चहलबनी	आर्थिक निष्कासन
वतन	उपनिवेशवाद
परमोच्च शक्ति	सम्प्रदायवाद
द्वैधशासन (द्विशासन)	प्राच्यवाद
संघवाद	अ–औद्योगीकरण
उपयोगितावाद	सहायक–सन्धि (मैत्री)
फिल्टर सिद्धान्त	शुभसंदेशवाद
अग्रवर्ती नीति	भूदान

राज्यलोप नीति	पंचशील
सत्याग्रह	मिश्रित अर्थव्यवस्था
स्वदेशी	भारतीय वामपक्ष
पुनःप्रवर्तनवाद	हिन्दु कोड बिल

2. प्राचीन भारतीय इतिहास

स्त्रोत :

पुरातत्वीय स्त्रोत

खोज उत्खनन, पुरालेखविधा, मुद्राशास्त्र, स्मारक

साहित्यिक स्त्रोत

स्वदेशी : प्राथमिक तथा गौण : काल–निर्धारण की समस्याएँ, मिथक, आख्यान, काव्य, वैज्ञानिक साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य, धार्मिक साहित्य।

विदेशी विवरण : यूनानी, चीन तथा अरब लेखक।

प्रागैतिहासिक तथा आद्य इतिहास

मानव तथा पर्यावरण : भौगोलिक कारक, आखेट तथा संग्रह (पुरापाषाण तथा मध्यपाषाण); कृषि का प्रारम्भ (नव–पाषाण तथा ताम्र–पाषाण)

सिन्धु घाटी की सभ्यता : उद्‌गम, तारीख, विस्तार, लक्षण, पतन, उत्तरजीविता (अवशेष) तथा महत्व।

लौह युग; द्वितीय शहरीकरण।

वैदिक काल

प्रवास तथा बस्तियाँ; वैदिक काल–निर्धारण, साहित्यिक तथा पुरातत्वीय साक्ष्य; सामाजिक तथा राजनीतिक संस्थाओं का विकास; धार्मिक तथा दार्शनिक विचार, अनुष्ठान तथा पद्धतियाँ।

महाजनपद काल

राज्यों (महाजनपद) का निर्माण; गणराज्य तथा राजतंत्र; शहरी केन्द्रों का उदय; व्यापार–मार्ग; आर्थिक संवृद्धि; सिक्कों का प्रचलन; जैन धर्म और बौद्ध धर्म का विस्तार (फैलना); मगध तथा नन्दों का उदय।

ईरान तथा मेसेडोनीया के आक्रमण और उनका प्रभाव।

मौर्य साम्राज्य

मौर्य साम्राज्य की स्थापना, चन्द्रगुप्त, कौटिल्य तथा अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना, राजादेश;

ब्राह्मी तथा खरोष्ठी लिपियाँ।

प्रशासन; अर्थव्यवस्था; वास्तुकला तथा मूर्तिकला; बाहरी सम्पर्क।

साम्राज्य का विघटन; शुंग तथा कण्व।

मौर्योत्तर काल (भारत–ग्रीक, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप)

बाहरी दुनिया से सम्पर्क; शहरी केन्द्रों का विकास; अर्थव्यवस्था, सिक्का, धर्मों का विकास, महायान,

सामाजिक दशाएँ, कला तथा वास्तुकला, साहित्य तथा विज्ञान।

राज्य तथा समाज की प्रारम्भिक स्थिति – पूर्वी भारत, दक्कन तथा दक्षिण भारत में

खारवेल, सातवाहन, संगम युग के तमिल राज्य, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, भू–प्रदान, सिक्के, व्यापार संघ तथा शहरी केन्द्र, बौद्ध केन्द्र, संगम साहित्य तथा संस्कृति; कला तथा वास्तुकला।

गुप्त सम्राट तथा भारत के क्षेत्रीय राज्य

गुप्त और वाकटक, हर्ष, प्रशासन, आर्थिक स्थिति, गुप्त सम्राटों के सिक्के; भू–प्रदान, शहरी–केन्द्रों का पतन, भारतीय सामन्तवाद, जातिप्रथा; महिलाओं की स्थिति, शिक्षा तथा शैक्षिक संस्थाएँ – नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी, पड़ोसी देशों से सम्पर्क – मध्य एशिया, दक्षिण–पूर्व एशिया तथा चीन, संस्कृत साहित्य, वैज्ञानिक साहित्य, कला तथा वास्तुकला।

कदम्ब, गंग, पल्लव और बदामी के चालुक्य – प्रशासन, व्यापार संघ, संस्कृत साहित्य तथा क्षेत्रीय भाषाओं और लिपियों का विकास; वैष्णव और शैव धर्मों का विकास, तमिल भक्ति आन्दोलन; शंकराचार्य – वेदान्त; मन्दिर तथा मन्दिर वास्तुकला की संस्थाएँ।

कामरूप के वर्मन; पाल और सेन, राष्ट्रकूट, प्रतिहार, कलचुरी के चेदि; परमार; गुजरात के चालुक्य; अरब के साथसम्बन्ध : गजनबी विजय, अल्बरूनी।

कल्याण के चालुक्य, चोल, चेर, होसल, पांड्य : प्रशासन तथा स्थानीय सरकार, कला तथा वास्तुकला

का विकास, धार्मिक पंथ (सम्प्रदाय), मन्दिर और मठ संस्था, अग्रहार, शिक्षा तथा साहित्य, अर्थव्यवस्था तथा समाज, श्रीलंका और दक्षिण–पूर्व एशिया से सम्पर्क।

3. मध्यकालीन भारतीय इतिहास

स्त्रोत

पुरातत्व, पुरालेख और सिक्काशास्त्र सम्बन्धित सामग्री और स्मारक।

इतिवृत्त।
साहित्यिक स्त्रोत – फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएँ।
पुरालेख सामग्री।
विदेशी यात्री–वृत्तांत।

राजनीतिक विकास

सल्तनत – गोरी, तुर्क, खिल्जी, तुगलक, सैयद और लोदी।
मुगल साम्राज्य की नींव – बाबर, हुमायूँ और सूरी; अकबर से औरंगजेब तक राज्य विस्तार।
मुगल साम्राज्य का पतन – राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक कारण।
बाद के मुगल और मुगल साम्राज्य का विघटन।
विजयनगर और बहमनी राज्य – उत्थान, विस्तार और विघटन।
मराठा आन्दोलन, शिवाजी द्वारा स्वराज की नींव; पेशवाओं के अधीन इसका विस्तार; मराठा राज्यमंडल – पतन के कारण।

प्रशासन

सल्तनत के अधीन प्रशासन : असैनिक, न्यायिक, राजस्व, राजकोषीय और सैनिक।
शेरशाह के प्रशासनिक सुधार; मुगल प्रशासन : भू–राजस्व और आय के अन्य स्त्रोत; मनसबदारी और जागीरदारी।
दक्कन में प्रशासन पद्धति – विजयनगर, बहमनी राज्य और मराठा।

आर्थिक पक्ष

कृषि उत्पादन – ग्रामीण अर्थव्यवस्था; कृषक वर्ग
शहरी केन्द्र और जनसंख्या।
उद्योग – सूती वस्त्र उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि–आधारित उद्योग; संगठन, कारखाना, प्रौद्योगिकी।
व्यापार और वाणिज्य – राज्य की नीतियाँ, आन्तरिक और बाह्य व्यापार; यूरोपीय व्यापार, व्यापार केन्द्र और पत्तन, परिवहन और संचार।
वित्तीयन व्यापार, वाणिज्य और उद्योग; हुण्डी (विनिमय पत्र) और बीमा।
मुद्रा।

सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन

सूफी – उनके धार्मिक संघ, विश्वास और पद्यतियाँ, प्रख्यात सूफी संत।

भक्ति सम्प्रदाय – शैववाद और उसकी शाखाएँ; वैष्णववाद और उसकी शाखाएँ।
मध्यकालीन संत – उत्तर और दक्षिण – उनका सामाजिक–राजनीतिक और धार्मिक जीवन पर प्रभाव।
सिख आन्दोलन – गुरू नानक देव और उनके उपदेश और साधना; आदि ग्रंथ; खालसा।

समाज

वर्गीकरण – शासक वर्ग, प्रमुख धार्मिक वर्ग, व्यापारी और व्यावसायिक वर्ग।
ग्रामीण समाज – छोटे सामन्त, ग्राम कर्मचारी, कृषक और गैर–कृषक वर्ग, शिल्पकार।
महिलाओं की स्थिति।

सांस्कृतिक जीवन

शैक्षिक पद्धति और उसकी अभिप्रेरणा।
साहित्य – फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएँ।
ललित कलाएँ – चित्रकारी के प्रमुख स्कूल; संगीत।
उत्तर और दक्षिण भारत का वास्तुपरक विकास; भारतीय इस्लामिक वास्तुकला।

4. आधुनिक भारतीय इतिहास

स्त्रोत तथा इतिहासशास्त्र

पुरालेखी सामग्री, जीवनी तथा संस्मरण, समाचार–पत्र।
मौखिक साक्ष्य, सृजनात्कम साहित्य तथा चित्रकला।
आधुनिक भारतीय इतिहासशास्त्र की समस्याएँ – साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी तथा मध्यवर्ती।

ब्रिटिश शक्ति का उदय

17 वीं और 18 वीं शताब्दियों में भारत में यूरोपीय व्यापारी – पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी तथा ब्रिटिश।
भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना तथा विस्तार।
भारत की प्रमुख शक्तियों के साथ ब्रिटिश सम्बन्ध और उनका आधुनिकीकरण – बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा तथा सिख।

कम्पनी तथा राजा (क्राउन) का प्रशासन

ईस्ट इंडिया कम्पनी के अधीन मध्य तथा प्रान्तीय ढाँचे का विकास, 1773–1853

कम्पनी तथा क्राउन के अधीन परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्यायिक, पुलिस सेवा तथा सेना।

स्थानीय स्वशासन
संवैधानिक परिवर्तन, 1909–1935

आर्थिक इतिहास

व्यापार का बदलता हुआ संघटन, व्यापार का आयाम तथा दिशा, 'दि ट्रिब्यूट'।

कृषि का विस्तार तथा वाणिज्यीकरण, भूमि सम्बन्धी अधिकार, भूमि बंदोबस्त, ग्रामीण ऋण ग्रस्तता, भूमिहीन मजदूर।

उद्योगों का पतन : कारीगरों की बदलती हुई सामाजिक–आर्थिक दशाएँ; अशहरीकरण।
औद्योगिक नीतिः प्रमुख आधुनिक उद्योग; फैक्टरी कानून का स्वरूप; श्रमिक तथा मजदूर संघ के आन्दोलन।
मौद्रिक नीति; बैंकिंग; मुद्रा तथा विनिमय; रेलवे तथा सड़क परिवहन।
नए शहरी केन्द्रों का विकास; शहर आयोजन तथा वास्तुकला की नई विशेषताएँ।
दुर्भिक्ष तथा महामारी और सरकार की नीति।
आर्थिक विचार : इंग्लिश उपोगितावादी; भारतीय आर्थिक इतिहासकार; निकास सिद्धान्त।

संक्रमणाधीन भारतीय समाज

ईसाई धर्म से सम्पर्क : मिशन; भारतीय सामाजिक तथा आर्थिक पद्धतियों एवं धार्मिक विश्वासों की समीक्षा; शैक्षणिक तथा अन्य गतिविधियाँ।

नई शिक्षा – सरकारी नीति; स्तर तथा विषय; अंग्रेजी भाषा; आधुनिक विज्ञान; शिक्षा में भारतीय पहल।
राजा राममोहन राय; सामाजिक–धार्मिक सुधार; मध्यवर्ग का उदय; जाति संघ तथा जाति गतिशीलता।
महिलाओं का प्रश्न – राष्ट्रवादी कथन : महिला संगठन; महिलाओं से सम्बन्धित ब्रिटिश कानून; संवैधानिक स्थिति।
मुद्रणालय (प्रिंटिंग प्रेस) – पत्रकारिता सम्बन्धी गतिविधि तथा जनमत।
भारतीय भाषाओं तथा साहित्यिक रूपों का आधुनिकीकरण – चित्रकला का पुनर्विन्यास, संगीत तथा प्रदर्शन कलाएँ।

राष्ट्रीय आन्दोलन

भारतीय राष्ट्रीयता का उदय; राष्ट्रीयता के सामाजिक तथा आर्थिक आधार।

1857 का विद्रोह तथा भिन्न–भिन्न सामाजिक वर्ग।

जनजातीय तथा किसान आन्दोलन।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा तथा कार्यक्रम, 1885–1920

स्वदेशी आन्दोलन की प्रवृत्तियाँ।
भारत तथा विदेश में भारतीय क्रान्तिकारियों की विचारधारा एवं कार्यक्रम।
गाँधी जन–आन्दोलन।
जस्टिस पार्टी (न्यायदल) की विचारधारा तथा कार्यक्रम।
वामपंथी राजनीति।
दलित वर्ग का आन्दोलन।
साम्प्रदायिक राजनीति तथा पाकिस्तान का उद्भव।
स्वाधीनता तथा विभाजन की ओर।

स्वातंत्र्योत्तर भारत (1947–1964)

विभाजन के बाद पुनर्वास
भारतीय राज्यों का एकीकरण : कश्मीर का प्रश्न।
भारतीय संविधान का निर्माण।
नौकरशाही तथा पुलिस का ढाँचा।
जनांकिकीय प्रवृत्तियाँ।
आर्थिक नीतियाँ तथा योजना प्रक्रिया।
राज्यों का भाषावैज्ञानिक पुनर्गठन।
विदेश नीति सम्बन्धी पहल कार्य।

संसार के इतिहास : संकल्पनाएँ, विचार तथा अवधियाँ

इतिहास पूर्व	राष्ट्रराज्य
दफनाने की प्रथाएँ	पुनर्जागरण
मदर–गोडेस	धर्म–सुधार
विधि संहिताएँ (लॉ कोड)	डार्विनवाद
एथेन्सी लोकतंत्र	विश्वव्यापी मंदी (1929)
रोम साम्राज्य	नारी अधिकारवाद
दासता	तटस्थता
अभिजात–तंत्र	संसदीय लोकतंत्र
कन्फ्यूशियनवाद	नाजीवाद
जमींदारी प्रथा	राष्ट्रमंडल
ब्लैक डैथ	साम्राज्यवाद
सामंतवाद	समाजवाद
मानवतावाद	शक्ति संतुलन

प्रबुद्ध स्वेच्छाचारिता रंगभेद
दैवी अधिकार मानव के अधिकार
चर्च की सर्वोच्चता शीत युद्ध
पवित्र रोमन साम्राज्य पश्च–आधुनिकतावाद
सामाजिक अनुबंध तथा सामान्य इच्छा

इतिहास में अनुसंधान

इतिहास के क्षेत्र तथा मूल्य
इतिहास में वस्तुनिष्ठता तथा अभिनति
इतिहास और इसके सहायक विज्ञान
अनुसंधान का क्षेत्र – प्रस्तावित।
अनुसंधान के प्रस्तावित क्षेत्र में स्त्रोत – प्राथमिक/द्वितीयक
अनुसंधान के अनुसंधानकारी क्षेत्र में आधुनिक इतिहास लेखन।

प्रश्न पत्र – III

टिप्पणीः– प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (बीज समूह) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – III (A)
(कोर विभाग)

इकाई – I

सैन्धव सभ्यता से महाजनपद काल तक

सैन्धव सभ्यता का काल, विस्तार एवं लक्षण

वैदिक संस्कृति – पूर्व एवं उत्तर – भूगोल : सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाएँ, आर्थिक स्थिति, धार्मिक एवं दार्शनिक विचार
महाजनपद, गणराज्य, आर्थिक अभिवृद्धि – जैन एवं बौद्ध धर्म का उदय – मगध का अभ्युदय – मेसेडोनिया के आक्रमण और उसका प्रभाव।

इकाई – II

चौथी शताब्दी ई.पू. से तृतीय शताब्दी ईसवीं तक भारत का इतिहास

मौर्य साम्राज्य की स्थापना : चन्द्रगुप्त, अशोक एवं उसका धम्म, मौर्य प्रशासन, अर्थव्यवस्था, कला एवं स्थापत्य, मौर्य साम्राज्य का विघटन
संगम युग
शुंग, सातवाहन एवं कुषाण : प्रशासन, धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं वाणिज्य, संस्कृति – कला एवं स्थापत्य, साहित्य।

इकाई – III

चौथी से बारहवीं शताब्दी तक भारत

गुप्त – वाकाटक युग, हर्ष–पल्लव, प्रारम्भिक चालुक्य, राष्ट्रकूट, चोल, प्रतिहार, पाल; परमार, कलचुरि, गहडवाल एवं चौहानों का संक्षिप्त इतिहास, प्रशासन
सामन्तवाद, समाज, स्त्रियों की स्थिति, शिक्षा केन्द्र, अर्थव्यवस्था
धार्मिक प्रवृत्तियाँ, मन्दिर–स्थापत्य की शैलियाँ, कला, साहित्य, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक विकास का संक्षिप्त विवरण

बाह्य जगत् से भारतीय सम्पर्क।

इकाई – IV

भारत 1206 से 1526 तक

विस्तार और संगठन – गोरी, तुर्क, खिल्जी, तुगलक, सैय्यद और लोदी
विजयनगर और बहमनी साम्राज्यवाद
राज्य और धर्म – प्रभुसत्ता की अवधारणा, धार्मिक आन्दोलन और सूफीमत
आर्थिक पक्ष – शहरी केन्द्र, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, भू–राजस्व और कीमतें
मंगोल समस्या और उसका प्रभाव
प्रशासकीय संरचना
कला, स्थापत्य कला और साहित्य
स्त्रोत – पुरातात्विक, फारसी और गैर–फारसी साहित्य, विदेशी यात्री–वृत्तान्त।

इकाई – V

भारत 1526 के बाद

मुगलकाल के स्त्रोत
मुगल विस्तार और संगठन : बाबर द्वारा भारत में मुगल राज्य की स्थापना; हुमायूँ और सूर; अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब।
मुगलों के अमीर तथा राजपूतों से सम्बन्ध
जहाँगीर – स्थिरता तथा विस्तार का काल 1611–1621; संकट का काल 1622–1627 – नूरजहाँ जुंट
मुगल साम्राज्य का पतन : राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक कारण
मराठा आन्दोलन, शिवाजी द्वारा स्वराज्य की स्थापना – उसका विस्तार और प्रशासन, मराठा संघ और उसके पतन का कारण
प्रशासन : शेरशाह के प्रशासनिक सुधार, मुगल प्रशासन, भू–राजस्व और आय के अन्य स्त्रोत, मनसबदारी और जागीरदारी।

इकाई – VI

मुगलों के अन्तर्गत सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन

ग्रामीण समाज और अर्थव्यवस्था
कला, स्थापत्य कला और साहित्य
व्यापार और वाणिज्य
अकबर से औरंगजेब तक धार्मिक नीति
शहरी केन्द्र और उद्योग
मुद्रा
महिलाओं की स्थिति।

इकाई – VII

ब्रिटिश राज की स्थापना

यूरोपीय शक्तियों का उदय – ब्रिटिश सत्ता का विस्तार एवं संगठन

प्रमुख भारतीय शक्तियों– बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा और सिख के साथ ब्रिटिश सम्बन्ध

ईस्ट इंडिया कम्पनी एवं क्राउन के अधीन प्रशासन, परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्यायिक, पुलिस सेवा तथा सेना
स्थानीय स्वशासन, संवैधानिक विकास 1909 से 1935

इकाई – VIII

आर्थिक एवं सामाजिक नीतियाँ

कृषि सम्बन्धी ब्रिटिश नीति, भू–राजस्व, कृषि एवं भूमि सम्बन्धी अधिकार, अकाल नीति, ग्रामीण ऋणग्रस्तता
व्यापार एवं उद्योग नीति, मजदूरों की दशा, मजदूर संघ के आन्दोलन, फैक्टरी कानून, बैंकिंग, परिवहन, निकास सिद्धान्त
संक्रमणाधीन भारतीय समाज, ईसाई मिशन, सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन, स्त्रियों की स्थिति, नवीन शिक्षण नीति, अंग्रेजी भाषा, आधुनिक विज्ञान, पत्रकारिता, भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य।

इकाई – IX

राष्ट्रीय आंदोलन एवं स्वातंत्र्योत्तर भारत

राष्ट्रवाद का उदय, 1857 का विद्रोह, जनजातीय एवं कृषक आन्दोलन, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की
विचारधारा एवं कार्यक्रम, स्वदेशी आन्दोलन, भारतीय क्रान्तिकारी आन्दोलन भारत एवं विदेश में
गाँधीवादी जन आन्दोलन, जस्टिस पार्टी की विचारधारा एवं कार्यक्रम, वामपंथी राजनीति, दलित वर्ग का आन्दोलन, पाकिस्तान का उद्भव, भारत स्वतंत्रता एवं विभाजन की ओर
स्वातंत्र्योत्तर भारत, विभाजन के बाद पुनर्वास, भारतीय रियासतों की विलय, कश्मीर प्रश्न
भारतीय संविधान का निर्माण, नौकरशाही एवं पुलिस का ढाँचा, आर्थिक नीतियाँ एवं योजना प्रक्रिया, राज्यों का भाषायी पुनर्गठन, विदेश नीति सम्बन्धी पहल कार्य

इकाई – X (A)

विश्व इतिहास – संकल्पनाएं, विचार तथा अवधियाँ

पुनर्जागरण, धर्मसुधार
प्रबुद्धतावाद, मानव के अधिकार
नस्लवाद
साम्राज्यवाद
समाजवाद
नाजीवाद
संसदीय लोकतंत्र
राष्ट्रमंडल
विश्वशान्ति के प्रयास, शीत युद्ध
उत्तर–आधुनिकवाद।

इकाई – X (B)

इतिहास में अनुसंधान

इतिहास का क्षेत्र एवं महत्व
इतिहास में वस्तुनिष्ठता एवं पक्षपात
इतिहास में कारण
इतिहास और उसके सहायक विज्ञान
क्षेत्रीय इतिहास का महत्व
भारतीय इतिहास की हाल की प्रवृत्तियाँ
शोधविधि
अनुसंधान का प्रस्तावित क्षेत्र
अनसंधान के प्रस्तावित क्षेत्र में स्रोत – प्राथमिक/द्वितीयक
अनुसंधान के प्रस्तावित क्षेत्र में आधुनिक लेखन।

प्रश्न पत्र – III (B)
(ऐच्छिक / वैकल्पिक)

ऐच्छिक – I : प्राचीन भारतीय इतिहास

भारत की प्रस्तर युगीन संस्कृतियाँ
सैन्धव घाटी सभ्यता की उत्पत्ति, तिथि, विस्तार एवं लक्षण
वैदिक काल में सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाओं का विकास
छठवीं शताब्दी ई.पू. में आर्थिक तथा धार्मिक विकास
मौर्य इतिहास के स्त्रोत : मेगस्थनीज, कौटिल्य, अशोक के लेख और सिंहली वंश साहित्य
दूसरी शताब्दी ई.पू. से तीसरी शताब्दी ईसवी तक अर्थव्यवस्था एवं व्यापार, कला–शैलियाँ, स्तूप एवं चैत्य स्थापत्य का विकास
गुप्तकाल का मूल्यांकन
प्राचीन भारतीय गणराज्य – भारत का स्वायत्तशासन का इतिहास
भारतीय सामन्तवाद
प्राचीनकाल में बाह्य जगत् से भारतीय सम्पर्क
धर्म एवं दर्शन के क्षेत्र में शंकर एवं रामानुज का अवदान

ऐच्छिक – II : मध्यकालीन भारतीय इतिहास

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत
मुगलों की उत्तरी–पश्चिमी सीमा तथा दक्षिण नीति
मध्यकाल में समाज और अर्थव्यवस्था
मध्यकाल में धर्म, कला, स्थापत्य कला और साहित्य
मध्यकाल में शहरी अर्थव्यवस्था, व्यापार और वाणिज्य
मुगलों की विरासत
अठारहवीं शताब्दी विवाद
क्षेत्रीय इतिहास का महत्व।

ऐच्छिक – III : आधुनिक भारतीय इतिहास

भारत में ब्रिटिश राज की स्थापना एवं विस्तार
1858 से 1935 तक संवैधानिक विकास
ब्रिटिशों की कृषि सम्बन्धी नीति
ब्रिटिशों द्वारा अपनाए गए राहत कार्य
ब्रिटिशों के अधीन शिक्षा एवं सामाजिक सुधार
उन्नीसवीं शताब्दी के सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन
राष्ट्रवाद का उदय और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
गाँधीवादी युग
स्वाधीनता एवं विभाजन की ओर
भारतीय संविधान का निर्माण एवं उसकी कार्यशैली।

***

HOME SCIENCE [Code No. – 09]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II & PAER – III (A) [CORE GROUP]

Unit - I : Food Science

Food Groups

Food Preparation

Food Preservation

Food Science and Food Analysis

Food Processing

Unit - II : Nutrition Science

Fundamentals of nutrition

Nutritional biochemistry

Food microbiology

Public nutrition

Therapeutic nutrition

Unit - III : Institutional Management

Management of Hospitality Institutes-Hospital/Hotel/Restaurant/Café and Outdoor catering

Management of Social Institutes-family as Institute, child care and Geriatric ` institutes, Panchayats

Managements of Educational Institutes-Pre-school, Primary and Secondary Schools, (Colleges and Universities) Higher Educational Institutes

Management of Special Institutes for physically, mentally and socially challenged Challenges and problems faced by Institutions

Unit -IV : Clothing

Principles of clothing-Socio-psychological aspects of clothing, selection of fabrics, clothing and family clothing

Clothing construction-basic principles of drafting, flat pattern and draping methods

Textile design principles and concepts-fashion design, fashion cycles, business and merchandizing

Care and maintenance of textile materials and garments; Laundry agents-methods and equipments

Unit - V : Textiles

General properties and fine structure of all textile fibers

Processing and manufacture of all natural and man-made fibers

Definition and classification of yarns; Identification of yarns and its use in various fabrics

Fabric construction, definition and types of woven, non-woven, knitted and other construction techniques

Testings of fibers, yarns and fabric; Importance of quality control and research institutes

Unit - VI : Resource Management

Concept of Home management and steps

Management of Human Resources; Classification of Resources; Basis Characteristics of Resources

Decision making in family; steps in decision making; Methods of resolving conflicts

Work simplification; Importance of work simplification in home; Mundel's classes of change; Simple pen and pencil technique in work simplification

Housing, Interior design, Principles of Interior design, Various colours and colour schemes

Household equipment-Selection and Care

Unit - VII : Human Development

Child Development-Principles and Stages

Life Span Development-Theories of Human Development and Behaviou

Child rearing, Socialization practices and Dynamics

Early Childhood Care and Education-Emerging trends

Development problems and disabilities during childhood and adolescence, guidance and counselling

Advanced child study methods and assessment

Women's Studies, Family Welfare Programme-Recent Approaches

Unit - VIII : Non-formal Education and Extension Education

History and Development of Home Science in Formal/Non-formal and Extension Education

Theory and Practices of programmes/curriculum planning and development

Management and Administration of Formal/Non-formal and Extension Education

Monitoring, Supervision and Evaluation of Formal, Non-formal and Extension Education

Vocationalization of Home Science in India

Theories and Principles of Guidance and Counselling in Formal/Non-formal/Extension

Problems and Challenges encountered in Formal/Non-formal/Extension

Unit - IX : Development and Educational Communication

Concept and classification of communication

Traditional Methods and Materials of communication-selection/preparation/use

Modern methods and materials of communication-selection/preparation/use

Strategies for development communication

Classroom communications in Home Science trends

Communication for publicity and public relations

Change and challenges in communication in contemporary society

Unit-X : Methods of Research

Trends in Research in Home Science

Research Designs

Types of Research

Sampling Techniques

Selection and Preparation of Tools for data collection

Tpye of variables and their selection

Data collection and classification/coding

Analysis of data through parametric and non-parametric statistics

Report writing-presentation of data, interpretation and discussion

PAPER - III (B)
[ELECTIVE/OPTIONAL]

Elective - I : Food and Nutrition

Food Science and Quality Control

Macro- and Micro-nutrients

Human Nutritional Requirements

Assessment of Nutritional Status

Food Biotechnology

Elective - II : Institutional Management and Dietetics

Advanced Management and Organisation

Management of Human Resources

Experimental Quantity Cookery

Financial and Profit Management

Quantity Food Preparation Techniques

Food Service and Delivery Systems

Marketing

Therapeutic Dietetics

Elective - III : Child and Human Development

Human Development-Rights perspective

Principles and theories of human development

Early childhood care and development-strategies, monitoring and supervision

Children with special needs and children at risk (child labour, street children, child abuse, chronically sick): Intervention programmes

Socialization in various family contexts across different cultures

Advances in assessment of children

Elective - IV : Clothing and Textiles

Textiles Chemistry-Fibers and dyes

Dyeing, printing and finishing of fibers yarns and fabrics

Textile and Apparel Industry-Fundamental of business, specifications, quality control agencies and marketing

Historic and Traditional Textiles of world with emphasis on India

Curriculum and Teaching in clothing and textiles, analysis and development of curriculum; teaching methods and aids

Consumer and Textiles and Clothing

Recent developments in Textile and Clothing

Elective - V : Home and Community Resource Management

Concept of Home management, System approach to family, Input, Output and feedback

Family Resources-Management of Resources like time energy and money; Basic characteristics of Resources; Efficient methods of utilization of Resources

Family life cycle-Demands upon resources like time energy and money

Concepts of Ergonomics-its importance and application in home

Concept of communication process and its importance in family; Barriers in Communication process; Measures for effective communication

Concept of work simplification-its importance in home; Simpl pen and pencil technique

Consumer Education-Laws protecting consumer; Role of consumer society in protecting consumer; Kinds of adulteration; Identification of adulteration

Elective - VI : Home Science Extension Education

Curriculum development for formal education in Home Sciences

General and special methods of teaching Home Science

Media and Materials for promoting Homes Science in Formal/Non-formal/Adult/Extension Education

Non-formal and Adult Education in Home Science

Extension Education in Home Science

Women is Changing India and plans for their development

Self-employment and Entrepreneurship through Home Science

Programmes of extension in Home Science

Measurement and Evaluation including monitoring and supervision for formal ; Non-formal/Adult Education / Extension Education.

***

गृह विज्ञान (कोड न.:– 09)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A(कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – II और प्रश्न–पत्र – III (A) (कोर विभाग)

इकाई – I : खाद्य विज्ञान

आहरिक खाद्य वर्ग

भोजन बनाने के तरीके

खाद्य संरक्षण

खाद्य विज्ञान एवं आहार विश्लेषण

खाद्य संसाधन

इकाई – II : पोषण विज्ञान

पोषण के आधारभूत सिद्धान्त

पोषण जैवरसायन

खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान

लौह पोषण

चिकित्सार्थ आहार/पोषण

इकाई – III : सांस्थानिक प्रबन्ध

आतिथ्य संस्थानों के प्रबन्ध–अस्पताल/भोजनालय/रेस्तराँ/कॉफी गृह और बाहरी भोजन के प्रबन्धक

सामाजिक संस्थानों के प्रबन्ध–परिवार एक संस्था, शिशुपालन और वृद्ध आश्रम, पंचायत

शैक्षिक संस्थानों के प्रबन्ध–बालवाडी, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल (कॉलेज और विश्वविद्यालय) उच्च शिक्षा संस्थाएँ

विशेष संस्थानों के प्रबन्ध–शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकलांग

संस्थाओं के सम्मुख विवाद और कठिनाइयाँ

इकाई – IV : आवरण

आवरण के सिद्धान्त–आवरण के सामाजिक तथा मनोवैज्ञानिक तत्व, वस्त्रों और पहनाने का चुनाव और पारिवारिक आवरण

पहनावे की बनावट–खाका बनाने के मूल सिद्धान्त, समतल नमूना और ड्रेपिं पद्धति

वस्त्रों का रूपांकन–सिद्धान्त और विचार

फैशन के सिद्धान्त–फैशन कालचक्र, व्यापार और व्यवसाय सम्बन्धी

कपड़े और वस्त्रों का रख–रखाव, कपड़े धोने के साधन–तरीके और सामान

इकाई – V : वस्त्र

रेशों के गुण, धर्म और उनकी महीन बनावट

कृत्रिम और प्राकृतिक रेशों की बनावट

सूत्रों की परिभाषा एवं वर्गीकरण; सूत्रों का समीकरण और विभिन्न वस्त्रों में उनका उपयोग

वस्त्रों की बनावट, बुने हुए, नहीं बुने हुए, ऊनी वस्त्रों की परिभाषा और उनकी बनावट

रेशों, सुत्रों और कपड़ों की जाँच; गुणता नियंत्रण और अनुसंधान केन्द्रों का महत्व

इकाई – VI : संसाधन व्यवस्था

गृह व्यवस्था की परिकल्पना एवं क्रम

मानवीय संसाधनों का प्रबन्ध; संसाधनों का वर्गीरण; संसाधनों के मूल विश्लेषण

परिवार में निर्णय के सिद्धांत; निर्णय की सिद्धांत के क्रम, कठिनाइयों से निपटने के तरीके

कार्य सरलीकरण; गृह में कार्य सरलीकरण के महत्व; मण्डल के बदलाव के विभाग; कार्य सरलीकरण की पेन और पेन्सिल यन्त्रकला।

गृह, आन्तरिक सज्जा, आन्तरिक सज्जा के सिद्धान्त, विभिन्न रंग और रंगों की योजना

घरेलू साज–समान, चुनाव और देख–रेख

इकाई – VII : मानव विकास

बाल विकास–सिद्धान्त एवं क्रम

जीवन समयकाल का मानव विकास और व्यवहार विकास के सिद्धान्त

शिशु पालन, सामाजीकरण प्रथाएँ एवं संचालन शक्ति

बाल अवस्था की देख–रेख एवं शिक्षा–उभरते हुए तौर–तरीके

विकास में कठिनाइयाँ और बाल अवस्था तथा युवा अवस्था में विकलांगता, मार्ग प्रदर्शन एवं सलाह

बच्चों की जानने के उच्चस्तरीय मूल्यांकन और तरीके

नारी अध्ययन, परिवार कल्याण योजनाएँ–नवीन उपगमनों

इकाई – VIII : अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा का गृहविज्ञान में इतिहास और विकास के सिद्धान्त

कार्यक्रम/पाठ्यपुस्तक की सूची बनाना और विकास के सिद्धान्त

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा के प्रबन्ध और प्रशासन

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा के निरीक्षण देखभाल और मूल्यांकन

भारत में गृहविज्ञान का व्यावसायीकरण

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा में मार्ग दर्शन और सलाह के सिद्धान्त

औपचारिक/अनौपचारिक और विस्तार शिक्षा के सम्मुख कठिनाइयाँ एवं जरूरतें

इकाई – IX : विस्तार एवं शैक्षिक विस्तार

संचार की परिकल्पना और वर्गीकरण

संचार चुनाव, बनावट एवं प्रयोग के पारम्परित तरीके

संचार चुनाव, बनावट एवं प्रयोग के नए तरीके एवं सामग्री

विस्तार संचार के उपाय

गृहविज्ञान में कक्षा संचार के तौर'–तरीके

प्रचार और लौकिक सम्बन्धों के संचार साधन

संचार की आज के प्रचलित समाज में बदलाव और माँगें।

इकाई – X : अनुसंधान के तरीके

गृहविज्ञान में अनुसंधान के प्रकार

अनुसंधान योजना

अनुसंधान के प्रकार

नमूने चुनने के तरीके

स्वीकृत तत्व इकट्ठे करने के यन्त्रों का चुनाव और बनावट

परिवर्तों के प्रकार और चुनाव

स्वीकृत तत्वों को इकट्ठा करना एवं उनका वर्गीकरण / गुप्तभाषा

स्वीकृत भाषा का विश्लेषण–प्राचलिक एवं अप्राचलिक तरीकों द्वारा

अनुसंधान लेख–स्वीकृत तत्व का प्रदर्शन, व्याख्या और वाद–विवाद

प्रश्न–पत्र – III (B)
(ऐच्छिक / वैकल्पिक)

ऐच्छिक – I : खाद्य एवं पोषण

खाद्य विज्ञान और गुणता नियन्त्रण (Quality control)

बड़े– (macro) एवं सूक्ष्म–पौष्टिक तत्व

मानवीय प्रोषणज की जरूरतें

प्रोषणज स्तर का मूल्यांकन

खाद्य जैव–विज्ञान

ऐच्छिक – II : संस्थानिक प्रबन्ध एवं आहारिकी

उच्चस्तरीय व्यवस्था एवं संगठन

मानवीय संसाधनों के प्रबन्ध

प्रयोगात्मक रूप से अधिक मात्रा में भोजन बनाना

हिसाब–किताब और लाभ के प्रबन्ध

अधिक मात्रा में आहार बनाने के तरीके

भोजन परोसने और पहुँचाने के तरीके

व्यवसायीकरण (Marketing)

चिकित्सार्थ आहार

ऐच्छिक – III : शिशु एवं मानवीय विकास

मानवीय विकास–अधिकार

मानवीय विकास के नीति और सिद्धान्त

बाल अवस्था की देखरेख एवं विकास–नीतियाँ, निरीक्षण और देखभाल

अनोखिक जरूरतें वाले बच्चे और संकट में पड़े बच्चे (बाल परिश्रमी; बेघर बच्चे; बाल शोषण; अत्यंत रूप से बीमार); हस्तक्षेप कार्यक्रम

विभिन्न संस्कृतियों के परिवारों में समाजीकरण

बच्चों के मूल्यांकन में उच्चस्तरीयता

ऐच्छिक – IV : वस्त्र एवं आवरण

वस्त्र रसायन–रेशे और रंगने के द्रव

रेशों, सूत्रों और कपड़ों की रंगाई, छपाई और रूपसज्जा

वस्त्र एवं आवरण उद्योग–व्यापार के मूलाधार, विशेष वर्णन, गुण नियन्त्रण एजेन्सी एवं विपणन

विश्व के ऐतिहासिक और पारंपरिक वस्त्र विशेष तौर से भारत के उल्लेख

वस्त्र एवं आवरण का पाठकरण एवं पढ़ाई, पाठ्यक्रम का विकास और विश्लेषण; पढ़ाने के तरीके और साधन वस्त्र एवं आवरण और उपभोक्ता

वस्त्र एवं आवरण में नवीन विकास

ऐच्छिक – V : गृह और समुदाय संसाधन व्यवस्था

गृह व्यवस्था की परिकल्पना, परिवार में पद्धति पहुँच, डालना, निकालना और निष्कर्ष

पारिवारिक संसाधन–समय, क्रमशक्ति एवं धन जैसे संसाधनों की व्यवस्था; संसाधन की मूल विशेषताएँ; संसाधनों को प्रयोग करने के उत्तम तरीके

पारिवारिक जीवन चक्र–समय, क्रमशक्ति एवं धन संसाधनों की जरूरत

एरगोनोमिक्स की परिकल्पना–गृह में इसका महत्व एवं उपयोग

परिवार में संचार प्रक्रिया की परिकल्पना और महत्व; संचार प्रक्रिया में रुकावटें; प्रभाविक संचार के भाव कार्य सरलीकरण की परिकल्पना एवं महत्व; साधारण पेन और पेन्सिल प्रविधि

उपभोक्ता शिक्षा–उपभोक्ता संरक्षण के कानून; उपभोक्ता समुदाय का उपभोक्ता संरक्षण में योगदान; हीन मिलावट के प्रकार और उनकी पहचान

ऐच्छिक – VI : गृहविज्ञान विस्तार शिक्षा

नियमानुसार गृहविज्ञान शिक्षा का पाठ्यक्रम विकास

गृहविज्ञान पढ़ाने के साधारण एवं विशेष तरीके

गृहविज्ञान के औपचारिक/अनौपचारिक/प्रौढ़ एवं विस्तार शिक्षा लेने के माध्यम एवं सामग्री

गृहविज्ञान में अनौपचारिक एवं प्रौढ़ शिक्षा

गृहविज्ञान में विस्तार शिक्षा

बदलते हुए भारत में औरतों के विकास की योजनाएँ

गृहविज्ञान के द्वारा निज–रोजगार और लघु उद्योग

गृहविज्ञान में विस्तार के कार्यक्रम

औपचारिक/अनौपचारिक/प्रौढ़ शिक्षा/विस्तार के मापांक और मूल्यांक, देख–रेख और देखभाल

LAW [Code No. – 10]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:- The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

1. Constitutional Law of India

Preamble

Fundamental Rights and Duties

Directive Principles of State Policy

Judiciary

Executive

Union State Legislative Relations

Emergency Provisions

Amendment of the Constitutions

Writ Jurisdiction

2. Legal Theory

Nature and Sources of Law

Positivism, Natural Law Theory, Sociological Jurisprudence

Theories of Punishment

Rights and Duties

Concepts of Possession and Ownership

3. Public International Law
Nature of International Law and its relationship with Municipal Law
Sources of International Law
Recognition of States and Governments
United Nations
Settlement of International Disputes
Human Rights

4. Family Law
Concepts in Family Law
Sources of Family Law in India
Marriage and Dissolution of Marriage

5. Law of Contracts-General Principles
   Essentials of a valid contract
   Offer, acceptance and consideration
   Capacity to Contract-Minor's contract
   Elements vitiating contract-mistake, fraud, misrepresentation, public policy, coercion, undue influence, frustration of contract
6. Law of Torts

   Foundation of Tortuous Liability

   General Defences to an action of Torty

   Vicarious Liability

   Remoteness of Damages

   Contributory Negligence

   Absolute and Strict Liability
7. Law of Crimes-General Principles
   Nature and Definition of Offence
   General Exceptions
   Common Intention and Common Object
   Criminal Attempt, Conspiracy and Abetment
   Offences against Women
8. Labour Law

   Concepts-Industry, Industrial Dispute and Workman

   Trade Unions-Rights and Immunities of Registered Trade Union; Registration and its advantages

   Methods for Settlement of Industrial Disputes under Industrial Disputes Act, 1947 Strike and Lockout as Instruments of Collective Bargaining

   Retrenchment, Lay-off and Closures

Paper - III

Note:- The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - III (A)
(CORE GROUP)

Unit - I

Essential Features of Indian Constitution

Distribution of Legislative Powers between Union and States

Fundamental Rights, Fundamental Duties and Directive Principles of State policy

Judiciary

Parliament and State Legislatures

Amending Process of the Constitution

Role of Election Commission in Democratic Process

Unit - II

Nature, Scope and Importance of Administrative Law

Principles of Natural Justice

Administrative Discretion and its control

Judicial Review of Administration Action-Writ Jurisdiction

Lokpal and Lokayukta

Unit - III

Nature and Sources of Law

Legal Concepts-Right, Duty, Ownership, Possession and Person

Judicial Process-Application of Doctrine of Precedent of India

Judicial Contribution in Bringing Social Changes

Law and Morality

Unit - IV

General Prinicples of Criminal Law-meaning, nature, essentials and stages of offence

Joint Liability; Abetment and Criminal Conspiracy

Offences against Human Body

Offences against Property

Defamation

Unit - V

Environmental Pollution-Meaning of Environment and Environment Pollution; Kinds of Pollution

Legislative Measures for Prevention and Control of Environmental Pollution in India-Air and Water Pollution and General Protection of Environment

International Development for protection of Environment Pollution

Remedies for Environment Protection-Civil, Criminal and Constitutional Importance of Forest and Wildlife in protecting environment

Environmental impact assessment and control of Hazardous wastes

Unit - VI

Nature of International Law and its sources

Concept of sovereignty and its relevance today

Recognition of State and Governments

Extradition, Asylum, Nationality and Status of Refugees

International Court of Justice

UNO and its organs

Global Trade Regime under International Law

Unit - VII

Marriage

Divorce

Adoption and Guardianship

Maintenance

Matrimonial Remedies

Uniform Civil Code

Unit - VIII

Concept and Development of Human Rights

Contribution of Unit Nations in the development and implementation of Human Rights

Implementation of Human Rights in India-Role of National Human Rights Commission

Protection of Marginalised Groups-Women, Children, Minorities and Refugees

Unit - IX

Nature and definition of Tort

General Principles of Tortuous Liability

Specific Torts-Negligence, Nuisance and Defamation

Absolute Liability-Emerging trends in India

Consumer Protection-Evolution of Consumer Rights and Redressal of Consumer Grievances

Unit - X

Partnership Act-Nature and essentials of partnership mutual rights and liabilities of partners, advantages of registration of firms

Sales of Goods Act

Negotiable Instruments Act

Company Law-Role of Directors, Doctrines of Indoor Management and Ultra Vires

***

विधि (कोड न.:– 10)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – II

टिप्पणी:– प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

1- भारत की संवैधानिक विधि
- प्रस्तावना
- मूल अधिकार तथा कर्त्तव्य
- राज्य के नीति निदे ाक तत्व
- न्यायपालिका
- कार्यपालिका
- संघ राज्य विधायी संबंध
- आपात् उपबंध
- संविधान सं ोधन
- रिट क्षेत्राधिकार

2- विधिक सिद्धांत
- विधि के प्रकृति एवं उसके स्त्रोत
- अस्तित्ववाद, नैसर्गिक विधि सिद्धांत तथा समाजशास्त्रीय विधि शास्त्र
- दण्ड के सिद्धांत
- अधिकार एवं कर्त्तव्य
- कब्जा एवं स्वामित्व की अवधारणा

3- लोक अर्न्राष्ट्रीय विधि विधि
- अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति तथा अन्तर्राष्ट्रीय विधि का नगरीय विधि से सम्बन्ध
- अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्त्रोत
- राज्यों एवं सरकार की मान्यता
- संयुक्त राष्ट्र
- अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का निपटारा
- मानव अधिकार

4- पारिवारिक विधि
- पारिवारिक विधि की अवधारणा
- भारत में पारिवारिक विधि के स्त्रोत
- विवाह एवं विवाह विच्छेद

5- संविदा विधि–साधारण सिद्धांत
- बैध संविदा के आवश्यक तत्व
- प्रस्ताव, स्वीकृति तथा प्रतिफल
- संविदा करने का सामर्थ–नाबालिग का संविदा

संविदा को दूषित करने वाले तत्व–भूल, कपट, मिथ्या व्यपदेशन, लोक नीति, अनुचित दबाव, असम्यक् असर, संविदा असर, संविदा की विफलता
संविदा भंग होने पर उपचार–क्षतिपूर्ति

6- दुष्कृति विधि
अपकृत्य दायित्व के आधार
अपकृत्य के विरुद्ध साधारण बचाव
प्रतिनिधिक दायित्व
दूरस्थ क्षतिपूर्ति
अंशदायी उपेक्षा
पूर्ण एवं कठोर दायित्व

7- अपराध विधि–साधारण सिद्धांत
अपराध की प्रकृति एवं परिभाषा
साधारण अपवाद
सामान्य आशय एवं सामान्य उद्देश्य
आपराधिक प्रयास, षड्यंत्र तथा दुष्प्रेरण
महिलाओं के विरुद्ध अपराध

8- श्रम विधि

श्रम विधि की अवधारणा–उद्योग औद्योगिक विवाद तथा कर्मकार

श्रमिक संघ–पंजीकृत श्रमिक संघ के अधिकार एवं उन्मुक्तियाँ; पंजीकरण एवं इसके लाभ

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत औद्योगिक विवाद निपटारे हेतु उपाय

सामूहिक सौदेबाजी के उपकरण के रूप में हड़ताल एवं कारखाना बंदी (ताला बंदी)

छँटनी, जबरी छुट्टी एवं बंदी

प्रश्न पत्र – III

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – III (A)
(कोर विभाग)

इकाई – I

भारतीय संविधान के प्रमुख लक्षण

संघ एवं राज्यों के मध्य विधायी शक्तियों को विभाजन

मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य तथा राज्य के नीति निदेशक तत्व

न्यायपालिका

संसद एवं राज्य विधायिका

संविधान संशोधन प्रक्रिया

प्रजातंत्रात्मक प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग की भूमिका

इकाई – II

प्रशासकीय विधि की प्रकृति, क्षेत्र तथा महत्व

नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत

प्रशासकीय विवेक एवं इसका नियंत्रण

प्रशासकीय कृत्यों का न्यायिक पुनर्विलोकन–रिट क्षेत्राधिकार

लोकपाल एवं लोकायुक्त

इकाई – III

विधि की प्रकृति एवं स्त्रोत

विधि की अवधारणायें–अधिकार, कर्त्तव्य, स्वामित्व, कब्जा तथा व्यक्ति

न्यायिक प्रक्रिया–भारत में पूर्व निर्णय सिद्धांत का प्रयोग

सामाजिक परिवर्तन लाने में न्यायिक योगदान

विधि एवं नैतिकता

इकाई – IV

अपराध विधि के साधारण सिद्धांत–अर्थ, प्रकृति, आवश्यक तत्व तथा चरण

संयुक्त दायित्व; दुष्प्रेरण तथा आपराधिक षड्यंत्र

मानव शरीर के विरुद्ध अपराध

सम्पत्ति के विरुद्ध अपराध

मानहानि

इकाई – V

पर्यावरण प्रदूषण–पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ, प्रदूषण के प्रकार तथा पोषणीय विकास

भारत में पर्यावरण के निवारण एवं नियंत्रण हेतु विधायी उपाय–जल तथा वायु प्रदूषण तथा साधारण पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण प्रदूशण के संरक्षण हेतु अन्तर्राश्ट्रीय विकास

पर्यावरण संरक्षण हेतु उपचार–सिविल, आपराधिक एवं संवैधानिक

वन एवं वन्य जीवन का पर्यावरण संरक्षण में महत्व

पर्यावरण प्रभाव का मूल्यांकन तथा खतरनाक कचरा पर नियंत्रण

इकाई – VI

अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति एवं उसके स्त्रोत

सम्प्रभू की अवधारणा एवं आज उसकी सुसंगतता

राज्यों एवं सरकारों की मान्यता

प्रत्यर्पण, आश्रय, राष्ट्रीयता तथा शरणार्थियों की प्रास्थिति

अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

संयुक्त राष्ट्र संघ तथा इसके अंग

अन्तर्राष्ट्रीय विधि मे विश्व व्यापार व्यवस्था

इकाई – VII

विवाह

विवाह विच्छेद

दत्तक ग्रहण तथा संरक्षकत्व

भरणपोषण

दाम्पत्तिक उपचार

समान व्यवहार संहिता

इकाई – VIII

मानव अधिकार की अवधारणा एवं विकास

संयुक्त राष्ट्र का मानव अधिकार के विकास एवं उनके क्रियान्वयन में योगदान

मानव अधिकार का भारत में क्रियान्वयन–राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का योगदान

असामान्य वर्गों का संरक्षण समूह–महिला, बच्चे, अल्पसंख्यक एवं शरणार्थी

इकाइ – IX

अपकृत्य की प्रकृति एवं परिभाषा

अपकृत्य दायित्व के साधारण सिद्धांत

विनिर्दिष्ट अपकृत्य–उपेक्षा, अपदूषण तथा मानहानि

पूर्ण दायित्व–भारत में उभरता प्रवृत्ति

उपभोक्ता संरक्षण–उपभोक्त अधिकारों का उद्‌भव तथा उनकी शिकायतों का पारितोष

इकाई – X

साझेदारी अधिनियम–साझेदारी की प्रकृति एवं उसके आवश्यक तत्व तथा साझेदारों के पारस्परिक अधिकार एवं दायित्व, फर्मों के पंजीकरण से लाभ

वस्तु विक्रय अधिनियम

पारिक्राम्य अभिलेख अधिनियम

कम्पनी विधि–निदेशकों की भूमिका, आन्तरिक प्रबंधन का सिद्धांत तथा शक्ति वाह्यातीत

***

LIFE SCIENCES [CODE No. – 11]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III will cover 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II AND PAPER – III

1. Molecules and their Interaction Relevant to Biology
2. Cellular Organization
3. Fundamental Processes
4. Cell Communication and Cell Signaling
5. Developmental Biology
6. System Physiology – Plant
7. System Physiology – Animal
8. Inheritance Biology
9. Diversity of Life Forms
10. Ecological Principles
11. Evolution and Behavior
12. Applied Biology
13. Methods in Biology

PAPER – II AND PAPER – III

1. MOLECULES AND THEIR INTERACTION RELAVENT TO BIOLOGY

A. Structure of atoms, molecules and chemical bonds.

B Composition, structure and function of biomolecules (carbohydrates, lipids, proteins, nucleic acids and vitamins).

C. Stablizing interactions (Van der Waals, electrostatic, hydrogen bonding, hydrophobic interaction, etc.).

D Principles of biophysical chemistry (pH, buffer, reaction kinetics, thermodynamics, colligative properties).

E. Bioenergetics, glycolysis, oxidative phosphorylation, coupled reaction, group transfer, biological energy transducers.

F. Principles of catalysis, enzymes and enzyme kinetics, enzyme regulation, mechanism of enzyme catalysis, isozymes

G. Conformation of proteins (Ramachandran plot, secondary structure, domains, motif and folds).

H. Conformation of nucleic acids (helix (A, B, Z), t-RNA, micro-RNA).

I. Stability of proteins and nucleic acids.

J. Metabolism of carbohydrates, lipids, amino acids nucleotides and vitamins.

2. CELLULAR ORGANIZATION

A) Membrane structure and function (Structure of model membrane, lipid bilayer and membrane protein diffusion, osmosis, ion channels, active transport, membrane pumps, mechanism of sorting and regulation of intracellular transport,electrical properties of membranes).

B) Structural organization and function of intracellular organelles (Cell wall, nucleus, mitochondria, Golgi bodies, lysosomes, endoplasmic reticulum, peroxisomes, plastids, vacuoles, chloroplast, structure & function of cytoskeleton and its role in motility).

C) Organization of genes and chromosomes (Operon, unique and repetitive DNA, interrupted genes, gene families, structure of chromatin and chromosomes, heterochromatin, euchromatin, transposons).

D) Cell division and cell cycle (Mitosis and meiosis, their regulation, steps in cell cycle, regulation and control of cell cycle).

E) Microbial Physiology (Growth yield and characteristics, strategies of cell division, stress response)

3. FUNDAMENTAL PROCESSES

A) DNA replication, repair and recombination (Unit of replication, enzymes involved, replication origin and replication fork, fidelity of replication, extrachromosomal replicons, DNA damage and repair mechanisms, homologous and site-specific recombination).

B) RNA synthesis and processing (transcription factors and machinery, formation of initiation complex, transcription activator and repressor, RNA polymerases, capping, elongation, and termination, RNA processing, RNA editing, splicing, and polyadenylation, structure and function of different types of RNA, RNA transport).

C) Protein synthesis and processing (Ribosome, formation of initiation complex, initiation factors and their regulation, elongation and elongation factors, termination, genetic code, aminoacylation of tRNA, tRNA-identity, aminoacyl tRNA synthetase, and translational proof-reading, translational inhibitors, Post- translational modification of proteins).

D) Control of gene expression at transcription and translation level (regulating the expression of phages, viruses, prokaryotic and eukaryotic genes, role of chromatin in gene expression and gene silencing).

4. Cell communication and cell signaling

A) Host parasite interaction Recognition and entry processes of different pathogens like bacteria, viruses into animal and plant host cells, alteration of host cell behavior by pathogens, virus-induced cell transformation, pathogen-induced diseases in animals and plants, cell-cell fusion in both normal and abnormal cells.

B) Cell signaling Hormones and their receptors, cell surface receptor, signaling through G-protein coupled receptors, signal transduction pathways, second messengers, regulation of signaling pathways, bacterial and plant two-component systems, light signaling in plants, bacterial chemotaxis and quorum sensing.

C) Cellular communication Regulation of hematopoiesis, general principles of cell communication, cell adhesion and roles of different adhesion molecules, gap junctions, extracellular matrix, integrins, neurotransmission and its regulation.

D) Cancer Genetic rearrangements in progenitor cells, oncogenes, tumor suppressor genes, cancer and the cell cycle, virus-induced cancer, metastasis, interaction of cancer cells with normal cells, apoptosis, therapeutic interventions of uncontrolled cell growth.

E) Innate and adaptive immune system Cells and molecules involved in innate and adaptive immunity, antigens, antigenicity and immunogenicity. B and T cell epitopes, structure and function of antibody molecules. generation of antibody diversity, monoclonal antibodies, antibody engineering, antigen-antibody interactions, MHC molecules, antigen processing and presentation, activation and differentiation of B and T cells, B and T cell receptors, humoral and cell-mediated immune responses, primary and secondary immune modulation, the complement system, Toll-like receptors, cell-mediated effector functions, inflammation, hypersensitivity and autoimmunity, immune response during bacterial (tuberculosis), parasitic (malaria) and viral (HIV) infections, congenital and acquired immunodeficiencies, vaccines.

5. DEVELOPMENTAL BIOLOGY

A) Basic concepts of development : Potency, commitment, specification, induction, competence, determination and differentiation; morphogenetic gradients; cell fate and cell lineages; stem cells; genomic equivalence and the cytoplasmic determinants; imprinting; mutants and transgenics in analysis of development

B) Gametogenesis, fertilization and early development: Production of gametes, cell surface molecules in sperm-egg recognition in animals; embryo sac development and double fertilization in plants; zygote formation, cleavage, blastula formation, embryonic fields, gastrulation and formation of germ layers in animals; embryogenesis, establishment of symmetry in plants; seed formation and germination.

C) Morphogenesis and organogenesis in animals : Cell aggregation and differentiation in *Dictyostelium*; axes and pattern formation in *Drosophila*, amphibia and chick; organogenesis – vulva formation in *Caenorhabditis elegans*, eye lens induction, limb development and regeneration in vertebrates; differentiation of neurons, post embryonic development- larval formation, metamorphosis; environmental regulation of normal development; sex determination.

D) Morphogenesis and organogenesis in plants: Organization of shoot and root apical meristem; shoot and root development; leaf development and phyllotaxy; transition to flowering, floral meristems and floral development in *Arabidopsis* and *Antirrhinum*

E) Programmed cell death, aging and senescence

6. SYSTEM PHYSIOLOGY - PLANT

A. Photosynthesis - Light harvesting complexes; mechanisms of electron transport; photoprotective mechanisms; CO2 fixation-C3, C4 and CAM pathways.

B. Respiration and photorespiration – Citric acid cycle; plant mitochondrial electron transport and ATP synthesis; alternate oxidase; photorespiratory pathway.

C. Nitrogen metabolism - Nitrate and ammonium assimilation; amino acid biosynthesis.

D. Plant hormones – Biosynthesis, storage, breakdown and transport; physiological effects and mechanisms of action.

E. Sensory photobiology - Structure, function and mechanisms of action of phytochromes, cryptochromes and phototropins; stomatal movement; photoperiodism and biological clocks.

F. Solute transport and photoassimilate translocation – uptake, transport and translocation of water, ions, solutes and macromolecules from soil, through cells, across membranes, through xylem and phloem; transpiration; mechanisms of loading and unloading of photoassimilates.

G. Secondary metabolites - Biosynthesis of terpenes, phenols and nitrogenous compounds and their roles.

H. Stress physiology – Responses of plants to biotic (pathogen and insects) and abiotic (water, temperature and salt) stresses.

7. SYSTEM PHYSIOLOGY - ANIMAL

A. Blood and circulation - Blood corpuscles, haemopoiesis and formed elements, plasma function, blood volume, blood volume regulation, blood groups, haemoglobin, immunity, haemostasis.

B. Cardiovascular System: Comparative anatomy of heart structure, myogenic heart, specialized tissue, ECG – its principle and significance, cardiac cycle, heart as a pump, blood pressure, neural and chemical regulation of all above.

C. Respiratory system - Comparison of respiration in different species, anatomical considerations, transport of gases, exchange of gases, waste elimination, neural and chemical regulation of respiration.

D. Nervous system - Neurons, action potential, gross neuroanatomy of the brain and spinal cord, central and peripheral nervous system, neural control of muscle tone and posture.

E. Sense organs - Vision, hearing and tactile response.

F. Excretory system - Comparative physiology of excretion, kidney, urine formation, urine concentration, waste elimination, micturition, regulation of water balance, blood volume, blood pressure, electrolyte balance, acid-base balance.

G. Thermoregulation - Comfort zone, body temperature – physical, chemical, neural regulation, acclimatization.

H. Stress and adaptation

I. Digestive system - Digestion, absorption, energy balance, BMR.

J. Endocrinology and reproduction - Endocrine glands, basic mechanism of hormone action, hormones and diseases; reproductive processes, gametogenesis, ovulation, neuroendocrine regulation

8. INHERITANCE BIOLOGY

A) Mendelian principles: Dominance, segregation, independent assortment.

B) Concept of gene: Allele, multiple alleles, pseudoallele, complementation tests

C) Extensions of Mendelian principles: Codominance, incomplete dominance, gene interactions, pleiotropy, genomic imprinting, penetrance and expressivity, phenocopy, linkage and crossing over, sex linkage, sex limited and sex influenced characters.

D) Gene mapping methods: Linkage maps, tetrad analysis, mapping with molecular markers, mapping by using somatic cell hybrids, development of mapping population in plants.

E) Extra chromosomal inheritance: Inheritance of Mitochondrial and chloroplast genes, maternal inheritance.

F) Microbial genetics : Methods of genetic transfers – transformation, conjugation, transduction and sex-duction, mapping genes by interrupted mating, fine structure analysis of genes.

G) Human genetics : Pedigree analysis, lod score for linkage testing, karyotypes, genetic disorders.

H) Quantitative genetics : Polygenic inheritance, heritability and its measurements, QTL mapping.

I) Mutation : Types, causes and detection, mutant types – lethal, conditional, biochemical, loss of function, gain of function, germinal verses somatic mutants, insertional mutagenesis.

J) Structural and numerical alterations of chromosomes : Deletion, duplication, inversion, translocation, ploidy and their genetic implications.

K) Recombination : Homologous and non-homologous recombination including transposition.

9. DIVERSITY OF LIFE FORMS:

A. Principles & methods of taxonomy:

Concepts of species and hierarchical taxa, biological nomenclature, classical & quantititative methods of taxonomy of plants, animals and microorganisms.

B. Levels of structural organization:

Unicellular, colonial and multicellular forms. Levels of organization of tissues, organs & systems. Comparative anatomy, adaptive radiation, adaptive modifications.

C. Outline classification of plants, animals & microorganisms:

Important criteria used for classification in each taxon. Classification of plants, animals and microorganisms. Evolutionary relationships among taxa.

D. Natural history of Indian subcontinent:

Major habitat types of the subcontinent, geographic origins and migrations of species. Comman Indian mammals, birds. Seasonality and phenology of the subcontinent.

E. Organisms of health & agricultural importance:

Common parasites and pathogens of humans, domestic animals and crops.

F. Organisms of conservation concern:

Rare, endangered species. Conservation strategies.

10. ECOLOGICAL PRINCIPLES

The Environment: Physical environment; biotic environment; biotic and abiotic interactions.

Habitat and Niche: Concept of habitat and niche; niche width and overlap; fundamental and realized niche; resource partitioning; character displacement.

Population Ecology: Characteristics of a population; population growth curves; population regulation; life history strategies (*r* and *K* selection); concept of metapopulation – demes and dispersal, interdemic extinctions, age structured populations.

Species Interactions: Types of interactions, interspecific competition, herbivory, carnivory, pollination, symbiosis.

Community Ecology: Nature of communities; community structure and attributes; levels of species diversity and its measurement; edges and ecotones.

Ecological Succession: Types; mechanisms; changes involved in succession; concept of climax.

Ecosystem Ecology: Ecosystem structure; ecosystem function; energy flow and mineral cycling (C,N,P); primary production and decomposition; structure and function of some Indian ecosystems: terrestrial (forest, grassland) and aquatic (fresh water, marine, eustarine).

Biogeography: Major terrestrial biomes; theory of island biogeography; biogeographical zones of India.

Applied Ecology: Environmental pollution; global environmental change; biodiversity: status, monitoring and documentation; major drivers of biodiversity change; biodiversity management approaches.

Conservation Biology: Principles of conservation, major approaches to management, Indian case studies on conservation/management strategy (Project Tiger, Biosphere reserves).

11. EVOLUTION AND BEHAVIOUR

A. Emergence of evolutionary thoughts

Lamarck; Darwin–concepts of variation, adaptation, struggle, fitness and natural selection; Mendelism; Spontaneity of mutations; The evolutionary synthesis.

B. Origin of cells and unicellular evolution:

Origin of basic biological molecules; Abiotic synthesis of organic monomers and polymers; Concept of Oparin and Haldane; Experiement of Miller (1953); The first cell; Evolution of prokaryotes; Origin of eukaryotic cells; Evolution of unicellular eukaryotes; Anaerobic metabolism, photosynthesis and aerobic metabolism.

C. Paleontology and Evolutionary History:

The evolutionary time scale; Eras, periods and epoch; Major events in the evolutionary time scale; Origins of unicellular and multi cellular organisms; Major groups of plants and animals; Stages in primate evolution including Homo.

D. Molecular Evolution:

Concepts of neutral evolution, molecular divergence and molecular clocks; Molecular tools in phylogeny, classification and identification; Protein and nucleotide sequence analysis; origin of new genes and proteins; Gene duplication and divergence.

E. The Mechanisms:

Population genetics – Populations, Gene pool, Gene frequency; Hardy-Weinberg Law; concepts and rate of change in gene frequency through natural selection, migration and random genetic drift; Adaptive radiation; Isolating mechanisms; Speciation; Allopatricity and Sympatricity; Convergent evolution; Sexual selection; Co-evolution.

F. Brain, Behavior and Evolution:

Approaches and methods in study of behavior; Proximate and ultimate causation; Altruism and evolution-Group selection, Kin selection, Reciprocal altruism; Neural basis of learning, memory, cognition, sleep and arousal; Biological clocks; Development of behavior; Social communication; Social dominance; Use of space and territoriality; Mating systems, Parental investment and Reproductive success; Parental care; Aggressive behavior; Habitat selection and optimality in foraging; Migration, orientation and navigation; Domestication and behavioral changes.

12. APPLIED BIOLOGY:

A. Microbial fermentation and production of small and macro molecules.

B. Application of immunological principles, vaccines, diagnostics. Tissue and cell culture methods for plants and animals.

C.Transgenic animals and plants, molecular approaches to diagnosis and strain identification.

D. Genomics and its application to health and agriculture, including gene therapy.

E. Bioresource and uses of biodiversity.

F. Breeding in plants and animals, including marker – assisted selection

G. Bioremediation and phytoremediation

H. Biosensors

13. METHODS IN BIOLOGY

A. Molecular Biology and Recombinant DNA methods:

Isolation and purification of RNA , DNA (genomic and plasmid) and proteins, different separation methods.

Analysis of RNA, DNA and proteins by one and two dimensional gel electrophoresis, Isoelectric focusing gels.

Molecular cloning of DNA or RNA fragments in bacterial and eukaryotic systems.

Expression of recombinant proteins using bacterial, animal and plant vectors.

Isolation of specific nucleic acid sequences

Generation of genomic and cDNA libraries in plasmid, phage, cosmid, BAC and YAC vectors.

In vitro mutagenesis and deletion techniques, gene knock out in bacterial and eukaryotic organisms.

Protein sequencing methods, detection of post translation modification of proteins.

DNA sequencing methods, strategies for genome sequencing.

Methods for analysis of gene expression at RNA and protein level, large scale expression, such as micro array based techniques

Isolation, separation and analysis of carbohydrate and lipid molecules

RFLP, RAPD and AFLP techniques

B. Histochemical and Immunotechniques

Antibody generation, Detection of molecules using ELISA, RIA, western blot, immunoprecipitation, fluocytometry and immunofluorescence microscopy, detection of molecules in living cells, in situ localization by techniques such as FISH and GISH.

C. Biophysical Method:

Molecular analysis using UV/visible, fluorescence, circular dichroism, NMR and ESR spectroscopy Molecular structure determination using X-ray diffraction and NMR, Molecular analysis using light scattering, different types of mass spectrometry and surface plasma resonance methods.

D. Statistical Methods:

Measures of central tendency and dispersal; probability distributions (Binomial, Poisson and normal); Sampling distribution; Difference between parametric and non-parametric statistics; Confidence Interval; Errors; Levels of significance; Regression and Correlation; t-test; Analysis of variance; X2 test;; Basic introduction to Muetrovariate statistics, etc.

E. Radiolabeling techniques:

Detection and measurement of different types of radioisotopes normally used in biology, incorporation of radioisotopes in biological tissues and cells, molecular imaging of radioactive material, safety guidelines.

F. Microscopic techniques:

Visulization of cells and subcellular components by light microscopy, resolving powers of different microscopes, microscopy of living cells, scanning and transmission microscopes, different fixation and staining techniques for EM, freeze-etch and freeze- fracture methods for EM, image processing methods in microscopy.

G. Electrophysiological methods:

Single neuron recording, patch-clamp recording, ECG, Brain activity recording, lesion and stimulation of brain, pharmacological testing, PET, MRI, fMRI, CAT .

H. Methods in field biology:

Methods of estimating population density of animals and plants, ranging patterns through direct, indirect and remote observations, sampling methods in the study of behavior, habitat characterization: ground and remote sensing methods.

***

MATHEMATICAL SCIENCES [CODE No. – 12]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III will cover 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II AND PAPER – III

UNIT – 1

Analysis: Elementary set theory, finite, countable and uncountable sets, Real number system as a complete ordered field, Archimedean property, supremum, infimum.

Sequences and series, convergence, limsup, liminf.

Bolzano Weierstrass theorem, Heine Borel theorem.

Continuity, uniform continuity, differentiability, mean value theorem.

Sequences and series of functions, uniform convergence.

Riemann sums and Riemann integral, Improper Integrals.

Monotonic functions, types of discontinuity, functions of bounded variation, Lebesgue measure, Lebesgue integral.

Functions of several variables, directional derivative, partial derivative, derivative as a linear transformation, inverse and implicit function theorems.

Metric spaces, compactness, connectedness. Normed linear Spaces. Spaces of continuous functions as examples.

Linear Algebra: Vector spaces, subspaces, linear dependence, basis, dimension, algebra of linear transformations.

Algebra of matrices, rank and determinant of matrices, linear equations.

Eigenvalues and eigenvectors, Cayley-Hamilton theorem.

Matrix representation of linear transformations. Change of basis, canonical forms, diagonal forms, triangular forms, Jordan forms.

Inner product spaces, orthonormal basis.

Quadratic forms, reduction and classification of quadratic forms

UNIT – 2

Complex Analysis: Algebra of complex numbers, the complex plane, polynomials, power series, transcendental functions such as exponential, trigonometric and hyperbolic functions.

Analytic functions, Cauchy-Riemann equations.

Contour integral, Cauchy's theorem, Cauchy's integral formula, Liouville's theorem, Maximum modulus principle, Schwarz lemma, Open mapping theorem.

Taylor series, Laurent series, calculus of residues.

Conformal mappings, Mobius transformations.

Algebra: Permutations, combinations, pigeon-hole principle, inclusion-exclusion principle, derangements.

Fundamental theorem of arithmetic, divisibility in Z, congruences, Chinese Remainder Theorem, Euler's Ø- function, primitive roots.

Groups, subgroups, normal subgroups, quotient groups, homomorphisms, cyclic groups, permutation groups, Cayley's theorem, class equations, Sylow theorems.

Rings, ideals, prime and maximal ideals, quotient rings, unique factorization domain, principal ideal domain, Euclidean domain.

Polynomial rings and irreducibility criteria.

Fields, finite fields, field extensions, Galois Theory.

Topology: basis, dense sets, subspace and product topology, separation axioms, connectedness and compactness.

UNIT – 3

Ordinary Differential Equations (ODEs):

Existence and uniqueness of solutions of initial value problems for first order ordinary differential equations, singular solutions of first order ODEs, system of first order ODEs.

General theory of homogenous and non-homogeneous linear ODEs, variation of parameters, Sturm-Liouville boundary value problem, Green's function.

Partial Differential Equations (PDEs):

Lagrange and Charpit methods for solving first order PDEs, Cauchy problem for first order PDEs.

Classification of second order PDEs, General solution of higher order PDEs with constant coefficients, Method of separation of variables for Laplace, Heat and Wave equations.

Numerical Analysis :

Numerical solutions of algebraic equations, Method of iteration and Newton-Raphson method, Rate of convergence, Solution of systems of linear algebraic equations using Gauss elimination and Gauss-Seidel methods, Finite differences, Lagrange, Hermite and spline interpolation, Numerical differentiation and integration, Numerical solutions of ODEs using Picard, Euler, modified Euler and Runge-Kutta methods.

Calculus of Variations:

Variation of a functional, Euler-Lagrange equation, Necessary and sufficient conditions for extrema. Variational methods for boundary value problems in ordinary and partial differential equations.

Linear Integral Equations:

Linear integral equation of the first and second kind of Fredholm and Volterra type, Solutions with separable kernels. Characteristic numbers and eigenfunctions, resolvent kernel.

Classical Mechanics:

Generalized coordinates, Lagrange's equations, Hamilton's canonical equations, Hamilton's principle and principle of least action, Two-dimensional motion of rigid bodies, Euler's

dynamical equations for the motion of a rigid body about an axis, theory of small oscillations.

UNIT – 4

Descriptive statistics, exploratory data analysis.

Sample space, discrete probability, independent events, Bayes theorem. Random variables and distribution functions (univariate and multivariate); expectation and moments. Independent random variables, marginal and conditional distributions. Characteristic functions. Probability inequalities (Tchebyshef, Markov, Jensen). Modes of convergence, weak and strong laws of large numbers, Central Limit theorems (i.i.d. case).

Markov chains with finite and countable state space, classification of states, limiting behaviour of n-step transition probabilities, stationary distribution, Poisson and birth-and-death processes.

Standard discrete and continuous univariate distributions. sampling distributions, standard errors and asymptotic distributions, distribution of order statistics and range.

Methods of estimation, properties of estimators, confidence intervals. Tests of hypotheses: most powerful and uniformly most powerful tests, likelihood ratio tests. Analysis of discrete data and chi-square test of goodness of fit. Large sample tests.

Simple nonparametric tests for one and two sample problems, rank correlation and test for independence. Elementary Bayesian inference.

Gauss-Markov models, estimability of parameters, best linear unbiased estimators, confidence intervals, tests for linear hypotheses. Analysis of variance and covariance. Fixed, random and mixed effects models. Simple and multiple linear regression. Elementary regression diagnostics. Logistic regression.

Multivariate normal distribution, Wishart distribution and their properties. Distribution of quadratic forms. Inference for parameters, partial and multiple correlation coefficients and related tests. Data reduction techniques: Principle component analysis, Discriminant analysis, Cluster analysis, Canonical correlation.

Simple random sampling, stratified sampling and systematic sampling. Probability proportional to size sampling. Ratio and regression methods.

Completely randomized designs, randomized block designs and Latin-square designs. Connectedness and orthogonality of block designs, BIBD. 2K factorial experiments: confounding and construction.

Hazard function and failure rates, censoring and life testing, series and parallel systems.

Linear programming problem, simplex methods, duality. Elementary queuing and inventory models. Steady-state solutions of Markovian queuing models: M/M/1, M/M/1 with limited waiting space, M/M/C, M/M/C with limited waiting space, M/G/1.

All students are expected to answer questions from Unit I. Students in mathematics are expected to answer additional question from Unit II and III. Students with in statistics are expected to answer additional question from Unit IV.

***

MUSIC [Code No. – 13]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER-II and PAPER-III (A) [CORE GROUP]

HINDUSTANI, KARNATAK, RABINDRA SANGEET
[VOCAL-INSTRUMENTAL AND MUSICOLOGY]
AND PERCUSSION

1. Technical-Terminology
Nada, Shruti, Swara, Grama-Moorchana, Jati, Raga, Tala, Tan, Gamak, Gandharva-Gaan, Marga-Deshi, Giti, Gaan, Varna, Alankar, Melody, Harmony, Musical Scales, Musical intervals, Consonance-Dissonance, Harmonics, Western and South Indian terminology and their explanation, Drone, Alpatva-Bahutva, Abirbhav-Tirobhav, Uthan, Peshkar, Kayda, Rela, Rang, Laggi, Ladi, Farshbandi, Tala, Laya, Matra, Avartan, Vibhag, Sashabda Kriya, Nishabda Kriya, Theka, Saral Gat, Adi Gat, Chakradar Gat, Framaishi Gat and other variety of Gats and Kayadas, Upanga, Bhashanga, Gita, Kriti, Kirtana, Jatiswara, Pada, Swarjati, Ragmalika, Tillana, Nyasa, Amsa, Prasa, Yati, Anuprasa, Alapana, Neraval, Sangati and other terms, Gitinatya, Nritya-natya, Baitalik, Varsha-Mangal, Basantotsav, Gita-Bitana, Swara-Bitana, Akarmatrik notation, Masitkhani and Rajakhani Gat.

2. Applied theory
Detailed and critical study of Ragas, classification of Ragas, i.e., Grama Raga vargikaran, Mela Raga Vargikaran, Raga-Ragini Vargikaran, Thata Raga Vargikaran, and Raganga Vargikaran, time-theory of Ragas, Application of melody and harmony in Indian Music, Placement of Shuddha and Vikrit Swaras on Shruties in ancient, medieval and modern period.
Detailed knowledge of prevalent talas of Hindustani music, knowledge of tala Dashpranas and Marga and Deshi talas of ancient period, the original principles of making Tihai, Chakradar Gat, Chakradhar Paran, comparative study of Hidustani and Karnataka tala system with special reference to ten pranas of tala, detailed study of different layakaris viz, Dugun, Tigun, Chaugun, Ada, Kuada Viyada and method to apply them in compositions.
Tagore's treatment of Hindustani ragas and raginis, elements of Hindustani classical music, Karnatak music, Western music, music from other provinces, folk music and Kirtan of Bengal and their influence on Tagore's treatment of ragas.

3. Compositional forms and their Evolution
Prabandha, Dhrupada, Khyal, Dhamar, Thumri, Tappa, Tarana, Chaturang, Trivat. Vrindagana, Vrinda Vadan, Javeli, Kriti, Tillana, Alap, Varnam (Pad Varnam and Tana Varnam), Padam, Ragam, Tanam, Pallavi, Gita, Varna, Swarajit, Kalpita, Sangita, Ragamalika, Narvallu, Swara Kalpana (Manodharma Sangeet), Tevaram, Divyaprabandham, Tiruppugazh.
Main forms of Rabindra Sangeet.

Akarmatrik notation system. Knowledge of Devanagri script.
History of music of Bengal.

4. Gharanas and Gayaki

Origin and development of Gharanas in Hindustani music and their contribution in preserving and promoting traditional Hindustani classical music. Merits and demerits of Gharana system.

Origin and development of Gharana in Instrumental music and percussion and their contribution in promoting traditional Indian classical music merits and demerits of Gharana system.

Study of the traditions and specialities of different gharanas in vocal, instrument and percussion group. Desirability and possibility of gharanas in contemporary music.

Guru shishya parampara and different styles of singing and playing in Karnatak Music.

An overall survey of Rabindra Nath Tagore's musical creativity, tonal and rhythmic varieties of Tagore's musical compositions including his own experimental variations. Periods and phases of Tagore's musical. (Chronological order may be maintained).

The Cultural atmosphere of Tagore's family (Pathuriaghata and Jorasanko, Calcutta) Thematic variations of Tagore's Music : (Puja, Swadesh, Prem, Prakriti, Vichitra, Anusthanik).

5. Contribution of Scholars to Indian Music and their textual tradition

Narad, Bharat, Dattil, Matanga, Sharangadeve, Nanyadeve and others. Lochan, Ramamatya, Pundarik Vitthal, Somnath, Damodar Mishra, Ahobal, Hridaya Narain Deva, Vynkatmakhi, Sriniwas, Pt. Bhatkhande, Pt, V. D. Paluskar, Pt. Omkarnath Thakur, K. C. D. Brahaspati, Dr. Premlata Sharma and others.

Study of ancient, medieval and modern treatises in Percussion instruments like Bharat Natyashastra, Sangeet Samaysar, Radha Govind Sangit Sar, Madrul Mosiqui, Bhartiya Vadyoon Ka Itihas, Sangeet Shastra, Bhartiya Sangeet Mei Taal aur Roop, Abhinav Tala Manjari, Bhartiya Sangeet Vadya, and other treatises. Contribution of various Scholars to percussion instruments like Kudau Singh, Bhagwan Das, Raja Chatrapati Singh, Anokhe Lal, medieval and modern period.

Tagore's Musical dramas (gitinatyas) and dance-dramas (nrityanatyas); e.g., Valmiki Pratibha, Kalmrigaya, Mayar Khela, Chitrangada, Chandalika, Shyama and other dramas full of various songs, i.e., dramas like Prayaschita, Visarjan, Saradotsava, Raja, Phalguni, Taser Desh, Vasanta etc. Tagore's musical creativity in Gitabitan, Part I, II, III, Swarabitan (notation books) Part I-63, Sangee-Chinta (Vishva-Bharti).

Contribution of prominent Karnatak Scholars, composers and performers and their medieval and modern period like, work such as. Ramayana, Vyankatmakhi, Tyagraja, Muttu-Swami Dikshitara, Shyama Sastri, Gopal Krishna Bharati, Prof. Sambhamoorti, Papanasam Shivan, Vasantha Kumari, Subbulakshmi, Ramari, T. N. Krishnan and others.

6. Historical Perspective of Music

A study of the historical development of Hindustani music (Vocal, Instrumental, Percussion), Karnatak Music and Rabindra Sangeet in ancient, medieval and modern period.

Contribution of Western Scholars to Indian Music.

7. Aesthetics

Its origin, expression and appreciation : Principle of aesthetics and its relation to Indian Music.

Rasa theory and its application to Indian Music

Relationship of Musical aesthetics and Rasa to Hindustani Music (Vocal, Instrumental and Percussion), Karnatak Music and Rabindra Sangeet.

Interrelationship of Fine Arts with special reference to Rag-Ragini Paintings, Dhyan of Ragas and others.

Bibliography of Rabindra Nath Tagore.

8. Instrument/Dance

Origin, evolution, structure of various instruments and their well-known exponents of Hindustani (Vocal, Instruments and Percussion), Karnatac Music and Rabindra Sangeet. Importance of Tanpura and its Harmonics.

Classification of Instruments of Hindustani, Karnatac Music in ancient, medieval and modern period. Popular instruments used in Rabindra Sangeet

Elementary knowledge of Indian dances like Kathak, Bharatnatyam, Kuchipudi, Oddissi, Kathakali etc.

9. Folk Music

Influence of folk music on Indian Classical Music, Stylisation of folk melodies into ragas.

Popular fork tunes and folk dances of Hindustani, Karnatak and Rabindra Sangeet, such as Baul, Bhatiyali, Lavani, Garba, Kajri, Chaity, Maand, Bhangra, Gidda, Jhoomar, Swang, Pandwani, Amar-Praner Manush Acchhe Prane, Amar Sonar Bangla, Kirtan, Sari, Rai Beshe, Jhumur, Karakattam, Kavadi Attam, Villuppattu, Maiyandi Melam and other prominent folk forms.

Analysis of the elements of Hindustani folk music, Karnatac folk music or South Indian, folk music and Rabindra folk Sangeet or folk music of Bengal and the elements regarding their interrelationship.

Genaral study of the folk music of various regions of India like Uttar Pradesh, Rajasthan, Haryana, Punjab, Maharashtra, Bengal and South India.

10. Music Teaching and Research Technologies

Guru Shishya Parampara, Sangeet-Sampradaya Pradarsini and the institutional system of music teaching with reference to Hindustani, Karnatak music and Rabindra Sangeet.

Utility of teaching aids like electronic equipments in music education with reference to Hindustani, Karnatak music and Rabindra Sangeet.

The methodologies of music research, preparing synopsis, data collection, field work, writing project reports, finding bibliography, reference material etc. with reference to Hindustani, Karnatak music and Rabindra Sangeet.

Study of interrelation between textual and oral tradition.

PAPER - III (B)
[Elective/ Optional]

Elective - I

Aesthetics, Rasa

Elective - II

Gharanas, Baj, Sampradaya, Composers and Musicians.

Elective - III

Interdisciplinary studies in Music such as Music and Philosophy, Music and Religion Music and Culture, Music and Social Sciences, Music and Science.

Elective - IV

New Trends of Indian Music in Post-Independence Era.

Elective - V

Research in Music and its new avenues, Music Education.

Elective - VI

Folk Music, Music Festivals, Temple Music.

संगीत (कोड न.:– 13)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

संगीत

(हिन्दुस्तानी संगीत, कर्नाटरक संगीत, रवीन्द्र संगीत
(गायन–वादन एवं संगीत शास्त्र) तथा अवनद्य वाद्य)

प्रश्न–पत्र – II और प्रश्न–पत्र – III (A) (कोर विभाग)

1- पारिभाषिक शब्दावली

नाद, श्रुति, स्वर, ग्राम–मूर्छना, जाति, राग, ताल, तान, गमक, गांधर्व–गान, मार्ग–देशी, गीति, गान, वर्ण, अलंकार, मेलोडी, हार्मनी, स्वर–सप्तक, स्वर–अन्तराल, संवाद, विवाद, उपस्वर, पाश्चात्य एवं कर्नाटक पारिभाषिक शब्दावाली एवं उनका वर्णन, स्वरित (तानपुरा), अल्पत्व–बहुत्व, आविर्भाव–तिरोभाव, उठान, पेशकार, कायदा, रेला, रंगा, लग्गी, लड़ी, फर्शबन्दी, ताल, लय, मात्रा, आवर्तन, विभाग, सःशब्द क्रिया, निःशब्द क्रिया, ठेका, सरल गत, आदि गत, चक्रदार गत, फरमाइशी गत एवं अतिरिक्त प्रकार की गतें और कायदे, उपांग, भाषांग, गति, कृति, कीर्तन, जातिस्वर, पद, स्वरजाति रागमालिका, तिल्लाना, न्यास, अंश, प्रास, यति, अनुप्रास, अलापना, नरवल, संगति एवं अतिरिक्त पारिभाषिक शब्दावली, गीतिनाट्य, नृत्य–नाट्य, बैतालिक, वर्षा–मंगल, बसन्तोत्सव, गीतवितान, स्वर–वितान, आकारमात्रिक स्वर–लिपि, मसीतखानी, रजाखानी।

2- प्रयोगात्मक शास्त्र

रागों का विस्तृत एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन, रागों का वर्गीकरण ग्राम–राग वर्गीकरण, मेल–राग वर्गीकरण, राग–रागिनी, वर्गीकरण थाट–राग वर्गीकरण एवं रागांग वर्गीकरण, रागों का समय–सिद्धान्त, भारतीय संगीत में मेलोडी एवं हार्मनी का प्रयोग, प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक काल में श्रुतियों पर शुद्ध–विकृत स्वरों का स्थापन।

हिन्दुस्तानी संगीत में प्रचलित तालों का विस्तृत ज्ञान, ताल के दश प्राणों एवं प्राचीन काल के मार्ग तथा देशी तालों का ज्ञान, तिहाई निर्माण के मूल सिद्धान्त, चक्रदार गत, चक्रदार परन, ताल के दश प्राणों के संदर्भ में हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालों का विस्तृत अध्ययन, विभिन्न लयकारियॉ–दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़, बियाड़ एवं उनके क्रियात्मक प्रयोग सम्बन्धित विस्तृत जानकारी।

टैगोर द्वारा हिन्दुस्तानी राग–रागिनियों का प्रयोग, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के तत्व, कर्नाटक संगीत, पाश्चात्य संगीत, विभिन्न प्रान्तों का संगीत, लोक संगीत और बंगाल का कीर्तन एवं टैगोर के राग–प्रयोगों में इनका प्रभाव।

3- गेय विधाएँ तथा उनका क्रमिक विकास

प्रबन्ध, ध्रुपद, ख्याल, धमार, ठुमरी, टप्पा, तराना, चतुरंग, त्रिवट, वृन्द–गान, वृन्द–गायन, जावली, कृति, तिल्लाना, आलाप, वर्णम् (पद–वर्णम् एवं तान–वर्णम्) पदम, रागम्, तानम्, पल्लवी, गीत, वर्ण, स्वरजाति, कल्पित, संगीत, राग–मल्लिका, नेरावल, स्वर–कल्पना (मनोधर्म संगीत), तेवरम्, दिव्यप्रबन्धम्, तिरूप्रूगज।

रवीन्द्र संगीत की मुख्य विधाएँ

'अकारमात्रिक' स्वरलिपि, देवनागरी लिपि का ज्ञान

बंगाल का सांगीतिक इतिहास।

4- घराना और गायकी

हिन्दुस्तानी संगीत में घराना का उद्गम और विकास एवं पारम्परिक हिन्दुस्तानी संगीत की प्रगति तथा संरक्षण में घरानों का सहयोग। घराना पद्धति के गुण–दोष।

कण्ठ, वादन और अवनद्य के प्रमुख घरानों का अध्ययन। वर्तमान में संगीत में घरानों की आवश्यकता तथा सम्भावनाएँ।

कर्नाटक संगीत की गायन और वादन की विभिन्न शैलियाँ और गुरू–शिष्य परम्परा।

रवीन्द्रनाथ टैगोर के सांगीतिक सृजन का सम्पूर्ण सर्वेक्षण; टैगोर की सांगीतिक रचनाओं की स्वरात्मक एवं लयात्मक विविधताएँ (उनके निजी प्रयोगात्मक विविधताओं सहित)।

टैगोर के परिवार का सांस्कृतिक वातावरण (पथूरीयाघाट एवं जोरासाँको, कलकत्ता)

टैगोर संगीत की विषयपरक विविधताएँ (पूजा, स्वदेश, प्रेम, प्रकृति, विचित्र, अनुष्ठानिक)

5- भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान एवं उनकी शास्त्रात्मक परम्परा

नरद, भरत, दत्तिल, मतंग, शारंगदेव, नान्यदेव एवं अन्य। लोचन, रामामात्य, पुंडरीक विट्ठल, सोमनाथ, दामोदर मिश्रा, अहोबल, हृदयनारायण देव, व्यंकटमखी, श्रीनिवास, पं. भातखण्डे, पं. डी. वी. पलुस्कर, पं. ओमकारनाथ ठाकुर, के. सी. डी. बृहस्पति, डॉ. प्रेमलता शर्मा एवं अन्य।

अवनद्य वाद्य सम्बन्धित प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक ग्रंथों–भरत नाट्यशास्त्र, संगीत समयसार, राधागोविन्द संगीत सार, मदरूल मौसीकी, भारतीय वाद्यों का इतिहास, संगीत शास्त्र, भारतीय संगीत में ताल और रूप, अभिनव ताल मंजरी, भारतीय संगीत वाद्य एवं अन्य ग्रंथ। प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल के अवनद्य वाद्यों के विशेषज्ञ जैसे, कुदऊ सिंह, भगवान दास राजा छत्रपति सिंह, अनोखे लाल, अहमद जान थिरकवा, शामता प्रसाद, किशन महाराज एवं अन्य का योगदान।

टैगोर के गीतिनाट्य एवं नृत्य–नाट्य–वाल्मीकि प्रतिभा, कालमृगया, मायार खेला, चित्रांगदा, चंडालिका, श्याम एवं अन्य जिनमें गीतों की बहुलता है। प्रायश्चित्त, विसर्जन, शरदोत्सव, राजा, फाल्गुनी, ताशेर देश, वसन्त आदि नाटक। गीतविज्ञान, भाग 1,2,3 स्वरवितानर (नोटेशन पुस्तक) भाग 1–63, संगीत चिन्ता (विश्वभारती) में टैगोर के सांगीतिक सृजन का ज्ञान।

मध्य एवं आधुनिककाल के कर्नाटक संगीत के प्रमुख शास्त्रज्ञों, रचनाकारों एवं मंचप्रदर्शक कलाकारों का योगदान।

रामामात्य, व्यंकटमुखी, त्यागराज, मुत्थूस्वामी दीक्षितर, श्याम शास्त्री, गोपाल कृष्ण भारती, प्रोफेसर सम्बामूर्ति, पापासनम् शिवन, बसन्त कुमारी, सुब्बूलक्षमी, रामरी, टी.एन. कृष्णन एवं अन्य।

6- संगीत के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में

प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल में हिन्दुस्तानी संगीत (कंठ, वादन तथा अवनद्य), कर्नाटक संगीत, रवीन्द्र संगीत का ऐतिहासिक विकास।

पाश्चात् शास्त्रज्ञों का भारतीय संगीत में योगदान।

7- सौन्दर्यशास्त्र

सौन्दर्यशास्त्र का उद्गम, अभिव्यक्ति और परख; सौन्दर्यशास्त्र के सिद्धान्त एवं भारतीय संगीत से सम्बन्ध।

रस सिद्धान्त एवं भारतीय संगीत में इसका प्रयोग।

हिन्दुस्तानी संगीत (कण्ठ, वादन तथा अवनद्य), कर्नाटक संगीत एवं रवीन्द्र संगीत का सांगीतिक सौन्दर्य शास्त्र तथा रस से सम्बन्ध।

राग–रागिनी चित्रों, राग ध्यान इत्यादि के विशेष सन्दर्भ में ललितकलाओं के पारस्परिक सम्बन्ध का. अध्ययन।

रवीन्द्रनाथ टैगोर की संदर्भ–ग्रन्थ सूची।

8- वाद्य/नृत्य

हिन्दुस्तानी, कर्नाटक तथा रवीन्द्र संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य (गायन, वादन तथा अवनद्य क्षेत्र में), उनकी उत्पत्ति, विकास तथा उनके सुप्रसिद्ध कलाकार। तानपुरा तथा उसके उपस्वरों (Harmonics) का महत्व।

प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक काल में हिन्दुस्तानी तथा कर्नाटक संगीत के वाद्यों का वर्गीकरण। रवीन्द्र संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य।

भारतीय नृत्यों की सामान्य जानकारी : कत्थक, भरतनाट्यम, कुचीपुड़ी, उड़ीसी, कथाकलि आदि।

9- लोक संगीत

भारतीय संगीत पर लोक संगीत का प्रभाव। लोक संगीत का रागों में शैलीगत परिवर्तन।

रवीन्द्र संगीत, हिन्दुस्तानी तथा कर्नाटक संगीत की सुप्रसिद्ध लोक धुनें एवं लोक नृत्य यथा : बाउल, भटियाली, लावनी, गरबा, कजरी, चैती, भाँड, भाँगड़ा, गिद्दा, झूमर, स्वाँग, पण्डवानी, आमार प्राण मानुष आछे प्राण, अमार शोनार बांगला, कीर्तन, सारी, राय बेशे, झूमर, करकट्टम्, कवाड़ीअट्टम, विल्लुपोट्टु, मयण्डीमेलम् तथा अन्य प्रसिद्ध लोक विधाएँ।

हिन्दुस्तानी लोक संगीत, कर्नाटक लोकगीत अथवा दक्षिणी लोक संगीत तथा रवीन्द्र संगीत अथवा बंगाल के लोक संगीत में एक–दूसरें का प्रभावित करने वाले कारकों एवं तत्वों का विश्लेषण।

भारत के विभिन्न प्रान्तों के लोक संगीत का सामान्य अध्ययन : उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, बंगाल आदि तथा दक्षिणी भारत का लोक संगीत।

10- संगीत शिक्षण एवं शोध तकनीक

गुरु–शिष्य परम्परा, संगीत सम्प्रदाय प्रदर्शिनी, हिन्दुस्तानी, कर्नाटक तथा रवीन्द्र संगीत के सन्दर्भ में विद्यालयीन संगीत शिक्षण।

हिन्दुस्तानी, कर्नाटक तथा रवीन्द्र संगीत शिक्षण के सन्दर्भ में इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों एवं शिक्षण में प्रयुक्त की जाने वाली सहायक सामग्री की प्रयोगात्मकता।

हिन्दुस्तानी, कर्नाटक तथा रवीन्द्र संगीत में संगीतात्मक शोध के अन्तर्गत संक्षेपिका, सामग्री संकलन, क्षेत्रीय कार्य, प्रोजेक्ट रिपोर्ट लेखन, संदर्भ ग्रन्थ सूची, संदर्भ सामग्री आदि से सम्बन्धित शोध विधियाँ अथवा शोध प्राविधि। शास्त्रतात्मक तथा मौखिक परम्परा का संगीत में अन्तःसम्बन्ध।

***

PHILOSOPHY [Code No. – 14]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:-

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

1. Classical Indian Philosophy

Vedic and Upanisadic world-views : Rta-the cosmic order, the divine and the human realms; the centrality of the institution of yajna (sacrifice), the concept of rna-duty/obligation; theories of creation

Atman-Self (and not-self), jagrat, svapna, susupti and turiya, Brahaman, sreyas and preyas

Karma, samsara, mokss

Carvaka : Pratyaksa as the only pramana, critique of anumana and sabda, rejection of non-material entities and of dharma and moksa

Jainism : Concept of reality-sat, dravya, guna, paryaya, jiva, ajiva, anekantavada, syadvada and nayavada; theory of knowledge; bondage and liberation

Buddhism : Four noble truths, astangamarga, nirvana, madhyam pratipad, pratityasamutpada, ksanbhangavada, anatmavada

Schools of Buddhism : Vaibhasika, Sautrantika, Yogacara and Madhyamika

Nyaya : Prama and aprama, pramanya and apramanya; pramana : pratyaksa, nirvikalpaka, savikalpaka, laukika and alaukika; anumana : anvayavyatireka, lingaparamarsa, vyapti; classification : vyaptigrahopayas, hetvabhasa, upamana; sabda ; Sakti, laksana, akanksa, yogyata, sannidhi and tatparya, concept of God, arguments for the existence of God, adrsta, nihsryeasa

Vaisesika : Concepts of padartha, dravya, guna, karma, samanya, samavaya, visesa, abhava, causation : Asatkaryavada, samavayi, asamavayi nimitta karana, paramanuvada, adrsta, nihsryeas

Samkhya : Satkaryavada, prakrti and its evolutes, arguments for the existence of prakrti, nature of purusa, arguments for the existence and plurality of purusa relationship between puruasa and prakrti, kaivalya, atheism

Yoga : Patanjali's concept of citta and citta-vrtti, eight-fold path of yoga, the role of God in yoga.

Purva-Mimamsa
Sruti and its importance, atheism of purvamimamsa, classification of srutivakyas, vidhi, nisedha and arthavada, dharma, bhavana, sabdanityavada, jatisaktivada

Kumarila and Prabhakara Schools of mimamsa and their major points of difference, triputi-samvit, jnatata, abhava and anupalabdhi, anvitabhidhanavada, abihitanvayavada

Vedanta

Advaita-Rejection of difference : Adhyasa, maya, three grades of satta, jiva, jivanmukti, vivartavada

Visistadvaita : Saguna Brahman, refutation of maya, aprthaksiddhi, parinamavada, jiva, bhakti and prapatti

Dvaita-Rejection of nirguna Brahman and maya, bheda and saksi, bhakti

2. Modern Western Philosophy

Vivekananda-Practical Vedanta, universal religion

Aurobindo-Evolution, mind and supermind, integral yoga

Iqbal-Self, God, man and superman

Tagore-Religion of man, ideas on education

K. C. Bhattacharyya-Concept of philosophy, subject as freedom, the doctrine of maya.

Radhakrishnan-Intellect and intuition, the idealist view of life

J. Krishnamurti-Freedom from the known, analysis of self

Gandhi-Non-violence, satyagraha, swaraj, critique of modern civilization

Ambedkar-Varna and the caste system, Neo-Buddhism

3. Classical Western Philosophy
Early Greek philosophers, Plato and Aristotle

Ionians, Pythagoras, Parmenides, Heraclitus and Democritus

The Sophits and Socrates

Plato-Theory of knowledge (episteme) and opinion (doxa), theory of Ideas, the method of dialectic, soul and God

Aristotle-Classification of the sciences, the theoretical, the practical and the productive (theoria, praxis, techne), logic as an organon, critique of Plato's theory of Ideas, theory of causation, form and matter, potentially and actually, soul and God

Medieval Philosophy

St. Augstine- Problem of evil

St. Anselm-Ontological argument

St. Thomas Aquinas-Faith and reason, essence and existence, the existence of God

4. Modern Western Philosoph

Rationalism

Descartes : Conception of method and the need for method in philosophy, clarity and distinctness as the criterion of truth, doubt and methodological scepticism, the cogito-intuition or inference? Innate ideas, the 'real' distinction between mind and matter, role of God, proofs for the existence of God, mind-body interactionalism

Spinoza : Substance, Attributes and Mode, the concept of 'God or Nature', the mind-body problem, pantheism, three orders of knowing

Leibniz : Monadology, truths of reason and truths of fact, innateness of all ideas, proofs for the existence of God, principles of non-contradiction, sufficient reason and identity of indiscernibles, the doctrine of pre-established harmony, problem of freedom and philosophy

Empiricism

Locke : Ideas and their classification, refutation of innate ideas, theory of knowledge, three grades of knowledge, theory of substances, distinction between primary and secondary qualities

Berkeley : Rejection of the distinction between primary and secondary qualities, immaterialism, critique of abstract ideas, esse est percipi, the problem of solipsism; God and self

Hume : Impressions and ideas, knowledge concerning relations of ideas and knowledge concerning matters of fact, induction and causality, the external world and the self, personal identity, rejection of metaphysics, scepticism, reason and the passions

Critical Philosophy and After

Kant : The critical philosophy, classification of judgements, possibility of synthetic a priori judgement, the Conpernican revolution, forms of sensibility, categories of understanding, the metaphysical and the transcendental deduction off the categories, phenomenon and noumenon, the Ideas of Reason-soul, God and world as a whole, freedom and immortality, rejection of speculative metaphyiscs

Hegel : The conception of Geist (spirit), the dialectical method, concepts of being, non-being and becoming, absolute idealism

Nietzsche : Critique of western culture, will to power

Moore : Refutation of idealism, defence of commonsense, philosophy and analysis

Russell : Refutation of idealism, logic as the essence of philosophy, logical atomism

Wittgenstein : Language and reality, facts and objects, names and propositions, the picture theory, philosophy and language, meaning and use, forms of life

Husserl : The Husserlian method, intertionality

Heidegger : Being and nothingness, man as being- in-the-world, critique of technological civilization

Logical Positivism : The verifiability theory of meaning, the verification principle, rejection of metaphysics, unity of science

C. S. Pierce and William James : Pragmatic theories of meaning and truth
G. Ryle : Systematically misleading expressions, category mistake, concept of mind, critique of Cartesian dualism

PAPER - III

Note:-

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - III (A)
[CORE GROUP]

Unit - I

Vyavaharika and Paramarthika Satta

Nitya and anitya Dravya

Karanata

Akasa, Dik and Kala

Samanya and Sambandha

Cit, Acit and Atman

Unit - II

Appearance and reality

Being and becoming

Causality, Space and Time

Matter, Mind and Self

Substance and Universals

The problem of personal identity

Unit - III

Prama

Kinds of Pramanas

Khyativada

Pramanyavada

Anvitabhidhanavada and Abhihitanvayavada

Sabdagraha

Unit - IV

Definition of knowledge

Ways of knowing

Theories of error

Theories of truth

Belief and scepticism

Problem of induction

Unit - V

Concept of Pratyaksa in Nyaya

Concept of Pratyaksa in Buddhism

Concept of Pratyaksa in Samkara Vedanta

Nature and kinds of Anumana

Definition and Nature of Vyapti

Hetvabhasa

Unit - VI

Rna and Rta

Purusarthas, Svadharma

Varnadharma and Asramadharma

Niskamakarma and Lokasamgraha

Pancasila and Triratnas

Brahamaviharas

Unit - VII

Good, right, justice

Duty and obligation

Cardinal virtues

Eudaemonism

Freedom and responsibility

Crime and punishment

Unit - VIII

Ethical cognitivism and non-cognitivism

Ethical realism and intuitionism

Kant's moral theory

Kinds of utilitarianism

Human rights and social disparities

Feminism

Unit - IX

Truth and validity

Nature of propositions

Categorical syllogism

Laws of thought

Classification of propositions

Square of opposition

Unit - X

Truth-functions and propositional logic

Quantification and rules of quantification

Decision procedures

Proving validity

Argument and Argument - form

Axiomatic system, consistency, completeness

PAPER - III (B)
[ELECTIVE / OPTIONAL]

Elective – I

[Candidates will be expected to be familiar with the main tenets and practices of the following groups of religions : (1) Hinduism, Buddhism, Jainism and Sikhism; (2) Zoroastrianism, Judaism, Christianity and Islam; (3) tribal religions of India]

Possibility and need of comparative religion, commonality and differences among religions, the nature of inter-religious dialogue and understanding, religious experience, modes of understanding the divine, the theory of liberation, the means for attaining liberation, the God-man relation in religions, world-views (Weltanschaunngen) in religions, immortality, the doctrine of incarnation and prophethood, religious hermeneutics, religion and moral social values, religion and secular society

Elective – II

General :

The linguistic turn and the conception of philosophy

Problems :

Semantics : Frege's distinction between sense and reference, concepts and objects, related problems and their proposed solutions : (a) identity, (b) negative existentials, (c) indirect speech, (d) propositional attitudes, the meaning and role of singular terms : (a) Proper names, (b) definite descriptions, (c) demonstratives and other indexicals; the relation between meaning and truth, holistic and atomistic approach to meaning, what is a theory of meaning?

Pragmatics : Meaning and use; speech acts

[The above problem areas require candidate's familiarity with the works of Frege, Russell, Wittgenstein, Austin, Quine, Strawson, Davidson, Dummett and Searle.]

Elective – III

[The purpose here is to assess the candidate's acquaintance with the central concepts in phenomenology and hermeneutics]

Phenomenology as an approach to the understanding of the human condition, consciousness and intentionality, phenomenology and solipsism, the life-world (Lebenswelt), interpretation, understanding and the human sciences, the idea of the text, conflict of interpretation and the possibilities of agreement, culture, situatedness and interpretation

Elective – IV

[This covers Vedanta philosophy with special reference to five main acharyas viz. Sankara, Ramanuja, Madhava, Nimbarka and Vallabha, The purpose is to test the candidate's acquaintance with Vedanta philosophy in its rich divergent forms]

Sources, general features, similarities and differences, Brahman : Definition and interpretations, distinction between saguna and nirguna and its relevance in the formation of different schools of Vedanta, maya : Its nature, arguments for and against maya, atman : Its nature, relation between atman and Brahman; jiva; interpretation of mahavakyas, e.g. tat tvam asi, moksa : Nature and types, marga or sadhana, roles played by jnana, karma and bhakti, different conceptions of bhakti, theories of causation, Brahman as the cause of the world : Different interpretations, prama, pramanas, special role played by sabda pramana and intuition (saksatkara/ aparoksanubhuti), theories of khyatis

Elective – V

[The intention here is to explore the availability of Gandhian ideas in the central debates in philosophy]

Conceptions of knowledge, truth and love and their relationship, language, understanding and culture, engagement with tradition, self, world and God, woman, sexuality and brahamacharya, moral foundations of good life : Dharma, swaraj, satyagraha and ahimsa, community and fellowship; the good society : statelessness, trusteeship, sarvodaya, panchayati raj, religion, tapasya, service, means-end relationship, Gandhi and the Gandhians : break, continuity and innovation

***

दर्शनशास्त्र (कोड न.:– 14)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न–पत्र – II

टिप्पणी:

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

1- प्राचीन भारतीय दर्शन

वैदिक एवं औपनिषद् विश्व–दृष्टि ; ऋत–विश्वव्यवस्था दैवी एवं मानवीय क्षेत्र; यज्ञ संस्थान की केन्द्रीभूतता, ऋण की अवधारणा–कर्त्तव्य/नैतिक बाध्यता; सृष्टि के सिद्धान्त

आत्मा एवं अनात्मा, जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति तथा तुरीय, ब्रह्म, श्रेयः तथा प्रेयः

कर्म, संसार, मोक्ष

चार्वाक : प्रत्यक्षमात्र प्रमाण, अनुमान तथा शब्द की समीक्षा, अभौतिक पदार्थों, धर्म तथा मोक्ष का निराकरण

जैन दर्शन : वस्तु की अवधारणा–सत्, द्रव्य, गुण, पर्याय, जीव, अजीव, अनेकान्तवाद, स्याद्वाद और नयवाद; ज्ञानमीमांसा, बन्ध एवं मोक्ष

बौद्धधर्म : चार आर्य सत्य, अष्टांगमार्ग, निर्वाण, मध्यम प्रतिपद, प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद

बौद्धदर्शन के सम्प्रदाय : वैभाषिक, सौत्रान्तिक, योगाचार तथा माध्यमिक

न्याय : प्रमा तथा अप्रमा, प्रामाण्य एवं अप्रामाण्य : प्रमाण : प्रत्यक्ष, निर्विकल्पक, सविकल्पक, लौकिक और अलौकिक; अनुमान : अन्वयव्यतिरेक, लिंगपरामर्श, व्याप्ति, वर्गीकरणः व्याप्तिग्रहोपाय, हेत्वाभास, उपमान; शब्द : शक्ति, लक्षणा, आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि तथा तात्पर्य, ईश्वर की अवधारणा : ईश्वर की अस्तित्वसिद्धि के लिए युक्तियाँ, अदृष्ट, निःश्रेयस

वैशेषिक : पदार्थों की अवधारणा, द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, समवाय, विशेष, अभाव, कारणता : असत्कार्यवाद, समवायि, असमवायि, निमित्त्स कारण, परमाणुवादए अदृष्ट, निःश्रेयस

सांख्य : सत्कार्यवाद, प्रकृति और उसके परिणाम, प्रकृति की अस्तित्वसिद्धि के लिए युक्तियाँ, पुरुष का स्वरूप अस्तित्व और बहुत्व के लिए युक्तियाँ, पुरुष और प्रकृति का सम्बन्ध, कैवल्य, निरीश्वरवाद

योग : पतंजलि की चित्त और चित्त–वृत्तियों की अवधारणा, योग का अश्टांगमार्ग, योग में ईश्वर की भूमिका

पूर्वमीमांसा

श्रुति तथा उसका महत्व, पूर्वमीमांसा का अनीश्वरवाद, श्रुतिवाक्यों का वर्गीकरण, विधि, निषेध और अर्थवाद, धर्म, भावना, शब्दानित्यवाद, जातिशक्तिवाद

मीमांसा के कुमारिल एवं प्रभाकर सम्प्रदाय तथा उनके प्रमुख मतभेद, त्रिपुटी–संवित् ज्ञातता, अभाव और अनुपलब्धि, अन्विताभिधानवाद, अभिहितान्वयवाद

वेदान्त

अद्वैत : भेद निरास : अध्यास, माया, सत्ता त्रैविध्य, जीव, जीवन्मुक्ति, विवर्तवाद

विशिष्टाद्वैत : सगुण ब्रह्म, माया का निराकरण, अपृथक्सिद्धि, परिणामवाद, जीव, भक्ति एवं प्रपत्ति

द्वैत : निर्गुण ब्रह्म एवं माया का निराकरण, भेद तथा साक्षी, भक्ति

2- आधुनिक भारतीय चिन्तक

विवेकानन्द : व्यावहारिक वेदान्त, सार्वभौम धर्म

अरविन्द : विकास, मन और अतिमन समग्र योग

इकबाल : आत्मा, ईश्वर, मानव और अतिमानव

टैगोर : मानवधर्म, शिक्षा सम्बन्धी विचार

के. सी. भट्टारचार्य : दर्शन की अवधारणा, विषय की स्वातंत्र्यरूपता, मायावाद

राधाकृष्णन् : बुद्धि तथा अन्तःप्रज्ञा, जीवन की आदर्शपरक दृष्टि

जे. कृष्णमूर्ति : ज्ञेयस्वातंत्र्य, आत्मविश्लेषण

गाँधी : अहिंसा, सत्याग्रह, स्वराज, आधुनिक सभ्यता की समीक्षा

अम्बेडकर : वर्ण एवं जाति व्यवस्था, नव्य–बौद्धवाद

3- प्राचीन पाश्चात्य दर्शन

प्राचीन ग्रीक दार्शनिक, प्लेटो और अरस्तू

आयोनिअन्स, पायथागोरस, पारमनाइडस, हेराक्लिटस और डेमॉक्रिटस

सोफिस्ट और सुकरात

प्लेटो : ज्ञानमीमांसा, ज्ञान (episteme) और मत (doxa), प्रत्यय सिद्धान्त, द्वन्द्वात्मकता की पद्धति, आत्मा और ईश्वर

अरस्तू : विज्ञानों का वर्गीकरण, सैद्धान्तिक, व्यावहारिक तथा औत्पादिक, तर्कशास्त्र का अंगीभूत स्वरूप, प्लेटो के प्रत्यय सिद्धान्त की आलोचना, कारणता सिद्धान्त, आकार एवं जड़द्रव्य, संभाव्यता एवं साकारता, आत्मा और ईश्वर

मध्यकालीन दर्शन

सेंट ऑगस्टीन : अशुभ की समस्या

सेंट ॲन्स्लेम : सत्ताशास्त्रीय युक्ति

सेंट थॉमस अक्वेनास : श्रद्धा और बुद्धि, सारत्व एवं अस्तित्व, ईश्वर का अस्तित्व

4- आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

बुद्धिवाद

डेकार्त : दार्शनिक पद्धति की अवधारणा और दर्शन के लिए पद्धति की आवश्यकता, सत्य की कसौटी के रूप में स्पष्टता और सुनिश्चितता, संशय एवं संशयवाद, 'कोजिटो'–अंतःप्रज्ञा या अनुमान

? जन्मजातक प्रत्यय, 'सत्' मन और जड़द्रव्य में भेद, ईश्वर की भूमिका, ईश्वर के अस्तित्व के लिए युक्तियाँ, देह–मन अन्तर्क्रियावाद

स्पिनोजा : द्रव्य, गुण एवं प्रकार, 'ईश्वर या निसर्ग' की अवधारणा, देह–मन समस्या, सर्वेश्वरवाद, ज्ञानप्रक्रिया के तीन स्तर

लाइब्नीज : मोनेडोलॉजी (चिदणुवाद), बुद्धि तथा तथ्य विषयक सत्यों में भेद, प्रत्ययों का जन्मजात रूप, ईश्वर के अस्तित्व के लिए युक्तियाँ, अविरोध, पर्याप्त कारण तथा अविरुद्धों में तादात्म्य के तत्व, पूर्व–स्थापित सामंजस्य का सिद्धान्त, स्वातंत्र्य तथा दर्शन की समस्या

अनुभववाद

लॉक : प्रत्यय तथा उनका वर्गीकरण, जन्मजात प्रत्ययों की आलोचना, ज्ञानमीमांसा; ज्ञान के तीन स्तर, द्रव्य विषयक सिद्धान्त, प्राथमिक तथा गौण गुणों में भेद

बर्कले : प्राथमिक तथा गौण गुणों का खण्डन, अभौतिकवाद, अमूर्त प्रत्ययों की आलोचना, दृष्टि–सृष्टिवाद (एसे–एस्ट–पर्सिपाय), अहंमात्रतावाद की समस्या, ईश्वर और आत्म

ह्यूम : प्रत्यय एवं संस्कार, प्रत्यय–विषयक सम्बन्ध तथा वस्तुस्थिति–विषयक सम्बन्ध का ज्ञान, आगमन तथा कारणता, बाह्य जगत् एवं आत्म, वैयक्तिक तादात्म्य, तत्वमीमांसा का खण्डन, संशयवाद, बुद्धि एवं भावना

समीक्षादर्शन और तदुपरान्त

कान्ट : समीक्षादर्शन, निर्णयों का वर्गीकरण, संश्लेषणात्मक प्रागुनभविक निर्णय की सम्भावना, कोपर्निकीय क्रांति, इंद्रिय अनुभव के माध्यम, बुद्धि की मूल धारणाएँ, प्रपंचात्मक एवं मूल वस्तुएँ, तथ्य और परासत्त, बुद्धि के प्रत्यय–आत्मा, ईश्वर तथा जगत् का सम्पूर्ण, स्वातंत्र्य एवं अमरता, संकल्पनात्मक तत्वमीमांसाशास्त्र का खण्डन

हेगेल : आत्मा (चित्ति) की अवधारणा; द्वन्द्वात्मक प्रणाली, सत्ता, असत्ता तथा संघटना की अवधारणाएँ, निरपेक्ष प्रत्ययवाद

नीत्शे : पश्चिमी सभ्यता की आलोचना सामर्थ्य–संकल्प

मूर : प्रत्ययवाद का खण्डन, सामान्य समझ का समर्थन, दर्शन और विश्लेषण

रसेल : प्रत्ययवाद का खण्डन, दर्शन के सार रूप में तर्कशास्त्र, तार्किक अणुवाद

विट्गेन्स्टाईन : भाषा और सद्वस्तु, तथ्य और विषय, नाम और प्रतिज्ञप्तियाँ, चित्र सिद्धान्त, दर्शन और भाषा, शब्दार्थ और उपयोग, जीवन के प्रकार

हुसर्ल : हुसर्ल की प्रणाली, विषयोन्मुखता (विषयाभिगतता या बिल पेक्षता)

हाइडेगर : सत्ता और असत्ता, जगत् में स्थापित सत्ता के रूप में मनुष्य, तकनीकी सभ्यता की आलोचना

तर्कीय प्रत्ययवाद : अर्थ का सत्यापनता सिद्धान्त, सत्यापन का तत्व, तत्वमीमांसा का खण्डन, विज्ञानों का एकीकरण

सी. एस. पीअर्स और विलियमजेम्स : अर्थ तथा सत्य के अर्थक्रियात्मक सिद्धान्त

जी. राइल : भ्रामक अभिव्यक्तियों का सिद्धान्त, श्रेणीपरक भूल, मन की अवधारणा, डेकार्टीय द्वैतवाद की आलोचना

प्रश्न–पत्र – III

टिप्पणी:

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न–पत्र – III (A)
(कोर विभाग)

इकाई – I

व्यावहारिक तथा पारमार्थिक सत्ता

नित्य एवं अनित्य द्रव्य

कारणता

आकाश, दिक् तथा काल

सामान्य एवं सम्बन्ध

चित्, अचित् तथा आत्मन्

इकाई – II

आभास और सत्

सत् एवं संघटना (बिकमिंग)

कारणता, देश तथा काल

जड़तत्व, मन (माइन्ड) एवं आत्म

द्रव्य तथा सामान्य (सार्वभौम प्रत्यय)

वैयक्तिक तादात्म्य (पर्सनल आइडेन्टीटी) की समस्या

इकाई – III

प्रमा

प्रमाण के प्रकार

ख्यातिवाद

प्रामाण्यवाद

अन्विताभिधानवाद एवं अभिहितान्वयवाद

शब्दग्रह

इकाई – IV

ज्ञान की परिभाषा

ज्ञान के साधन

भ्रान्ति के सिद्धान्त

सत्य के सिद्धान्त

विश्वास तथा संदेहवाद

आगमन की समस्या

इकाई – V

न्याय में प्रत्यक्ष की अवधारणा

बौद्ध दर्शन में प्रत्यक्ष की अवधारणा

शांकर वेदान्त में प्रत्यक्ष की अवधारणा

अनुमान का स्वरूप एवं प्रकार

व्याप्ति की परिभाषा एवं स्वरूप

हेत्वाभास

इकाई – VI

ऋण तथा ऋत

पुरुषार्थ, स्वधर्म

वर्ण–धर्म तथा आश्रमधर्म

निष्कामकर्म एवं लोकसंग्रह

पंचशील तथा त्रिरत्न

ब्रह्मविहार

इकाई – VII

शुभ, उचित, न्याय

कर्त्तव्य एवं नैतिक बाध्यता

प्रधान सद्गुण

युडामोनिज्म

स्वतंत्रता एवं उत्तरदायित्व

अपराध एवं दंड

इकाई – VIII

नीतिशास्त्रीय संज्ञानवाद तथा असंज्ञानवाद

नीतिशास्त्रीय वस्तुवाद तथा अन्तर्प्रज्ञावाद

कांट का नैतिक सिद्धान्त

उपयोगितावाद के प्रकार

मानव अधिकार एवं सामाजिक असामनता

स्त्रीवाद

इकाई – IX

सत्य एवं वैधता

तर्कवाक्य का स्वरूप

निरपेक्ष न्यायवाक्य

विचार के नियम

तर्कवाक्यों का वर्गीकरण

विरोध का चतुष्कोण

इकाई – X

तार्किक फलन एवं विधान–तर्कशास्त्र

परिमाणन एवं परिमाणन के नियम

निर्णय की प्रक्रिया

वैधता का सिद्धान्त

युक्तिवाद तथा युक्तिवाद का आकार

स्वयंसिद्ध प्रणाली, सुसंगति, पूर्णता

प्रश्न–पत्र – III (B)
(ऐच्छिक / वैकल्पिक)

ऐच्छिक – I

(धर्मों के निम्नलिखित समूहों के मुख्य सिद्धान्तों एवं अनुष्ठानों से परीक्षार्थियों के परिचित होने की अपेक्षा की जाती है : (1) हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म एवं सिक्ख धर्म; (2) यहूदी धर्म, पारसी धर्म, ईसाई धर्म तथा इस्लाम; (3) भारत के आदिवासी धर्म)

तुलनात्मक धर्म की सम्भावना एवं आवश्यकता, धर्मों के मध्य समानता तथा भिन्नता, अन्तर–धार्मिक (अन्तःधार्मिक) संवाद एवं सम्बोध का स्वरूप, धार्मिक अनुभव, दिव्य के अवबोध के प्रकार, मोक्ष का सिद्धान्त, मोक्ष–प्राप्ति के साधन, धर्मों के ईश्वर तथा मानव का सम्बन्ध, धर्मों में विश्व–दृष्टि, अमरत्व, अवतारवाद तथा पैगम्बरवाद के सिद्धान्त, धार्मिक शब्दार्थमीमांसा, धर्म तथा नैतिक सामाजिक मूल्य, धर्म एवं धर्मनिरपेक्ष समाज।

ऐच्छिक – II

सामान्य :

भाषायी मोड़ (प्रवृत्ति) एवं दर्शन की अवधारणा

समस्याएँ :

शब्दार्थशास्त्र : प्रयुक्त शब्द (सेन्स) तथा शब्द–निर्देश (रेफरेन्स) में फ्रेगेकृत भेद; अवधारणाएँ तथा वस्तुएँ, सम्बद्ध समस्याएँ तथा उसके प्रस्तावित समाधान : (a) तादात्म्य, (b) निषेधात्मक अस्तित्वपरक तत्व, (c) अप्रत्यक्ष वाणी, (d) प्रतिज्ञप्तात्मक अभिवृत्ति, एकान्तिक (सिंग्यूलर) पदों का अर्थ तथा भूमिका : (a) व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ अथवा नाम, (b) निश्चित वर्णन, (c) प्रदर्शनात्मक पद तथा अन्य अनुक्रमणिक पद; अर्थ एवं सत्य के मध्य सम्बन्ध, अर्थ–विषयक समग्रतापरक तथा आणविक दृष्टि, अर्थ का सिद्धान्त क्या है?

क्रियात्मकताशास्त्र : अर्थ तथा अनुप्रयोग, वाणी के कार्य

(उपर्युक्त समस्यात्मक क्षेत्रों के सम्बन्ध में अभ्यर्थी का फ्रेगे, रसल, विट्गेन्स्टाइन, ऑस्टिन, क्वॉइन, स्ट्रॉसन, डेविडसन, ड्यूमेट तथा सर्ल के ग्रंथों से परिचित होना अपेक्षित है)

ऐच्छिक – III

(इस समूह का उद्देश्य फिनोमिनोलॉजी तथा शब्दार्थमीमांसा की केन्द्रीय अवधारणाओं विषयक परीक्षार्थी के नाम का आकलन है।)

मानवीय दशा के बोध के प्रयास के रूप में फिनोमिनोलॉजी, चेतना तथा अभिप्राय / साभिप्रायता, फिनोमिनोलॉजी तथा अहंमात्रतावाद, जीवन–विश्व, व्याख्या, बोध तथा मानव विज्ञान, मूल ग्रंथा का प्रत्यय, व्याख्या में मतभेद तथा सहमति की सम्भावना, संस्कृति, परिस्थिति संलग्नता तथा व्याख्या।

ऐच्छिक – IV

(यह प्रश्न–पत्र आचार्य शंकर, रामानुज, मध्व, निम्बार्क तथा वल्लभ के विशेष संदर्भ में वेदान्त दर्शन से संबंधित है। इसका उद्देश्य अभ्यर्थियों के वेदान्त दर्शन के विभिन्न रूपों तथा उनके समृद्ध दर्शन के ज्ञान के परीक्षण में निहित है।)

स्त्रोत, सामान्य विशेषताएँ, समानताएँ एवं उनके पारस्परिक मतभेद, ब्रह्म : लक्षण तथा व्याख्याएँ, सगुण एवं निर्गुण का भेद तथा वेदान्त के विभिन्न सम्प्रदायों की संघटना में इसकी प्रासंगिकता, माया : स्वरूप, माया की समर्थक तथा विरोधी युक्तियाँ, आत्मा : स्वरूप, आत्मा तथा ब्रह्म का सम्बन्ध, जीव, 'तत् त्वम् असि' आदि महावाक्यों की व्याख्या, मोक्ष : स्वरूप एवं प्रकार, मार्ग अथवा साधना, ज्ञान, कर्म और भक्ति की भूमिका, भक्ति सम्बन्धी विभिन्न अवधारणाएँ, कारणता के सिद्धान्त, जगत् के कारणच के रूप में ब्रह्म : विभिन्न व्याख्याएँ, प्रमा, प्रमाण, शब्द प्रमाण तथा अपरोक्षानुभूति की विशिष्ट भूमिका, ख्याति के सिद्धान्त।

ऐच्छिक – V

(इसका उद्देश्य दर्शनशास्त्र के प्रमुख वाद–विवाद में गाँधी के विचारों की उपलब्धि की सम्भावना है।)

ज्ञान, सत्य तथा प्रेम एवं उनके पारस्परिक सम्बन्ध की अवधारणाएँ, भाषा, अवबोध एवं संस्कृति, परम्परा से सम्बन्ध, आत्मा, जगत् और ईश्वर, नारी, कामुकता तथा ब्रह्मचर्य, आदर्श जीवन के नैतिक आधार : धर्म, स्वराज, सत्याग्रह तथा अहिंसा, समुदाय तथा बंधुत्व, आदर्श समाज : राज्यविहीनता, न्यासिता, सर्वोदय, पंचायती राज, धर्म, तपस्या, सेवा, साधन–साध्य सम्बन्ध, गाँधी एवं गाँधीवादी : अवरोध, नैरन्तर्य तथा नवीकरण।

***

PHYSICAL SCIENCES [CODE No. – 15]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III will cover 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II AND PAPER – III

PART 'A' CORE

I. Mathematical Methods of Physics

Dimensional analysis. Vector algebra and vector calculus. Linear algebra, matrices, Cayley Hamilton Theorem. Eigenvalues and eigenvectors. Linear ordinary differential equations of first & second order, Special functions (Hermite, Bessel, Laguerre and Legendre functions). Fourier series, Fourier and Laplace transforms. Elements of complex analysis, analytic functions; Taylor & Laurent series; poles, residues and evaluation of integrals. Elementary probability theory, random variables, binomial, Poisson and normal distributions. Central limit theorem.

II. Classical Mechanics

Newton's laws. Dynamical systems, Phase space dynamics, stability analysis. Central force motions. Two body Collisions - scattering in laboratory and Centre of mass frames. Rigid body dynamics- moment of inertia tensor. Non-inertial frames and pseudoforces. Variational principle. Generalized coordinates. Lagrangian and Hamiltonian formalism and equations of motion. Conservation laws and cyclic coordinates. Periodic motion: small oscillations, normal modes. Special theory of relativity- Lorentz transformations, relativistic kinematics and mass–energy equivalence.

III. Electromagnetic Theory Electrostatics: Gauss's law and its applications, Laplace and Poisson equations, boundary value problems. Magnetostatics: Biot-Savart law, Ampere's theorem. Electromagnetic induction. Maxwell's equations in free space and linear isotropic media; boundary conditions on the fields at interfaces. Scalar and vector potentials, gauge invariance. Electromagnetic waves in free space. Dielectrics and conductors. Reflection and refraction, polarization, Fresnel's law, interference, coherence, and diffraction. Dynamics of charged particles in static and uniform electromagnetic fields.

IV. Quantum Mechanics

Wave-particle duality. Schrödinger equation (time-dependent and time-independent). Eigenvalue problems (particle in a box, harmonic oscillator, etc.). Tunneling through a barrier. Wave-function in coordinate and momentum representations. Commutators and Heisenberg uncertainty principle. Dirac notation for state vectors. Motion in a central potential: orbital angular momentum, angular momentum algebra, spin, addition of angular momenta; Hydrogen atom. Stern-Gerlach experiment. Time-independent perturbation theory and applications. Variational method. Time dependent perturbation theory and

Fermi's golden rule, selection rules. Identical particles, Pauli exclusion principle, spin-statistics connection.

V. Thermodynamic and Statistical Physics

Laws of thermodynamics and their consequences. Thermodynamic potentials, Maxwell relations, chemical potential, phase equilibria. Phase space, micro- and macro-states. Micro-canonical, canonical and grand-canonical ensembles and partition functions. Free energy and its connection with thermodynamic quantities. Classical and quantum statistics. Ideal Bose and Fermi gases. Principle of detailed balance. Blackbody radiation and Planck's distribution law.

VI. Electronics and Experimental Methods

Semiconductor devices (diodes, junctions, transistors, field effect devices, homo- and hetero-junction devices), device structure, device characteristics, frequency dependence and applications. Opto-electronic devices (solar cells, photo-detectors, LEDs). Operational amplifiers and their applications. Digital techniques and applications (registers, counters, comparators and similar circuits). A/D and D/A converters. Microprocessor and microcontroller basics.

Data interpretation and analysis. Precision and accuracy. Error analysis, propagation of errors. Least squares fitting,

PART 'B' ADVANCED

I. Mathematical Methods of Physics

Green's function. Partial differential equations (Laplace, wave and heat equations in two and three dimensions). Elements of computational techniques: root of functions, interpolation, extrapolation, integration by trapezoid and Simpson's rule, Solution of first order differential equation using Runge-Kutta method. Finite difference methods. Tensors. Introductory group theory: SU(2), O(3).

II. Classical Mechanics

Dynamical systems, Phase space dynamics, stability analysis. Poisson brackets and canonical transformations. Symmetry, invariance and Noether's theorem. Hamilton-Jacobi theory.

III. Electromagnetic Theory

Dispersion relations in plasma. Lorentz invariance of Maxwell's equation. Transmission lines and wave guides. Radiation- from moving charges and dipoles and retarded potentials.

IV. Quantum Mechanics

Spin-orbit coupling, fine structure. WKB approximation. Elementary theory of scattering: phase shifts, partial waves, Born approximation. Relativistic quantum mechanics: Klein-Gordon and Dirac equations. Semi-classical theory of radiation.

V. Thermodynamic and Statistical Physics

First- and second-order phase transitions. Diamagnetism, paramagnetism, and ferromagnetism. Ising model. Bose-Einstein condensation. Diffusion equation. Random walk and Brownian motion. Introduction to nonequilibrium processes.

VI. Electronics and Experimental Methods

Linear and nonlinear curve fitting, chi-square test. Transducers (temperature, pressure/vacuum, magnetic fields, vibration, optical, and particle detectors). Measurement and control. Signal conditioning and recovery. Impedance matching, amplification (Op-amp

based, instrumentation amp, feedback), filtering and noise reduction, shielding and grounding. Fourier transforms, lock-in detector, box-car integrator, modulation techniques.

High frequency devices (including generators and detectors).

VII. Atomic & Molecular Physics

Quantum states of an electron in an atom. Electron spin. Spectrum of helium and alkali atom. Relativistic corrections for energy levels of hydrogen atom, hyperfine structure and isotopic shift, width of spectrum lines, LS & JJ couplings. Zeeman, Paschen-Bach & Stark effects. Electron spin resonance. Nuclear magnetic resonance, chemical shift. Frank-Condon principle. Born-Oppenheimer approximation. Electronic, rotational, vibrational and Raman spectra of diatomic molecules, selection rules. Lasers: spontaneous and stimulated emission, Einstein A & B coefficients. Optical pumping, population inversion, rate equation. Modes of resonators and coherence length.

VIII. Condensed Matter Physics

Bravais lattices. Reciprocal lattice. Diffraction and the structure factor. Bonding of solids. Elastic properties, phonons, lattice specific heat. Free electron theory and electronic specific heat. Response and relaxation phenomena. Drude model of electrical and thermal conductivity. Hall effect and thermoelectric power. Electron motion in a periodic potential, band theory of solids: metals, insulators and semiconductors. Superconductivity: type-I and type-II superconductors. Josephson junctions. Superfluidity. Defects and dislocations. Ordered phases of matter: translational and orientational order, kinds of liquid crystalline order. Quasi crystals.

IX. Nuclear and Particle Physics

Basic nuclear properties: size, shape and charge distribution, spin and parity. Binding energy, semi-empirical mass formula, liquid drop model. Nature of the nuclear force, form of nucleon-nucleon potential, charge-independence and charge-symmetry of nuclear forces. Deuteron problem. Evidence of shell structure, single-particle shell model, its validity and limitations. Rotational spectra. Elementary ideas of alpha, beta and gamma decays and their selection rules. Fission and fusion. Nuclear reactions, reaction mechanism, compound nuclei and direct reactions.

Classification of fundamental forces. Elementary particles and their quantum numbers (charge, spin, parity, isospin, strangeness, etc.). Gellmann-Nishijima formula. Quark model, baryons and mesons. C, P, and T invariance. Application of symmetry arguments to particle reactions. Parity non-conservation in weak interaction. Relativistic kinematics.

***

POLITICAL SCIENCE [Code No. – 16]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:- The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

1. Political Theory and Thought

Ancient Indian Political Thought : Kautilya and Shanti Parva.

Greek Political Thought : Plato and Aristotle.

European Thought – I : Machiavelli, Hobbes, Locke, Rousseau.

European Thought – II : Bentham, J. S. Mill, Hegel, Marx and Green.

Contemporary Political Thought – I : Lenin, Mao, Gramsci.

Contemporary Political Thought – II : Rawls, Nozic and Communications.

Modern Indian Thought : Gandhi, M. N. Roy, Aurobindo Ghosh, Joy Prakash Ambedkar, Savarkar.

Concepts and Issue – I : Medieval Political Thought : Church State Relationship and Theory of Two Swords.

Concepts and Issue – II : Behaviouralism and Post-Behaviouralism, Decline and Resurgence of Political Theory.

Democracy, Liberty and Equality.

2. Comparative Politics and Political Analysis

Evolution of Comparative Politics as a discipline; nature and scope.

Approaches to the study of comparative politics : Traditional, Structural-Functional, Systems and Marxist.

Constitutionalism : Concepts, Problems and Limitations.

Forms of Government : Unitary – Federal, Parliamentary – Presidential.

Organs of Government : Executive, Legislature, Judiciary – their interrelationship in comparative perspective.

Party Systems and Pressure Groups; Electoral Systems.

Bureaucracy – types and roles.

Political Development and Political Modernization.

Political Culture, Political Socialization and Political Communication.

Political Elite; Elitist theory of Democracy.

Power, Authority and Legitimacy.

Revolution : Theories and Types.

Dependency : Development and Under Development.

3. Indian Government and Politics

National Movement, Constitutional Developments and the Making of Indian Constitution.

Ideological Bases of the Indian Constitution, Preamble, Fundamental Rights and Duties and Directive Principles.

Constitution as Instrument of Socio-Economic Change, Constitutional Amendments and Review.

Structure and Process – I : President, Prime Minister, Council of Ministers, Working of the Parliamentary System.

Structure and Process – II : Governor, Chief Minister, Council of Ministers, State Legislature.
Panchayati Raj Institutions : Rural and Urban, their working.
Federalism : Theory and Practice in India; Demands of Autonomy and Separatist Movements, Emerging trends in Centre-State Relations.
Judiciary : Supreme Court, High Courts, Judicial Review, Judicial Activism Including Public Interest Litigation cases, Judicial Reforms.
Political Parties, Pressure Groups, Public Opinion, Media; Subaltern and Peasant Movements.
Elections, Electoral Behaviour, Election Commission and Electoral Reforms.

4. Public Administration
Development of Public Administration as a discipline; Approaches to the study of Public Administration : Decision-making, Ecological and Systems; Development Administration.
Theories of organization.
Principles of organization : Line and staff, unity of command, hierarchy, span of control, centralization and decentralization, Types of organization – formal and informal; Forms of organization; department, public corporation and board.
Chief Executive : Types, functions and roles.
Personnel administration : Recruitment, Training, Promotion, Discipline, Morale; Employee-Employer Relations.
Bureaucracy : Theories, Types and Roles; Max Weber and his critics. Civil servant – Minister relationships.
Leadership, its role in decision-making; Communication.
Financial Administration ; Budget, Audit, Control over Finance with special
referenc to India and UK.
Good Governance; Problems of Administrative Corruption; Transparency and Accountability; Right to Information.
Grievance Redressal Institutions : Ombudsman, Lokpal and Lokayukta.

5. International Relations
Contending Theories and Approaches to the study of International Relations; Idealist, Realist, Systems, Game, Communication and Decision-making.
Power, Interest and Ideology in International Relations; Elements of Power : Acquisition, use and limitations of power, Perception, Formulation and Promotion of National Interest, Meaning, Role and Relevance of Ideology in International Relations.
Arms and Wars : Nature, causes and types of wars/conflicts including ethnic disputes; conventional, Nuclear/bio-chemical wars; deterrence, Arms race, Arms control and Disarmament.
Peaceful settlement of disputes, conflict resolution, Diplomacy, World-order and Peace studies.
Cold war, Alliances, Non-alignment, End of Cold war, Globalisation.
Rights and Duties of states in international law, intervention, Treaty law, prevention and abolition of war.
Political Economy of International Relations; New International Economic Order, North-South Dialogue, South-South Cooperation, WTO, Neo-colonialism and Dependency.
Regional and sub-regional organizations especially SAARC, ASEAN, OPEC, OAS.
United Nations : Aims, Objectives, Structure and Evaluation of the working of UN; Peace and Development perspectives; Charter Revision; Power-struggle and Diplomacy with UN, Financing and Peace-keeping operations.
India's Role in International affairs : India's relations with its neighbours, wars, security concerns and pacts, Mediatory Role, distinguishing features of Indian Foreign Policy and Diplomacy.

Paper - III

Note:- The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - III (A and B)
(CORE GROUP & ELECTIVE / OPTIONAL)

Unit – I

Political Theory

- Nature of Political Theory, its main concerns, decline and resurgence since 1970s
- Liberalism and Marxism
- Individual and Social Justice
- Role of Ideology
- Theories of change : Lenin, Mao, Gandhi

Unit – II

Political Thought

- Plato and Aristotle
- Machiavelli
- Hobbes, Locke, Rousseau and J. S. Mill
- Karl Marx
- Gandhi, M. N. Roy, Aurobindo Ghosh

Unit – III

Comparative Politics and Political Analysis

- Approaches to the study of comparative Politics
- Constitutionalism in theory and practice
- Executive, Legislature and Judiciary with special reference to India, USA, UK and Switzerland
- Party system and role of opposition. Electoral Process
- Seperation of Powers, Rule of Law and Judicial Review

Unit – IV

Political Development
Political Modernization
Political Socialisation and Political Culture
Power and Authority
Political Elite

Unit – V

Making of the Indian Constitution

Fundamental Rights and Duties, and Directive Principles

Union Executive, Parliament

Supreme Court, Judicial Activism

Indian Federalism : Theory, Practice and Problems

Unit – VI

Dynamics of state politics

Local Governments : Rural and Urban

Political Parties, Pressure Groups, and Public Opinion

Elections, Electoral Reforms

Class, Caste, Gender, Dalit and Regional Issues, Problems of Nation-Building and Integration

Unit – VII

Growth of Public Administration as a discipline; and New Public Administration

Theories of Organisation (Classical, Scientific, Human Relations); Principles of Organisation.

Chief Executive

Control over Administration Judicial and Legislative

Bureaucracy

Unit – VIII

Development Planning and Aministration in India

Bureaucracy and Challenges of Development

Administration Culture; Administrative Corruption, and Administrative Reforms.

Panchayati Raj

Impact if Liberalization on Public Administration

Unit – IX

Theories of International Relations

Ideology, Power and Interest

Conflicts and Conflict-Resolution

Changing concept of National Security and Challenges to the Nation-State System

Arms and Arms-control

Unit – X

End of Cold War, Globalisation and Political Economy of International Relations in the Contemporary World.

Deteminants and Compulsions of India's Foreign Policy; India's Nuclear Policy.

India's Relations with Neighbours and USA.

India's Role in the UN.

India and Regional Organizations (SAARC, ASEAN), Indian Ocean.

राजनीतिक विज्ञान (कोड न.:– 16)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – II

टिप्पणीः– प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

1- राजनीतिक सिद्धान्त और विचार
प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार : कौटिल्य और शान्ति पर्व।
यूनानी राजनीतिक विचार : प्लेटो और अरस्तू।
यूरोपीय विचार – 1 : मैकियावली, हाब्स, लॉक और रूसो।
यूरोपीय विचार – 2 : बैंथम, जे. एस. मिल, हीगेल, मार्क्स और ग्रीन।
आधुनिक राजनीतिक विचार – 1 : लेनिन, माओ, ग्राम्शी।
आधुनिक राजनीतिक विचार – 2 : राल्स, नोजिक और सामुदायिकवादी।
आधुनिक भारतीय विचार : गाँधी, एम. एन. राय, अरविन्द घोष, जयप्रकाश, अम्बेदकर, सावरकर।
अवधारणाएँ एवं मुद्दे – 1 : मध्यकालीन राजनीतिक विचार : चर्च–राज्य सम्बन्ध और दो तलवारों का सिद्धान्त।
अवधारणाएँ एवं मुद्दे – 2 : व्यवहारवाद तथा उत्तर–व्यवहारवाद, राजनीतिक सिद्धान्त का पतन और पुनरोत्थान।
प्रजातंत्र, स्वतंत्रता एवं समानता।

2- तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेषण
तुलनात्मक राजनीति का एक अनुशासन के रूप में उद्भव, प्रकृति असौ विशय क्षेत्र
तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उपागम : पारम्परिक, संरचनात्मक–प्रकार्यात्मक, व्यवस्था और मार्क्सवादी।
संविधानवाद : अवधारणाएँ, समस्याएँ और सीमाएँ।
शासन के प्रकार : एकात्मक – संघात्मक, संसदात्मक – अध्यक्षात्मक।
शासन के अंग : कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका – तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में उनके अन्तर–सम्बन्ध।
दल प्रणालियाँ और दबाव समूह, चुनावी व्यवस्थाएँ।
नौकरशाही – प्रकार तथा भूमिका।
राजनीतिक विकास और राजनीकि आधुनिकीकारण।
राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक समाजीकरण एवं राजनीति संचार।
राजनीतिक अभिजात और प्रजातंत्र का अभिजात सिद्धान्त।
शक्ति, सत्ता एवं वैधता।
क्रान्ति : सिद्धान्त और प्रकार।
निर्भरता : विकास एवं अल्प–विकास।

3- भारतीय शासन एवं राजनीति
राष्ट्रीय आन्दोलन, संवैधानिक विकास और भारतीय संविधान की रचना।
भारतीय संविधान के वैचारिक आधार, प्रस्तावना, मौलिक अधिकार और कर्तव्य, नीति–निर्देशक सिद्धान्त,
सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के साधन के रूप में संविधान, संवैधानिक संशोधन और पुनरावलोकन।
संरचना और प्रक्रिया – 1 : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रि परिषद्, संसदात्मक व्यवस्था की कार्य–शैली।
संरचना और प्रक्रिया – 2 : राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रि परिषद्, राज्य विधायिका।
पंचायती राज संस्थाएँ : ग्रामीण और शहरी, उनकी कार्य–शैली।

संघवाद : भारत में सिद्धान्त और व्यवहार, स्वायत्तता की माँगें और पृथकतावादी आन्दोलन, केन्द्र–राज्य सम्बन्धों के उभरते प्रतिमान।

न्यायपालिका : उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय, न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सक्रियता जनहित मुकदमों सहित, न्यायिक सुधार।

राजनैतिक दल, दबाव समूह, जनमत, संचार माध्यम, उपाश्रयी एवं कृषक आन्दोलन।

चुनाव, चुनावी–व्यवहार, चुनाव आयोग और चुनाव सुधार।

4- लोक प्रशासन

लोक प्रशासन का एक अनुशासन के रूप में विकास, लोक प्रशासन के अध्ययन के उपागम : निर्णय–निर्माण, पर्यावरणात्मक और व्यवस्था विकास प्रशासन।

संगठन के सिद्धान्त।

संगठन के नियम : सूत्र और स्टाफ, आदेश की एकता, सोपान, नियंत्रण का क्षेत्र, केन्द्रीकरण और विकेन्द्रीकरण, संगठन के प्रकार – औपचारिक एवं अनौपचारिक, संगठन के प्रारूप, विभाग, सार्वजनिक निगम और परिषद्।

मुख्य कार्यपालक : प्रकार, कार्य और भूमिका।

कार्मिक प्रशासन : भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, अनुशासन, मनोबल; नियोक्ता–कर्मचारी सम्बन्ध।

नौकरशाही : सिद्धान्त, प्रकार तथा भूमिका, मैक्स वेबर और उनके आलोचक, लोक सेवक–मंत्रि सम्बन्ध।

नेतृत्व, निर्णय प्रक्रिया में इसकी भूमिका, संचार।

वित्तीय प्रशासन : बजट, लेखा परीक्षा, भारत और इंगलैंड के विशेष संदर्भ में वित्त पर नियंत्रण।

सुशासन, प्रशासनिक भ्रष्टाचार की समस्याएँ, पारदर्शिता, जवाबदेही और सूचना का अधिकार।

शिकायत निवारण संस्थाएँ : औम्बुड्समेन, लोकपाल और लोकायुक्त।

5- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के अध्ययन के विभिन्न सिद्धान्त और उपागम : आदर्शवादी, यथार्थवादी, व्यवस्था, खेल, संचार और निर्णय–निर्माण।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में शक्ति, हित और विचारधारा, शक्ति के तत्व : अधिग्रहण, शक्ति का उपयोग और सीमाएँ, अवधारणा राष्ट्रीय हित का निर्माण और उन्नयन, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों की विचारधारा का अर्थ, भूमिका और प्रासंगिकता।

शस्त्र और युद्ध : जातीय संघर्षों सहित युद्धों / संघर्षों की प्रकृति, कारण और प्रकार, पारम्परिक, नाभिकीय / जैवरासायनिक युद्ध, पराधन, शस्त्रस्पर्धा, शस्त्र नियंत्रण, निरस्त्रीकरण, विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान, कलह–हल, कूटनीति, विश्व व्यवस्था एवं शान्ति अध्ययन।

शीत–युद्ध, गठबन्धन, गुट–निरपेक्षता, शीत युद्ध का अन्त, वैश्वीकरण।

अन्तर्राष्ट्रीय कानून में राज्यों के अधिकार और कर्त्तव्य, हस्तक्षेप, सन्धि–विधि, युद्धों का रोक और उन्मूलन समाप्ति।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का राजनीतिक अर्थशास्त्र, नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था, उत्तर–दक्षिण संवाद, दक्षिण–दक्षिण सहयोग, विश्व व्यापार संगठन, नव–उपनिवेशवाद और निर्भरता।

क्षेत्रीय और उप–क्षेत्रीय संगठन विशेषतः सार्क, आसियान, ओपेक और ओ. ए. एस.।

संयुक्त राष्ट्र : उद्देश्य, लक्ष्य, संरचना और कार्य–प्रणाली का मूल्यांकन, शान्ति और विकास दृष्टिकोण, चार्टर संशोधन, संयुक्त राष्ट्र में शक्ति संघर्ष एवं राजनीति, वित्तीय प्रबन्ध और शान्ति स्थापना अभियान।

अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में भारत की भूमिका : भारत के पड़ोसी देशों से सम्बन्ध, युद्ध, सुरक्षा सम्बन्धी सरोकार और समझौते, मध्यस्थ की भूमिका, भारतीय विदेश नीति और राजनीति की विलक्षण विशेषताएँ।

राजनीतिक विज्ञान
प्रश्न पत्र – III

<u>टिप्पणी</u>:–

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक / वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य / असत्य, कथन–कारण

टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – III (A और B)
(कोर और ऐच्छिक / वैकल्पिक)

इकाई – 1

राजनीतिक सिद्धान्त

राजनीतिक सिद्धान्त की प्रकृति, इसके सरोकार, पतन और 1970 के दशक में पुनरोत्थान
उदारवाद एवं मार्क्सवाद
वैयक्तिक और सामाजिक न्याय
विचारधारा की भूमिका
परिवर्तन के सिद्धान्त : लेनिन, माओ, गाँधी।

इकाई – 2

राजनीतिक विचार

प्लेटो और अरस्तू
मैकियावली
हाब्स, लॉक, रूसो और जे. एस. मिल
कार्ल मार्क्स
गाँधी, एम. एन. राय, अरविन्द घोष।

इकाई – 3

तुलनात्मक राजनीति और राजनीतिक विश्लेषण

तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उपागम
संविधानवाद – सिद्धान्त और व्यवहार
भारत, अमेरिका, इंग्लैण्ड और स्वीट्जरलैण्ड के विशेष संदर्भ में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका
दलीय प्रणाली और विरोधी दल की भूमिका, चुनाव प्रणाली
शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धान्त, कानून का शासन और न्यायिक पुरावलोकन।

इकाई – 4

राजनैतिक विकास
राजनैतिक आधुनिकीकरण
राजनैतिक सामाजीकरण और राजनैतिक संस्कृति
शक्ति और सत्ता
राजनैतिक अभिजना।

इकाई – 5

भारतीय संविधान का निर्माण
मौलिक अधिकार और कर्त्तव्य, और नीति निर्देशक सिद्धान्त
केन्द्रीय कार्यपालिका, संसद
उच्चतम न्यायालय, न्यायिक सक्रियता
भारतीय संघवाद : सिद्धान्त, व्यवहार और समस्याएँ।

इकाई – 6

राज्यों की राजनीति की गतिशीलता
स्थानीय शासन : ग्रामीण और शहरी
राजनैतिक दल, दबाव समूह और जनमत
चुनाव, चुनाव सुधार
वर्ग, जाति, लिंग, दलित और क्षेत्रीय मुद्दे, राष्ट्रनिर्माण और एकीकरण की समस्याएँ।

इकाई – 7

लोक प्रशासन का एक विषय के रूप में विकास और नव लोक प्रशासन
संगठन के सिद्धान्त (परम्परागत, वैज्ञानिक और मानव सम्बन्ध), संगठन के नियम
मुख्य कार्यपालक

प्रशासन पर नियंत्रण – न्यायिक और विधायी
नौकरशाही।

इकाई – 8

भारत में विकास योजना और प्रशासन
नौकरशाही और विकास की चुनौतियाँ
प्रशासनिक संस्कृति, प्रशासनिक भ्रष्टाचार और प्रशासनिक सुधार
पंचायती राज
उदारीकरण का लोक प्रशासन पर प्रभाव।

इकाई – 9

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के सिद्धान्त
विचारधारा, शक्ति और हित
संघर्ष और संघर्ष–निवारण
राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती अवधारणा और राष्ट्र–राज्य व्यवस्था की चुनौतियाँ
शस्त्र और शस्त्र नियंत्रण।

इकाई – 10

शीत युद्ध का अन्त, वैश्वीकरण और समसामयिक विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का राजनीतिक अर्थशास्त्र
भारतीय विदेश नीति के निर्धारण और बद्धताएँ, भारत की नाभिकीय नीति
भारत के पड़ोसियों और अमेरिका से सम्बन्ध
संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका
भारत और क्षेत्रीय संगठन (सार्क, आसियान), हिन्द महासागर।

***

संस्कृत (कोड न.:– 17)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

संस्कृत
प्रश्न–पत्र – II

टिप्पणी:

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

1- वैदिक साहित्य

देवता :

अग्नि ; सवितृ ; विष्णु ; इन्द्र ; रुद्र ; बृहस्पति ; अश्विनौ ; वरुण ; उषस् ; सोम

विषय–वस्तु :

संहिताएँ : ब्राह्मण एवं आरण्यक ; उपनिषद्

सम्बाद सूक्त :

पुरुरवा–उर्वशी ; यम–यमी ; सर्मा–पणि ; विश्वामित्र–नदी

वैदिक साहित्य का इतिहास :

वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धान्त–मैक्समूलर ; ए. वेबर ; जैकोबी ; बालगंगाधर तिलक ; एम्० विन्टरनिट्त्ज ; भारतीय परम्परागत विचार

ऋग्वेद का क्रम

संहिताओं के पाठ–भेद

वेदांग :

शिक्षा ; कल्प ; व्याकरण ; निरुक्त ; छन्द ; ज्योतिष

2- दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका :

सत्कार्यवाद ; पुरुष–स्वरूप ; प्रकृति–स्वरूप ; सृष्टिक्रम ; प्रत्ययसर्ग ; कैवल्य

सदानन्द का वेदान्तसार :

अनुबन्ध–चतुष्टय ; अज्ञान ; अध्यारोप–अपवाद ; लिंगशरीरोत्पत्ति ; पंजीकरण ; विवर्त ;

जीवनमुक्ति केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह :

पदार्थ ; कारण ; प्रमाण–प्रत्यक्ष ; अनुमान ; उपमान ; शब्द

3- व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

व्याकरण :

परिभाषाएँ–संहिता ; गुण ; वुद्धि ; प्रातिपदिक ; नदी ; घि ; उपधा ; अपृक्त ; गति ; पद ; विभाषा ; सवर्ण ; टि ; प्रगुह्य ; सर्वनाम–स्थान ; निष्ठा

कारक : सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास : लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

भाषाविज्ञान :

भाषा की परिभाषा एवं प्रकार (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)

भाषाओं का वर्गीकरण

भाषा प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण : स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर

ध्वनि सम्बन्धी नियम

भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएँ

4- संस्कृत साहित्य एवं काव्यशास्त्र

निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन :

पद्य : रघुवंश ; मेघदूत ; किरातार्जुनीय ; शिशुपालवध ; नैषधीयचरित ; बुद्धचरित
गद्य : दशकुमारचरित ; हर्षचरित ; कादम्बरी
नाटक : स्वप्नवासवदत्ता ; अभिज्ञानशाकुन्तल ; मृच्छकटिक ; उत्तररामचरित ; मुद्राराक्षस ; रत्नावली ; वेणीसंहार

काव्यशास्त्र :

साहित्यदर्पण :

काव्य की परिभाषा
काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन
शब्दशक्ति–संकेतग्रह ; अभिधा ; लक्षणा ; व्यंजना
रस (रस–भेद स्थायी भावों सहित)
रूपक के प्रकार
नाटक के लक्षण
महाकाव्य के लक्षण

प्रश्न–पत्र – III

टिप्पणी:

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न–पत्र – III (A)
(अनिवार्य वर्ग)

इकाई – I

संहिताएँ :

निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन :
ऋग्वेद–अग्नि [1.1] ; इन्द्र [2.12] ; पुरुष [10.90] ; हिरण्यगर्भ [10.121] ; नासदीय [10.129] ; वाक् [10.125]
अथर्ववेद–पृथिवी [12.1]

ब्राह्मण एवं आरण्यक :

सामान्य लक्षण ; विशेषताएँ ; दर्शपौर्णमास यज्ञ ; आख्यान–शुनःशेप तथा वाङ्मनस् ; पंचमहायज्ञ

व्याकरण एवं वैदिक व्याख्या–पद्धति :

पदपाठ
स्वर–उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित
वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर
वैदिक व्याख्या–पद्धति–प्राचीन एवं अर्वाचीन

इकाई – II

विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन। विशेषतः निम्नलिखित उपनिषदों के सन्दर्भ में : ईश ; कठ ; केन ; बृहदारण्यक ; तैत्तिरीय
इकाई–त्तरीय

इकाई – III

वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

चार पद–नाम का विचार ; आख्यात का विचार ; उपसर्गों का अर्थ ; निपातों की कोटियाँ
क्रिया के छः रूप (षड्भावविकार)
निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य
निर्वाचन के सिद्धान्त

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ :

आचार्य ; वीर ; ह्रद ; गो; समुद्र ; वृत्र ; आदित्य ; उषस् ; मेघ ; वाक् ; उदक ; नदी ; अश्व ; अग्नि ; जातवेदस् ; वैश्वानर ; निघण्टु

इकाई – IV

महाभाष्य (पस्पशाह्निक) :

शब्द की परिभाषा
शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध
व्याकरण के अध्ययन के उद्देश्य
व्याकरण की परिभाषा
साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम
व्याकरण की पद्धति

सिद्धान्तकौमुदी :

तिङन्त (भू एवं एध् मात्र)
कृदन्त (कृत्य प्रक्रिया मात्र)
तद्धित (मत्वर्थीय)
कारक प्रकरण
स्त्री प्रत्यय

भाषाविज्ञान :

भाषा की परिभाषा
भाषाओं का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक)
संस्कृत ध्वनियों के विशेष सन्दर्भ में मानवीय ध्वनि–यंत्र
ध्वनि–परिवर्तन के कारण
ध्वनि–नियम (ग्रिम, ग्रासमान तथा वर्नर)
अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण
वाक्य का लक्षण तथा भेद
भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय
भाषा तथा वाक् में अन्तर
भाषा और बोली में अन्तर

इकाई – V

व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका
सदानन्द का वेदान्तसार
लौगाक्षी भास्कर का अर्थसंग्रह

इकाई – VI

रामायण

रामायण का क्रम
रामायाण में आख्यान
रामायणकालीन समाज
परवर्ती ग्रन्थों के लिए रामायण एक प्रेरणा–स्त्रोत
रामायण का साहित्यिक महत्व

महाभारत

महाभारत का क्रम
महाभारत में आख्यान
महाभारतकालीन समाज
परवर्ती ग्रन्थों के लिए महाभारत एक प्रेरणा–स्त्रोत
महाभारत का साहित्यिक महत्व

पुराण

पुराण की परिभाषा

महापुराण एवं उपपुराण
पौराणिक सृष्टि विज्ञान
पुराण एवं लौकिक कलाएँ
पौराणिक आख्यान

इकाई – VII

कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम दस अधिकार)
मनुस्मृति (प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय)
याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय मात्र)

इकाई – VIII

पद्य :

रघुवंश (प्रथम तथा चतुर्दश सर्ग)
किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग)
शिशुपालवध (प्रथम सर्ग)
नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग)

गद्य :

दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छ्वासः)
हर्षचरितम् (पंचमोच्छ्वासः)
कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)

काव्यशास्त्र :

काव्यप्रकाश–काव्यलक्षण ; काव्यप्रयोजन ; काव्यहेतु ; काव्यभेद ; शब्दशक्ति ; अभिहितान्वयवाद ;
अन्विताभिधानवाद ; रसस्वरूप एवं रससूत्रविमर्श ; रसदोष ; काव्यगुण
अलंकार–अनुप्रास ; श्लेष ; वक्रोक्ति ; उपमा ; रूपक ; उत्प्रेक्षा ; समासोक्ति ; अपह्नुति ; निदर्शना ;
अर्थान्तरन्यास ; दृष्टान्त ; विभावना ; विशेषोक्ति ; संकर ; संसृष्टि
ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)

इकाई – IX

नाट्य–कर्णभार ; अभिज्ञानशाकुन्तल ; उत्तररामचरित ; मुद्राराक्षस ; रत्नावली
नाट्यशास्त्र–भरत– नाट्यशास्त्र (प्रथम, द्वितीय तथा षष्ठ अध्याय) ; दशरूपक (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)

इकाई – X

तर्कसंग्रह (दीपिका व्याख्या सहित)
तर्कभाषा–केशवमिश्र
प्रमातृ, प्रमेय, प्रमाण और प्रमिति की अवधारणाओं का अध्ययन

प्रश्न–पत्र – III (B)

[ऐच्छिक / वैकल्पिक]

ऐच्छिक – I

संहिताएँ :
निम्नलिखित सुक्तों का अध्ययन :
ऋग्वेद
वरुण [1.25]
सूर्य [1.125]
उषस् [3.61]
पर्जन्य [5.83]
शुक्ल यजुर्वेद
शिवसंकल्प [1.6]
प्रजापति [1.5]
अथर्ववेद

राष्ट्राभिवर्द्धनम् [1.29]
काल [10.53]
ब्राह्मण :
प्रतिपाद्य–विषय
विधि एवं उसके प्रकार
अग्निहोत्र एवं अग्निष्टोम यज्ञ
विभिन्न संहिताओं से ब्राह्मण–ग्रन्थों की सम्बद्धता
ऋक्–प्रातिशाख्य :
निम्नलिखित परिभाषाएँ :
समानाक्षर ; सन्ध्यक्षर ; अघोष ; सोष्म ; स्वरभक्ति ; यम ; रक्त ; संयोग ; प्रगृह्या ; रिफित
निरुक्त (VII–अध्याय–दैवत काण्ड)
मन्त्रों के प्रकार
देवताओं का स्वरूप
देवताओं की संख्या

ऐच्छिक – II
वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड)
स्फोट का स्वरूप ; शब्द–ब्रह्म का स्वरूप ; शब्द–ब्रह्म की शक्तियाँ ; स्फोट एवं ध्वनि के बीच सम्बन्ध ; शब्द–अर्थ सम्बन्ध ; ध्वनि के प्रकार ; भाषा के स्तर
सिद्धान्तकौमुदी
समास ; परस्मैपदविधान ; आत्मनेपदविधान
पाणिनीयशिक्षा

ऐच्छिक – III
योगसूत्र–व्यासभाष्य
चित्तभूमि ; चित्तवृत्तियाँ ; ईश्वर का स्वरूप ; योगांग ; समाधि ; कैवल्य
वेदान्त : ब्रह्मसूत्र–शांकरभाष्य [1.1]
न्याय–वैशेषिक : न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)
सर्वदर्शन संग्रह–जैनमत ; बौद्धमत

ऐच्छिक – IV
काव्यप्रकाश (द्वितीय तथा पंचम उल्लास)
वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)
काव्यमीमांसा (1 से 5 अध्याय) रसगंगाधन–प्रथम आनन (रसनिरूपणान्त)

ऐच्छिक – V
पुरालिपि :
ब्राह्मीलिपि को पढ़ने का इतिहास
भारत में लेखन कला की प्राचीनता
ब्राह्मीलिपि की उत्पत्ति के सिद्धान्त
शिलालेख सम्बन्धी सामग्री के प्रकार
गुप्त एवं अशोक काल की ब्राह्मीलिपि
अशोक के अभिलेख :
प्रमुख शिलालेख
प्रमुख स्तम्भलेख
गुजर्रा लघु–शिलालेख
मास्कि शिलालेख
रुम्मिनदेई स्तम्भलेख
कान्धार का द्विभाषी शिलालेख
मौर्योत्तर काल के अभिलेख :
कनिष्क के शासन वर्ष 3 का सारनाथ बौद्ध प्रतिमा लेख
कनिष्क के शासन वर्ष 18 का मनकियाला अभिलेख

नहपान के काल (वर्ष 41, 42, 45) का नासिक गुहा अभिलेख
रुद्रदामन का गिरनार शिलालेख
खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख

गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख :

समुद्रगुप्त का अलाहाबाद स्तम्भ लेख
चन्द्रगुप्त द्वितीय का वर्ष 61 का मथुरा शिलालेख
चन्द्र का महरौली लौह स्तम्भ लेख
कुमारगुप्त प्रथम के काल का बिलसद स्तम्भ लेख
कुमारगुप्त प्रथम का वर्ष 128 का दामोदपुर ताम्र पट्ट अभिलेख
स्कन्दगुप्त का गिरनार शिलालेख
स्कन्दगुप्त का इन्दौर ताम्र पट्ट अभिलेख
स्कन्दगुप्त का भितरी स्तम्भ अभिलेख
तन्तुवाय श्रेणी का मन्दसौर शिलालेख
प्रभावती गुप्ता का पूना ताम्र पट्ट अभिलेख
तोरमाण का एरण अभिलेख
मिहिरकुल का ग्वालियर अभिलेख
यशोधर्मन का मन्दसौर स्तम्भ लेख
यशोधर्मन–विष्णुवर्धन का मन्दसौर शिलालेख
महानामन का बोधगया अभिलेख
यशोवर्मदेव के काल का नालन्दा शिलालेख
आदित्यसेन का अफसद शिलालेख
जीवितगुप्त द्वितीय का देवबर्णारक अभिलेख
धरसेन द्वितीय का मालिया ताम्र पट्ट अभिलेख
ईशानवर्मन का हड़हा अभिलेख
हर्ष का बांसखेड़ा ताम्र पट्ट अभिलेख
पुलकेशी द्वितीय का एहोले शिलालेख
प्रतिहार नृप मिहिरभोज का ग्वालियर अभिलेख

***

SOCIOLOGY [Code No. – 18]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II

Note:-

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

A. SOCIOLOGICAL CONCEPTS

1. Nature of Sociology
Definition
Sociological Perspective

2. Basic Concepts
Community
Institution
Association
Culture
Norms and Values

3. Social Structures
Status and role, their interrelationship
Multiple roles, Role set, Status set, Status sequence
Role conflict

4. Social Group
Meaning
Types : Primary-Secondary, Formal-Informal, Ingroup-Outgroup, Reference group

5. Social Institutions
Marriage
Family
Education
Economy
Polity
Religion

6. Socialization
Socialization, Resocialization, Anticipatory socialization, Adult socialization
Agencies of socialization
Theories of socialization

7. Social Stratification
Social differentiation, Hierarchy and Inequality
Forms of stratification : Caste, Class, Gender, Ethnic
Social mobility

8. Social Change
Concepts and Types : Evolution, Diffusion, Progress, Revolution, Transformation, Change in structure and Change of structure
Theories : Dialectical and Cyclical

B : SOCIOLOGICAL THEORY

9. Structural

Nadel
Radcliffe Brown
Levi-Strauss

10. Functional
Malinowski
Durkheim
Parsons
Merton

11. Interactionist
Social action : Max Weber, Pareto
Symbolic interactionism : G. H. Mead, Blumer

12. Conflict
Karl Marx
Dahrendorf
Coser
Collins

C : METHODOLOGY

13. Meaning and Nature of Social Research
Nature of social phenomena
The scientific method
The problems in the study of social phenomena : Objectivity and subjectivity, fact and value

14. Quantitative Methods
Survey
Research Design and its types
Hypothesis
Sampling
Techniques of data collection : Observation, Questionnaire, Schedule, Interview

15. Qualitative Methods
Participant observation
Case study
Content analysis
Oral history
Life history

16. Statistics in Social Research
Measures of Central Tendency : Mean, Median, Mode
Measures of dispersion
Correlational and analysis
Test of significance
Reliability and Validity

PAPER - III

Note:-

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER - III (A)
[CORE GROUP]

Unit – I : Phenomenology and Ethnomethodology

Alfred Shultz, Peter Berger and Luckmann

Garfinkel and Goffman

Unit – II : Neo-functionalism and Neo-Marxism

J. Alexander

Habermass, Althusser

Unit – III : Structuration and Post-Modernism

Giddens

Derrida

Foucault

Unit – IV : Conceptualising Indian Society

Peoples of India : Groups and Communities

Unity in diversity

Cultural diversity : Regional, linguistic, religious and tribal

Unit – V : Theoretical Perspectives

Indological / Tecxtual Perspective : G. S. Ghurye, Louis Dumont

Structural-Functional Perspective : M. N. Srinivas, S. C. Dube

Marxian Perspective : D. P. Mukherjee, A. R. Desai

Civilisational Perspective : N. K. Bose, Suralit Sinha

Subltern Perspective : B. R. Ambedkar, David Hardiman

Unit – VI : Contemporary Issues : Socio-cultural

Poverty

Inequality of caste and gender

Regional, ethnic and religious disharmonics

Family disharmony : (a) Domestic violence (b) Dowry (c) Divorce (d) Intergenerational conflict

Unit – VII : Contemporary Issues : Developmental

Population

Regional disparity

Slums

Displacement

Ecological degradation and environmental pollution

Health problems

Unit – VIII : Issues Pertaining to Deviance

Deviance and its forms

Crime and delinquency

White collar crime and corruption

Changing profile of crime and criminals

Drug addiction

Suicide

Unit – IX : Current Debates

Tradition and Modernity in India

Problems of Nation Building: Secularism, Pluralism and Nation building

Unit – X : The Challenges of Globalization

Indanisation of Sociology

Privatisation of Education

Science and Technology Policy of India

PAPER - III (B)
[ELECTIVE / OPTIONAL]

ELECTIVE – I : Rural Sociology

Approaches to the study of Rural Society :

Rural-Urban differences

Rurbanism

Peasant studies

Agrarian Institutions :

Land ownerships and its types

Agrarian relations and Mode of production debate

Jajmani system and Jajmani relations

Agrarian class structure

Panchayati Raj System:

Panchayat before and after 73rd Amendment

Rural Leadership and Factionalism

Empowerment of people

Social Issues and Strategies for Rural Development :

Bonded and Migrant labourers

Pauperization and Depeasantisation

Agrarian unrest and Peasant movements

Rural Development and Change :

Trends of changes in rural society

Processes of change : Migration – Rural to Urban and Rural to Rural

Mobility : Social / Economic

Factors of change

ELECTIVE – II : Industry and Society

Industrial Society in the Classical Sociological Tradition :

Division of labour

Bureaucracy

Rationality

Production relations

Surplus value

Alienation

Industry and Society :

Factory as a social system

Formal and informal organization

Impact of social structure on industry

Impact of industry on society

Industrial Relations :

Changing profile of labour

Changing labour-management relations

Conciliation, adjudication, arbitration

Collective bargaining

Trade unions

Worker's participation in management (Joint Management Councils)

Quality Circles

Industrialisation and Social Change in India :

Impact of industrialization on family, education and stratification

Class and class conflict in industrial society

Obstacles to and limitations of industrialization

Industrial Planning :

Industrial Policy

Labour legislation

Human relations in industry

ELECTIVE – III : Sociology of Development

Conceptual Perspective on Development

Economic growth

Human development

Social development

Sustainable development : Ecological and Social

Theories of Underdevelopment :

Liberal : Max Weber, Gunnar Myrdal

Dependency : Centre-periphery (Frank), Uneven development (Samir Amin), World-system (Wallerstein)

Paths of Development :

Modernisation, Globalisation

Socialist

Mixed

Gandhian

Social Structure and Development:

Social structure as a facilitator / inhibitor

Development and socio-economic disparities

Gender and development

Culture and Development :

Culture as an aid / impediment

Development and displacement of tradition

Development and upsurge of ethnic movements

ELECTIVE – IV : Population and Society

Theories of Population Growth :

Malthusian

Demographic transition

Population Growth and Distribution in India :

Growth of Indian population since 1901

Determinants of population

Concepts of Fertility, Mortality, Morbidity and Migration :

Age and Sex composition and its consequences

Determinants of fertility

Determinants of mortality, infant, child and maternal mortality

Morbidity rates

Determinants and consequences of migration

Population and Development :

Population as a constraint on and a resource for development

Socio-cultural factors affecting population growth

Population Control :

Population policy : Problems and perspectives

Population education

Measures taken for population control

ELECTIVE – V : Gender and Society

Gender as a Social Construct :

Models of Gendered socialization

Cultural symbolism and general roles

Social Structure and Gender Inequality :

Patriarchy and Matriarchy

Division of labour – Production and reproduction

Theories of Gender Relations :

Liberalist

Radical

Socialist

Post-modernist

Gender and Development :

Effect of development policies on gender relations

Perspectives on gender and development – Welfarist, developmentalist

Empowerment.

Women and Development in India :

Indicators of women's status : Demographic, social, economic and cultural

Special schemes and strategies for women's development

Voluntary sector and women's development

Globalisation and women's development

Eco-feminism

***

समाजशास्त्र (कोड न.:– 18)

पाठ्य विवरण

टिप्पणी:

पाठ्यक्रम में दो प्रश्न–पत्र होंगे, प्रश्न–पत्र – II तथा प्रश्न–पत्र – III (भाग – A और B)।

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न–पत्र – II

टिप्पणी:

प्रश्न–पत्र – II में कुल 50 बहु–विकल्पीय प्रश्न तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 100 अंक का प्रश्न पत्र – II होगा।

A : समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

1- समाजशास्त्र की प्रकृति
- परिभाषा
- समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

2- मुख्य अवधारणाएँ
- समुदाय
- संस्था
- समूह
- संस्कृति
- मानदण्ड एवं मूल्य

3- सामाजिक संरचना
- प्रस्थिति एवं भूमिका, उनका अन्तर्सम्बन्ध
- विविध भूमिकाएँ, भूमिका पुंज, प्रस्थिति पुंज, प्रस्थिति–क्रम
- भूमिका–संघर्ष।

4- सामाजिक समूह
- अर्थ
- प्रकार : प्राथमिक–द्वितीयक, औपचारिक–अनौपचारिक, अन्तर्समूह–बाह्यसमूह, सन्दर्भ समूह।

5- सामजिक संस्थाएँ
- विवाह
- परिवार
- शिक्षा
- अर्थव्यवस्था
- राजव्यवस्था
- धर्म।

6- समाजीकरण
- समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण, प्रत्याशी समाजीकरण, प्रौढ़ समाजीकरण
- समाजीकरण के अभिकरण
- समाजीकरण के सिद्धान्त।

7- सामाजिक स्तरीकरण
- सामाजिक विभेदीकरण, उच्चोच्च क्रम एवं असमानता
- स्तरीकरण के स्वरूप : जाति, वर्ग, लिंग, नृजाति
- सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त
- सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त
- सामाजिक गतिशीलता।

8- सामाजिक परिवर्तन

अवधारणाएँ एवं प्रकार : उद्विकास, विसरण, प्रगति, क्रान्ति, रूपान्तरण, सामाजिक संरचना में परिवर्तन एवं सामाजिक संरचना का परिवर्तन

सिद्धान्त : द्वन्द्वात्मक एवं चक्रीय।

B : समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

9- संरचनात्मक

नैडिल

रेडक्लिफ ब्राउन

लेवी–स्ट्रास।

10- प्रकार्यात्मक

मैलिनोवास्की
दुर्खीम
पार्सन्स
मर्टन।

11- अन्तर्क्रियावादी

सामाजिक क्रिया : मैक्स वैबर, पैरेटो
प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद : जी. एच. मीड, ब्लूमर।

12- संघर्षात्मक

कार्ल मार्क्स
डैहरनडॉर्फ
कोजर
कॉलिन्स।

C : विधि

13- सामाजिक शोध का अर्थ एवं प्रकृति

सामाजिक घटक की प्रकृति
वैज्ञानिक विधि
सामाजिक घटक के अध्ययन में समस्याएँ : वस्तुनिष्ठता एवं व्यक्तिनिष्ठता, तथ्य एवं मूल्य।

14- गणनात्मक विधि

सर्वेक्षण
शोध–प्रारूप एवं इसके प्रकार
उपकल्पना
दत्त संकलन की विधियाँ : अवलोकन, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार।

15- गुणात्मक विधियाँ

सहभागी अवलोकन
वैयक्तिक विश्लेषण
अन्तर्वस्तु विश्लेषण
मौखिक इतिहास
जीवन इतिहास।

16- सामाजिक शोध में सांख्यिकी

केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप : अनुपात, माध्यम, बहुलक
विचलन के माप के तरीके
सहसम्बन्ध विश्लेशण
सार्थकता का मापन
विश्वसनीयता एवं वैधता।

प्रश्न पत्र – III

टिप्पणी:

प्रश्न पत्र – III के पाठ्यक्रम में दो खण्ड – A (कोर विभाग) और B (ऐच्छिक/वैकल्पिक) में कुल – 75 बहु–विकल्पीय प्रश्न (बहु–विकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन–कारण टाइप) तथा सभी अनिवार्य होंगे, जिनके प्रति प्रश्न अंक 2 होंगे, इस प्रकार कुल 150 अंक का प्रश्न–पत्र – III होगा।

प्रश्न पत्र – III [A]
(कोर विभाग)

इकाई – I : घटना–विज्ञान तथा लोकविधिक–विज्ञान

अल्फ्रेड शुल्तज, पीटर बर्जर तथा लकमैन

गारफिन्केल एवं गॉफमैन

इकाई – II : नव–प्रकार्यवाद एवं नव–मार्क्सवाद

जे. अलक्जेन्डर

हेबरमास, अल्थुजर।

इकाई – III : संरचनाकरण तथा उत्तर–आधुनिकतावाद

गिड्डेन्स

देरिदा

फुकाऊ।

इकाई – IV : भारतीय समाज का अवधारणात्मक स्वरूप

भारत के लोग : समूह एवं समुदाय

विविधता में एकता

सांस्कृतिक विविधता : क्षेत्रीय, भाषाई, धार्मिक एवं जनजातीय।

इकाई – V : सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य

भारतविधा / वाङ्मयी परिप्रेक्ष्य : जी. एस. घुरिये, लुईस डूमॉ

संरचना–प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य : एम. एन. श्रीनिवास, एस. सी. दुबे।

मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य : डी. पी. मुखर्जी, ए. आर. देसाई

सभ्यतावादी परिप्रेक्ष्य : एन. के. बोस. सुरजीत सिन्हा

दलितवादी परिप्रेक्ष्य : बी. आर. अम्बेडकर, डेविड हार्डिमैन।

इकाई – VI : समकालीन मुद्दे : सामाजिक–सांस्कृतिक

निर्धनता

जाति एवं लिंग सम्बन्धी असामनता

क्षेत्रीय, नृवंशीय एवं धार्मिक विसमरसता

परिवारिक विसमरसता : (क) घरेलू हिंसा (ख) दहेज (ग) तलाक (घ) अन्तर्पीढ़ीय संघर्ष।

इकाई – VII : समकालीन मुद्दे : विकासीय

जनसंख्या

क्षेत्रीय विशमता (भेद–भाव)

गन्दी बस्तियाँ

विस्थापन

पारिस्थितिकीय पतन एवं पर्यावरण–प्रदूषण

स्वास्थ्य समस्याएँ

इकाई – VIII : विचलन से सम्बन्धित मुद्दे

विचलन एवं इसके प्रकार

अपराध एवं विचलित व्यवहार

श्वेत वसन अपराध तथा भ्रष्टाचार

अपराध एवं अपराधियों के बदलते परिदृश्य

मादक द्रव्य व्यसन

आत्महत्या।

इकाई – IX : समसामयिक विवाद

भारत में परम्परा एवं आधुनिकता

राष्ट्र निर्माण की समस्याएँ : पंथनिरपेक्षवाद, बहुलतावाद एवं राष्ट्र निर्माण।

इकाई – X : वैश्वीकरण की चुनौतियाँ

समाजशास्त्र का भारतीयकरण

शिक्षा का निजीकरण

भारत की विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय नीति।

प्रश्न पत्र – III [B]
(ऐच्छिक / वैकल्पिक)

ऐच्छिक – I : ग्रामीण समाजशास्त्र

ग्रामीण समाज की अध्यय पद्धतियाँ :

ग्रामीण तथा नगरीय अन्तर

ग्रामीण–नगरीयवाद

कृषक सम्बन्धी अध्ययन

कृषि सम्बन्धी संस्थाएँ :

भूमि स्वामित्व एवं इसके प्रकार

कृषक अन्तःसम्बन्ध एवं उत्पादन के तरीकों पर चर्चा

जजमानी व्यवस्था तथा जजमानी अन्तःसम्बन्ध

कृषि में वर्ग व्यवस्था

पंचायती राज व्यवस्था :

पंचायत 73वें संशोधन के पूर्व एवं पश्चात्

ग्रामीण नेत्त्व एवं गुटबन्दी

लोक का सशक्तिकरण

सामाजिक मुद्दे एवं ग्रामीण विकास की रूपनीतियाँ :

बँधुवा एवं प्रवासी मजदूर

दरिद्रीकरण एवं गैर–किसानीकरण

कृषक असन्तोष एवं कृषक आन्दोलन

ग्रामीण विकास और परिवर्तन :

ग्रामीण समाज में परिवर्तन की दिशाएँ

परिवर्तन की प्रक्रियाएँ : प्रव्रजन – ग्राम से नगर की ओर ग्राम से ग्राम की ओर गतिशीलता : सामाजिक/आर्थिक

परिवर्तन के कारक।

ऐच्छिक – II : उद्योग एवं समाज

समाजशास्त्रीय परम्परा में औद्योगिक समाज :

श्रम–विभाजन

नौकरशाही

तार्किकता

उत्पादन सम्बन्ध

अतिरिक्त मूल्य

अनात्मीकरण/ अलगाव

उद्योग एवं समाज :

समाज व्यवस्था के रूप में कारखाना

औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन

उद्योग पर सामाजिक संरचना का प्रभाव

समाज पर उद्योग का प्रभाव

औद्योगिक सम्बन्ध :

श्रम के बदलते परिदृश्य

बदलते श्रम–प्रबन्ध सम्बन्ध

समझौता, पंचनिर्णय, मध्यस्थता

सामूहिक सौदाकारी

श्रम–संघ

प्रबन्ध में श्रमिकों की भागीदारी (संयुक्त प्रबन्ध परिषद्)

गुणवत्ता केन्द्र

भारत में औद्योगीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन :

परिवर्तन, शिक्षा एवं स्तरीकरण पर औद्योगीकरण का प्रभाव

औद्योगिक समाज में वर्ग तथा वर्ग संघर्ष

औद्योगीकरण की बाधाएँ तथा सीमाएँ

औद्योगिक योजना :

औद्योगिक नीति

श्रम अधिनियम

उद्योग में मानवीय सम्बन्ध।

ऐच्छिक – III : विकास का समाजशास्त्र

विकास की अवधारणाएँ :

आर्थिक वृद्धि

मानवीय विकास

सामाजिक विकास

संपोषक विकास : पर्यावरण सम्बन्धी एवं सामाजिक

अधो–विकास के सिद्धान्त :

उदारवादी : मैक्स वैबर, गुनार मिर्डल

निर्भरतावादीः केन्द्र–छोर (फ्रैंक), असमान विकास (समीर अमीन), विश्व–व्यवस्था (वालरस्टीन)

विकास के मार्ग :

आधुनिकीकरण, वै वीकरण

समाजवादी

मिश्रित

गाँधीवादी

सामाजिक संरचना एवं विकास :

सामाजिक संरचना एक सुविधा/ बाधा

विकास एवं सामाजिक–आर्थिक विषमताएँ

लिंग एवं विकास

संस्कृति एवं विकास :

संस्कृति एक सुविधा/ बाधा

विकास एवं परम्परा उच्छेदन

विकास एवं नृजातीय आन्दोलनों का उद्भव।

ऐच्छिक – IV : जनसंख्या एवं समाज

जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त

माल्थसवादी

जनांकिकीय परिवर्तन

भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण :

1901 से भारत में जनसंख्या वृद्धि

जनसंख्या के निर्धारक।

अवधारणाएँ – उत्पादकता, मृत्युदर (मर्त्यता), रुग्णता तथा प्रव्रजन :

आयु तथा लिंग संरचना तथा इसके परिणाम

उत्पादकता के निर्धारक

मृत्युदर (मर्त्यता) के निर्धारक, शिशु, बाल एवं मातृत्व मृत्यृदर

रुग्णता दर

प्रव्रजन के निर्धारक एवं परिणाम

जनसंख्या एवं विकास :

विकास के अवरोध व संसाधन के रूप में जनसंख्या

जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले सामाजिक–सांस्कृतिक कारक

जनसंख्या नियंत्रण :

जनसंख्या नीति : समस्याएँ एवं परिप्रेक्ष्य

जनसंख्या शिक्षा

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय।

ऐच्छिक – V : लिंग और समाज

लिंग की सामाजिक अवधारणा :

लिंग–आधारित सामाजीकरण के प्रारूप

सांस्कृतिक प्रतीकवाद एवं सामान्य भूमिका

सामाजिक संरचना एवं लिंग असमानता :

पितृसत्तात्मक एवं मातृसत्तात्मक

श्रम विभाजन – उत्पादन एवं पुनरुत्पादन

लिंग–सम्बन्ध के सिद्धान्त :

उदारवादी

आमूल परिवर्तनवादी

समाजवादी

उत्तर–आधुनिकतावादी

लिंग एवं विकास :

लिंग सम्बन्धों पर विकास नीतियों का प्रभाव

लिंग एवं विकास के परिप्रेक्ष्य – कल्याणकारी, विकासात्मक

सबलीकरण

भारत में नारी एवं विकास :

नारी–प्रस्थिति के सूचनक : जनांकिकीय, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक

नारी–विकास की विशिष्ट योजनाएँ एवं रणनीतियाँ

स्वयंसेवी संगठन एवं नारी–विकास

वैश्वीकरण एवं नारी–विकास

पारिस्थितिकी नारीवाद।

***

URDU [Code No. – 19]

Syllabus

Note:-

There will be two question papers, Paper-II and Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)]

The Paper – II will cover 50 Objective Type Questions & all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – II will be 100.

The Paper – III [Parts – A (Core Group) & B (Elective/ Optional)] will have 75 Multiple Type Questions (Multiple Choice, Matching Type, True/False, Assertion-Reasoning Type) and all compulsory. Each question will carry two marks. Total marks of Paper – III will be 150.

PAPER – II & PAPER - III (A) (CORE GROUP)

PAPER-II & PAPER-III (A) [CORE GROUP]

A شاعری

۱۔ غزل : غزل گو شعرا اور ان کے کلام کا فنی و تنقیدی مطالعہ

۱۔ ولی

۲۔ درد

۳۔ میر

۴۔ آتش

۵۔ غالب

۶۔ مومن

۷۔ شاد

۸۔ حسرت

۹۔ فانی

۱۰۔ فراق

28

۱۱۔ اصغر

۱۲۔ جگر

۱۳۔ یگانہ

۱۴۔ جذبی

۱۵۔ مجروح

۱۶۔ خلیل الرحمٰن اعظمی

II: مثنوی : اہم مثنویوں کا فنی و تنقیدی مطالعہ

۱۔ قطب مشتری

۲۔ گلشن عشق

۳۔ علی نامہ

۴۔ پھول بن

۵۔ خواب و خیال

۶۔ سحر البیان

۷۔ گلزار نسیم

۸۔ زہر عشق

III۔ قصیدہ : اردو کے چند اہم قصیدہ گو شعرا کا فنی و تنقیدی مطالعہ

۱۔ سودا

۲۔ ذوق

۳۔ غالب

۴۔ محسن کاکوروی

IV۔ مرثیہ : اردو کے مرثیہ گو شعرا اور ان کے کلام کا فنی و تنقیدی مطالعہ

۱۔ انیس

۲۔ دبیر

۳۔ حالی

۴۔ جوش

V۔ نظم : اردو کے نظم گو شعرا اور ان کے کلام کا فنی و تنقیدی مطالعہ

۱۔ نظیر اکبرآبادی

۲۔ حالی

۳۔ محمد حسین آزاد

۴۔ اکبرالہ آبادی

۵۔ سرور جہان آبادی

۶۔ نظم طباطبائی

۷۔ چکبست

۸۔ اقبال

۹۔ جوش

۱۰۔ میراجی

۱۱۔ فیض

۱۲۔ اخترالایمان

۱۳۔ مخدوم محی الدین

B۔ نثر

VI افسانوی نثر (داستان ، ناول ، افسانہ ، ڈراما)

داستان : اردو داستانوں کا فنی اور تنقیدی مطالعہ

۱۔ سب رس

۲۔ باغ و بہار

۳۔ فسانۂ عجائب

۴۔ بوستانِ خیال

۵۔ رانی کیتکی کی کہانی

ناول: اردو ناولوں کا فنی اور تنقیدی مطالعہ

۱۔ فسانۂ آزاد

۲۔ توبۃ النصوح

۳۔ فردوس بریں

۴۔ امراؤ جان ادا

۵۔ گئودان

۶۔ لندن کی ایک رات

۷۔ ٹیڑھی لکیر

۸۔ ایک چادر میلی سی

۹۔ آگ کا دریا

۔افسانہ و ڈراما : اردو کے اہم افسانوں اور ڈراموں کا فنّی و تنقیدی مطالعہ

۱۔ پریم چند

۲۔ سعادت حسن منٹو

۳۔ کرشن چندر

۴۔ راجیندر سنگھ بیدی

۵۔ عصمت چغتائی

۶۔ قرۃ العین حیدر

۷۔ خواجہ احمد عباس

۸۔ حیات اللہ انصاری

۹۔ امانت

۱۰۔ آغا حشر

۱۱۔ امتیاز علی تاج

۱۲۔ حبیب تنویر

۱۳۔ محمد حسن

VII غیر افسانوی نثر : مضمون ، انشائیہ، خطوط ، سوانح اور خودنوشت کا فنّی و تنقیدی مطالعہ

۱۔ مقالاتِ سرسید

۲۔ مقالاتِ شبلی

۳۔ نیرنگ خیال

۴۔ سی پارۂ دل

۵۔ مضامینِ رشید

28

4

۶۔ مضامین پطرس

۷۔ خطوطِ غالب

۸۔ غبارِ خاطر

۹۔ یادگارِ غالب

۱۰۔ نذیر احمد کی کہانی ، کچھ ان کی کچھ میری زبانی

۱۱۔ یادوں کی بارات

VIII تنقید: اصول اور نظریات

۱۔ اردو تذکروں میں تنقیدی عناصر

۲۔ ارسطو کا تنقیدی نظریہ

۳۔ تنقید کے مختلف دبستان

۴۔ تحقیق و تنقید کا باہمی رشتہ

۵۔ حالی و شبلی کا نظریۂ تنقید

IX عملی تنقید (درج ذیل نقادوں کا خصوصی مطالعہ)

۱۔ احتشام حسین

۲۔ کلیم الدین احمد

۳۔ آل احمد سرور

۴۔ محمد حسن

۵۔ شمس الرحمن فاروقی

X تاریخ زبانِ اردو:

۱۔ ہند آریائی کی مختصر تاریخ

۲۔ اردو کی ابتدا کے بارے میں مختلف نظریات

۳۔ اردو ساخت کے بنیادی عناصر

۴۔ دکنی اردو کی لسانی خصوصیات

۵۔ اردو اور اس کی اہم بولیاں (Dialects)

۶۔ اردو کی لسانی انفرادیت

PAPER-III (B)

[ELECTIVE/OPTIOAL]

ELECTIVE-I : Deccani Literature

دکنیات

I۔ دکن میں اردو کی ابتدا اور ارتقا

II۔ دکنی اردو کی لسانی خصوصیات

III۔ بہمنی اور عادل شاہی دور

۱۔ نظامی بیدری : کدم راؤ پدم راؤ

۲۔ نصرتی: گلشن عشق

۳۔ ہاشمی بیجاپوری : دیوان ریختی

۴۔ علی عادل شاہ ثانی شاہی : کلیات شاہی

IV۔ قطب شاہی دور

۱۔ محمد قلی قطب شاہ : انتخاب کلیات مرتبہ اکبرالدین صدیقی

۲۔ ملا وجہی : سب رس، قطب مشتری

۳۔ غواصی : سیف الملوک و بدیع الجمال

۴۔ ابن نشاطی پھول بن

۵۔ ولی : دیوان ولی

۶۔ سراج اورنگ آبادی : کلیات سراج

ELECTIVE-II : Urdu Criticism and Research

اردو تنقید و تحقیق

۱۔ تنقید کی تعریف اور اہمیت

۲۔ اردو تنقید کے اصول و نظریات : مشرقی و مغربی

(الف) مشرقی تنقید : عربی ، فارسی اور سنسکرت

(ب) مغربی تنقید : ارسطو ، لان جائنس ، آئی۔اے۔رچرڈس اور ٹی۔ایس۔ایلیٹ

۳۔ تذکروں کی تنقیدی اہمیت

28

6

۴۔ تنقید کے مختلف دبستان : مارکسی ، نفسیاتی ، ہیئتی ، اسلوبیاتی ، تاثراتی اور جمالیاتی

۵۔ تحقیق کی اہمیت اور افادیت

۶۔ تحقیق اور تنقید کا باہمی رشتہ

۷۔ اصولِ تحقیق اور طریقِ کار

۸۔ متنی تنقید اور اس کے اصول و طریقِ کار

۹۔ اردو کے اہم نقاد اور ان کی تنقید : حالیؔ ، شبلیؔ ، محمد حسین آزادؔ ، احتشام حسین ، کلیم الدین احمد ، آل احمد سرور، محمد حسن ، شمس الرحمن فاروقی

۱۰۔ اردو کے اہم محققین اور ان کے تحقیقی کارنامے : محمود شیرانی ، محی الدین قادری زورؔ ، قاضی عبدالودود ، امتیاز علی عرشی ، مسعود حسین خان ، رشید حسن خان

۱۱۔ تنقید میں جدید تر رجحانات

۱۲۔ اردو میں لسانیاتی تحقیق

ELECTIVE-III : Sir Syed and his Age

سرسید اور ان کا عہد

۱۔ سرسید کی شخصیت اور سوانح ملکی اور قومی خدمات کی روشنی میں

۲۔ سرسید کی تاریخ نگاری

۳۔ سرسید بحیثیت مضمون نگار

۴۔ سرسید کے مذہبی افکار

۵۔ سرسید کے سیاسی اور تہذیبی نظریات

۶۔ سرسید کی صحافتی خدمات

۷۔ سرسید کی سیرت نگاری

۸۔ سرسید کا اسلوب تحریر

۹۔ اردو نثر کے ارتقا میں سرسید کا حصہ

۱۰۔ سرسید کے معاصرین اور رفقا (سرسید کے اثرات اردو ادب پر)

۱۱۔ علی گڑھ تحریک کی سماجی ، علمی اور ادبی خدمات

۱۲۔ سرسید اور سائنٹفک سوسائٹی

۱۳۔ سرسید کی خطوط نگاری

۱۴۔ سرسید کا تصورِ تعلیم

ELECTIVE-IV : Dr. Iqbal and his Age

اقبال اور ان کا عہد

۱۔ تاریخی ، تہذیبی اور ادبی پس منظر

۲۔ اقبال کی زندگی کے مختلف ادوار اور ذہنی ارتقا

۳۔ اقبال کے فکری سرچشمے : مشرقی اور مغربی

۴۔ اقبال کی فکر کے اساسی پہلو

الف: وطنی و قومی شعور

ب: ملی و اسلامی شعور

ج: سماجی شعور

د: ما بعد الطبعی تصورات : خودی اور بیخودی

ہ: فنی اور ادبی شعور

۵۔ اقبال کی اردو شاعری کا فنی و تنقیدی مطالعہ

(الف) بانگ درا

(ب) بالِ جبریل

د: ضربِ کلیم

ر: ارمغانِ حجاز

۶۔ اقبال کا فن

(الف) بحیثیت غزل گو

(ب) بحیثیت نظم نگار

۷۔ اقبال کی نثر

۸۔ مندرجہ ذیل منظومات کا تجزیاتی مطالعہ

الف: شکوہ

ب شمع و شاعر

ج: خضرِ راہ

د: طلوعِ اسلام

ہ: مسجدِ قرطبہ

و: ساقی نامہ

ز: ذوق و شوق

ح: لینن خدا کے حضور میں

ط: ابلیس کی مجلسِ شوریٰ

ی: لالہ صحرائی

ELECTIVE-V : Urdu Literature (After 1935)

اردو ادب ۱۹۳۵ء کے بعد

۱۔ ترقی پسند تحریک کا سیاسی اور فکری پس منظر

۲۔ ترقی پسند تحریک کا ارتقائی سفر

۳۔ مندرجہ ذیل شعرا کے کلام کا فنی اور تنقیدی مطالعہ

جوش۔ فراق۔ مجاز۔ جذبی۔ میراجی۔ ن۔م۔راشد۔ مخدوم محی الدین۔ فیض۔

جاں نثار اختر۔ سردار جعفری۔ اختر الایمان۔ مجروح سلطان پوری

۴۔ مندرجہ ذیل ناول نگاروں اور افسانہ نگاروں کا فنی و تنقیدی مطالعہ

کرشن چندر۔ راجیندر سنگھ بیدی۔ سعادت حسن منٹو۔ عصمت چغتائی۔ عزیز احمد۔ قرۃ العین حیدر۔ جیلانی بانو

۵۔ مندرجہ ذیل مزاح نگاروں کا تنقیدی مطالعہ

رشید احمد صدیقی۔ پطرس بخاری۔ کنہیا لال کپور

۶۔ جدیدیت : سماجی و فکری پس منظر

۷۔ اردو شعر و ادب میں جدیدیت کے نمایاں رجحانات

۸۔ عہد حاضر کے اہم نقاد اور ان کی تنقیدی خدمات

28 9

SAMPLE QUESTIONS

Paper-II

۱۔ شاعر بے دماغ کسے کہا جاتا ہے؟

۱۔ مصحفی

۲۔ سودا

۳۔ ناسخ

۴۔ میر

۲۔ "اردو زبان اور فن داستان گوئی" کا مصنف کون ہے؟

۱۔ فرمان فتحپوری

۲۔ عبدالقادر سروری

۳۔ کلیم الدین احمد

۴۔ وقار عظیم

۳۔ کس شاعر کے تقریباً تمام ہی قصائد دربار دہلی سے تعلق رکھتے ہیں؟

۱۔ مرزا غالب

۲۔ مومن

۳۔ سودا

۴۔ ذوق

Paper-III(A)

اردو تذکرہ نویسی کی تاریخ میں "آب حیات" کی حیثیت متعین کیجئے

Or

امراؤ جان ادا کی ادبی و تہذیبی اہمیت پر روشنی ڈالیے

28 10

Paper-III(B)

۱۔ قلی قطب شاہ کے شاعرانہ کمالات پر اظہار خیال کیجئے

Or

"پھول بن" کے حوالے سے ابن نشاطی کی فنکاری کا جائزہ لیجئے

Or

منٹو کے فنی و سماجی شعور کا محاکمہ کیجئے

Or

ادب پر جدیدیت کے منفی اثرات کی نشاندہی کیجئے

* * *

28

11